बालाघाट
शुक्रवार 03 अप्रैल 2026
वैशाख कृष्ण 01 विक्रम संवत 2083
वर्ष 16, अंक 188
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

सेंसेक्स	–	73,319.55
निफ्टी	–	22,713.10
सोना	–	1,48,970
चांदी	–	2,50,000
डॉलर	–	92.92

खास खबर

चीनी सीसीटीवी कैमरे हटाए जाएंगे

नई दिल्ली। दिल्ली के पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने दिल्ली में लगे 1.40 लाख चीनी सीसीटीवी कैमरों हटाने का आदेश दिया है। उन्होंने कहा कि यह कदम राष्ट्रीय सुरक्षा और डेटा जासूसी के खतरों को कम करने के लिए उठाया गया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में पीडब्ल्यूडी ने चीनी चिपसेट वाले इंटरनेट कनेक्टेड 2,74,389 सीसीटीवी कैमरे लगाए हैं, जिसमें 1.40 लाख कैमरे हिकविजन नाम की चीनी कंपनी के हैं जो आम आदमी पार्टी की सत्ता में लगाए गए थे। गौरतलब है कि हाल ही में दिल्ली और गाजियाबाद से जुड़े जासूसी रैकेट का खुलासा हुआ था। इसके बाद सीसीटीवी सिस्टम की सुरक्षा पर सवाल उठे। जांच में सामने आया कि संवेदनशील जगहों पर लगाए गए कैमरों का लाइव फुटेज सीमा पार पाकिस्तान भेजा जा रहा था। इसके बाद केंद्र सरकार ने देशभर में सीसीटीवी नेटवर्क की जांच का फैसला लिया था। यह कदम भी इसी के मद्देनजर उठाया गया है।

पवन सिंह को महिला आयोग से राहत

फरीदाबाद। हरियाणवी एक्ट्रेस अंजलि राघव की कमर छूने के मामले में भोजपुरी एक्टर-सिंगर पवन सिंह को बड़ी राहत मिली है। हरियाणा महिला आयोग ने इस पूरे केस से पवन सिंह का नाम हटा दिया है। चेयरपर्सन रेनू भाटिया ने कहा- पवन सिंह ने माफी मांग ली थी, जिसके बाद केस से उनका नाम हटा दिया गया। मीडिया से बातचीत करते हुए अंजलि ने कहा कि मैंने पवन सिंह के खिलाफ शिकायत नहीं दी थी। गंदी वीडियो बनाने वाले 2-3 लोगों के खिलाफ शिकायत दी गई थी। दरअसल, अंजलि ने आयोग को ई-मेल के जरिए पवन सिंह की पीआर टीम की शिकायत की थी, जिसमें कुछ सबूत भी भेजे गए थे। इसके बाद गुरूवार को फरीदाबाद में राज्य महिला आयोग ने मामले में पवन सिंह और अंजलि राघव को अपना पक्ष रखने के लिए बुलाया था। हालांकि पवन सिंह यहां नहीं पहुंचे।

पश्चिम बंगाल में मतदान के बाद ईवीएम और स्ट्रॉंग रूम की सुरक्षा करेंगी सीएपीएफ की 200 कम्पनियां

कोलकाता। पश्चिम बंगाल चुनाव को लेकर चुनाव आयोग ने एक बड़ा फैसला लिया है. आयोग ने मतदान के बाद ईवीएम और स्ट्रॉंग रूम की सुरक्षा को पुख्ता करने के लिए 29 अप्रैल के बाद सीएपीएफ की 200 कंपनियों की नियुक्ति का ऐलान किया है. आयोग ने कहा है कि चुनाव के बाद कानून व्यवस्था को बेहतर रखने के लिए ये फैसला लिया गया है.आयोग ने बंगाल चुनाव के लिए कुल 2400 सीएपीएफ कंपनियों की तैनाती की है।

कुछ ना कहना

होर्मुज पर ब्रिटेन में 60+ देशों की बड़ी बैठक

भारत से शामिल हुए मिसरी; कहा- हमने नाविक खोए, जल्द रुके तनाव

नई दिल्ली। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर की पहल पर करीब 60 से अधिक देशों के विदेश मंत्रियों ने ऑनलाइन तरीके से होर्मुज संकट पर गुरुवार को चर्चा की। सम्मेलन में भारत का प्रतिनिधित्व विक्रम मिसरी ने किया और अध्यक्षता ब्रिटेन के विदेश मंत्री यवेट कूपर ने की। सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य ईरान की ओर से होर्मुज जलडमरूमध्य की आंशिक नाकाबंदी के मद्देनजर सुरक्षित समुद्री परिवहन सुनिश्चित करना था।

होर्मुज से जहाजरानी सेवाएं फिर शुरू करना आसान नहीं - स्टार्मर

वहीं, बैठक के बाद में ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने कहा, होर्मुज से जहाजरानी सेवाओं को फिर से शुरू करना आसान नहीं होगा और इसके लिए समुद्री उद्योग साझेदारी के अलावा सैन्य शक्ति और राजनयिक गतिविधियों का एक संयुक्त मोर्चा आवश्यक होगा। स्टार्मर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की उस अपील को स्पष्ट नकार चुके हैं कि ब्रिटेन व यूरोप के अन्य देशों को होर्मुज खुलवाने के लिए सेना का इस्तेमाल करना चाहिए।

जब तक लड़ाई जारी रहेगी, होर्मुज मार्ग अस्थिर रहेगा- चीन

इस बीच, चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने चेतावनी दी कि होर्मुज जलडमरूमध्य से आवागमन का मुद्दा ईरान युद्ध का ही परिणाम है और जब तक लड़ाई जारी रहेगी, जलडमरूमध्य स्थिर नहीं रहेगा। वांग यी ने सऊदी अरब के विदेश मंत्री फैसल बिन फरहान अल सऊद से फोन पर बातचीत के दौरान ये टिप्पणियां कीं, जिसमें उन्होंने शीघ्र युद्धविराम का भी आह्वान किया।

संकट का सीधा असर भारत की ऊर्जा सुरक्षा पर

मिसरी ने वर्चुअल माध्यम से चर्चा में भाग लेते हुए क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय समुद्री परिवहन मार्गों की सुरक्षा पर नई दिल्ली का रुख स्पष्ट किया। उन्होंने दुनियाभर के देशों के सामने कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुद्री रास्तों पर जहाजों की बेरोकटोक आवाजाही हर देश का हक है। इससे कोई समझौता नहीं हो सकता। विदेश सचिव ने चिंता जताई कि इस पूरे संकट का सीधा असर भारत की ऊर्जा सुरक्षा पर पड़ रहा है। ब्रिटेन की ओर से बुलाई गई बैठक में सबसे महत्वपूर्ण बात जो भारत ने दुनिया के सामने रखी, वह थी भारतीय नागरिकों की सुरक्षा। विदेश सचिव ने कहा कि खाड़ी क्षेत्र में व्यापारिक जहाजों पर हुए हमलों में भारत इकलौता ऐसा देश है, जिसने अपने जांबाज नाविकों को खोया है। उन्होंने कहा कि इस समस्या का हल और अधिक युद्ध नहीं है। अगर दुनिया को इस संकट से बाहर निकलना है, तो सभी पक्षों को तुरंत हथियारों को शांत कर बातचीत की मेज पर लौटना होगा। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग में कहा, भारत का पक्ष स्पष्ट है। हम स्वतंत्र और खुले वाणिज्यिक परिवहन और अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुरूप समुद्री सुरक्षा के पक्षधर हैं और होर्मुज जलडमरूमध्य से सुरक्षित और निर्बाध नौवहन सुनिश्चित करना हमारी प्राथमिकता है। जायसवाल ने बताया कि ब्रिटेन ने भारत समेत कई देशों को होर्मुज जलडमरूमध्य पर वार्ता के लिए आमंत्रित किया था और मिसरी ने इसमें भाग लिया।

7 न्यायिक अधिकारी को बंधक बनने पर गुस्साएं सीजेआई...

ममता सरकार को फटकार कर कहा, यह सोची-समझी साजिश

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में एसआईआर प्रक्रिया के दौरान मालदा में बवाल हो गया। मालदा में सात न्यायिक अधिकारी 9 घंटे तक बंधक बने रहे। बंगाल में जजों के घेराव से सुप्रीम कोर्ट और खासकर सीजेआई नाराज है। पश्चिम बंगाल की घटना पर सीजेआई सूर्यकांत ने न केवल सख्त टिप्पणी की, बल्कि ममता और उनके अधिकारियों की भूमिका पर सवाल उठा दिए। सीजेआई सूर्यकांत ने नाराजगी जताकर कहा कि बुधवार देर रात की घटना अदालत के अधिकार को खुली चुनौती देने की एक दुस्साहसी कोशिश थी। ममता सरकार को फटकार लगाकर सीजेआई ने कहा कि यह सोची-समझी साजिश थी। आप हमें कड़ी टिप्पणी के लिए मजबूर कर रहे हैं।

दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने बंगाल के मालदा में हुए विरोध प्रदर्शन पर गंभीर रुख अपनाया। इसमें एसआईआर (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) के काम में लगे न्यायिक अधिकारियों को कथित तौर पर बंधक बनाया गया। सुप्रीम कोर्ट ने मामले में अखबार में छपी रिपोर्ट का भी संज्ञान लिया। रिपोर्ट के अनुसार, मालदा के एक गांव में हुए प्रदर्शन के दौरान यह घटना सामने आई, जहां प्रदर्शनकारियों ने न्यायिक अधिकारियों को घेर लिया और उन्हें वहां से जाने नहीं दिया। सुप्रीम कोर्ट ने घटना को बेहद गंभीर बताकर राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति पर चिंता जाहिर की। सुप्रीम कोर्ट ने साफ संकेत दिया कि इस तरह की घटनाएं न्यायिक प्रक्रिया में बाधा डालती हैं और इसतरह की किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं किया जा सकता। मामले में आगे की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट राज्य प्रशासन से जवाब तलब कर सकता है। इतना ही नहीं, सीजेआई ने बंगाल सबसे अधिक धुंधीकृत राज्य बन गया है।

'अदालत के अधिकार को चुनौती देने की कोशिश'

सीजेआई ने राज्य प्रशासन की भूमिका पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए। उन्होंने कहा कि मुख्य सचिव, डीजीपी और गृह सचिव का आचरण निंदनीय है। सुप्रीम कोर्ट ने दो टूक कहा कि मामले को बेहद गंभीरता से लिया जा रहा है और आगे की सुनवाई में सख्त रुख अपनाया जा सकता है। जब बंगाल में हालिया घटनाओं को लेकर राज्य सरकार का पक्ष रखा जा रहा था, तब सीजेआई सूर्यकांत और नाराज हुए।

जिस दिन असम में कांग्रेस आएगी... उस दिन हिमंता को छोड़ने वाले नहीं हम

गुवाहाटी। लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा को भारत का सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री बताकर आरोप लगाया कि सरमा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ मिलकर राज्य में भूमि एटीएम चला रहे हैं, इसके तहत वे जनता से जमीन छीनकर बड़ी कंपनियों को दे रहे हैं। बोकाजन निर्वाचन क्षेत्र से पार्टी उम्मीदवार रतन एंगटी के समर्थन में आयोजित चुनावी रैली को संबोधित कर कहा कि लोकप्रिय गायक जुबीन गर्ग असम और यहां की जनता के लिए खड़े थे, और कांग्रेस पार्टी राज्य में सत्ता में आने के 100 दिनों के भीतर उनकी मृत्यु के लिए न्याय दिलाएगी।

राहुल गांधी ने कहा कि असम फूलों का एक गुलदस्ता है, जिसमें अलग-अलग धर्म, जाति और विचारधारा के लोग रहते हैं। कांग्रेस की सोच है, हिंदुस्तान की जनता के हाथ में असली ताकत हो, देश को चलाने में हर वर्ग को भागीदारी मिले। वहीं बीजेपी की विचारधारा है कि असम को दिल्ली से चलाया जाए है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी 244 (ए) लेकर आई थी, क्योंकि हमारी सोच है कि असम को न गुवाहाटी से चलाया जाए और न दिल्ली से चलाया जाएं। 244 (ए) से असम की जनता को ताकत मिलती है और ये उन्हें फैसले लेने की शक्ति देता है।

भाजपा पर हमला जारी रखते हुए राहुल गांधी ने कहा, कि नरेंद्र मोदी को ट्रंप कंट्रोल करता है। ट्रंप सरेआम पीएम मोदी को गाली देता है। ट्रंप कहता है.....नरेंद्र मोदी मुझे सर बुलाता है। मैं उसका करियर कभी भी खत्म कर सकता हूं। सच्चाई ये है कि अडानी और एपस्टीन ट्रंप ने इन दो हथियारों से नरेंद्र मोदी को पकड़ रखा है और मोदी कुछ नहीं कर सकते। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के पास मोदी के करप्शन और अडानी की कंपनियों की पूरी जानकारी है। अडानी पर अमेरिका में क्रिमिनल केस चल रहा है।

राहुल गांधी ने कहा कि हिमंता बिस्वा को मोदी-शाह कंट्रोल करते हैं। अगर मोदी, हिमंता से कहें कि उछलो, तब उछलने लग जाते हैं। नरेंद्र मोदी और हिमंता मिलकर असम की जनता को लूट रहे हैं। उन्होंने कहा कि पूरा देश जानता हैं, कि सरमा देश का सबसे भ्रस्ट मुख्यमंत्री है। हिमंता, सिंडिकेट के साथ मिलकर असम को चला रहा है। जैसे ही प्रदेश में कांग्रेस की सरकार आएगी, हिमंता हाथ जोड़कर खड़ा होगा। सीएम सरमा को हर भ्रष्टाचार की सजा मिलेगी। हिमंता जानता है कि कांग्रेस पार्टी उस छोड़ने वाली नहीं है। जिस दिन बीजेपी की सरकार जाएगी, उसी दिन इनका घमंड टूट जाएगा।

क्वालिफ़ाइंग तारीख के बाद फ़ॉर्म 6 से शामिल हुए नए वोटरों को वोट देने का अधिकार नहीं मिलेगा - सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली । पश्चिम बंगाल में बीजेपी कार्यकर्ताओं द्वारा फॉर्म 6 के आवेदनों को बड़ी संख्या में जमा किए जाने को लेकर तृणमूल कांग्रेस के विरोध के बीच, सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि क्वालिफ़ाइंग तारीख के बाद फ़ॉर्म 6 से शामिल हुए नए वोटरों को वोट देने का अधिकार नहीं मिलेगा।

भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस विपुल पंचोली की बेंच ने राज्य में वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन को चुनौती देने वाली याचिकाओं के एक समूह की सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की।

यह टिप्पणी तब आई जब सीनियर एडवोकेट कल्याण बंदोपाध्याय ने बताया कि एक मामले में, किसी व्यक्ति ने 30,000 फॉर्म 6 के आवेदन जमा किए थे। फॉर्म 6 का इस्तेमाल पहली बार वोटर लिस्ट में नाम शामिल करवाने के लिए, या फिर घर बदलने के बाद अपना निर्वाचन क्षेत्र बदलने के लिए आवेदन करने हेतु किया जाता है। ममता बनर्जी ने आरोप लगाया था

की अमित शाह फॉर्म 6 का इस्तेमाल करके पश्चिम बंगाल में बड़ी तादात में बिहार, उत्तरप्रदेश के मतदाताओं को भेज रहे हैं। चुनाव आयोग की ओर से पेश होते हुए सीनियर एडवोकेट डीएस नायडू ने कहा कि कानून के मुताबिक, नॉमिनेशन के आखिरी दिन तक भी नाम शामिल किए जा सकते हैं। नायडू ने आगे कहा, यह कोई भी हो सकता है, जो आज भी 18 साल का हो जाए। अगर किसी का कोई अधिकार है, तो कोई भी उसे रोक नहीं सकता। इसके बाद बंदोपाध्याय ने कहा कि हर बूथ के लिए नए शामिल किए गए नामों को सार्वजनिक किया जाना चाहिए, ताकि उन पर आपत्तियां दर्ज की जा सकें। एक तो वोटर लिस्ट में संशोधन होता है और दूसरी वह वोटर लिस्ट होती है, जिसके आधार पर चुनाव होते हैं। चुनाव में इस्तेमाल होने वाली वोटर लिस्ट ईसीआई द्वारा तय की गई क्वालिफाइंग डेट के अनुसार होती है। इसलिए, ऐसे किसी व्यक्ति का नाम शामिल होने से उसे उस चुनाव में वोट देने का अधिकार नहीं मिल जाएगा।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर एक्शन में केंद्र ... संशोधन विधेयकों को पारित करने बुलाएगी विशेष सत्र

विशेष सत्र 16 से 18 अप्रैल तक फिर बुलाया जाएगा

नई दिल्ली । संसद का विशेष सत्र 16 से 18 अप्रैल तक फिर बुलाया जाएगा, जिसका मुख्य उद्देश्य महिलाओं के लिए आरक्षण को लागू करने और संबंधित संशोधन विधेयकों को पारित करना है। मोदी सरकार ने बजट सत्र के समापन के बीच संसद की बैठकों को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित न करने का बड़ा फैसला किया है। इसके बजाय, मोदी सरकार ने तय किया है कि सत्र के अंत में घोषणा की जाएगी कि संसद अगले निश्चित तिथि पर फिर से बैठक करेगी। इस विशेष सत्र के दौरान महिला आरक्षण से जुड़े संवैधानिक और विधायी कदम उठाए जाएंगे।

संसद का बजट सत्र इस वर्ष 28 जनवरी को शुरू हुआ था और प्रारंभ में 2 अप्रैल 2026 तक पूरा करने का कार्यक्रम था। हालांकि, मोदी सरकार अब बजट सत्र को कुछ दिनों के लिए बढ़ाने पर विचार कर रही है। इसके पीछे मुख्य कारण नारी शक्ति वंदन अधिनियम में संशोधन करना और लोकसभा सीटों की संख्या बढ़ाकर महिलाओं के लिए आरक्षित सीटें सुनिश्चित करना है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस बारे में एनडीए के घटक दलों और विपक्ष के कुछ क्षेत्रीय दलों के नेताओं के साथ अलग-अलग बैठकें कर आम सहमति बनाने की पहल की है। विशेष सत्र में पेश होने वाले संविधान संशोधन विधेयक के तहत नारी शक्ति वंदन अधिनियम में संशोधन होगा। यह संशोधन महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण को लागू करने के उद्देश्य से लाया जा रहा है। 2023 में पारित हुए विधेयक के लागू होने के लिए परिसीमन प्रक्रिया जरूरी थी। वर्तमान रूपरेखा के अनुसार, लोकसभा की सीटों की संख्या 543 से बढ़ाकर 816 की जाएगी, जिसमें 273 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी। इससे संसद में महिलाओं की हिस्सेदारी बढ़ेगी और निर्णय प्रक्रिया में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित होगी।

मोदी सरकार का उद्देश्य है कि संसद को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित न किया जाए, बल्कि इसे निश्चित तिथि पर फिर से बैठक के लिए बुलाया जाए। सूत्रों के अनुसार, अप्रैल के तीसरे सप्ताह में दो-तीन दिनों के लिए लोकसभा और राज्यसभा की बैठक आयोजित की जा सकती है। इस सत्र के दौरान महिला आरक्षण और संसद में सीटों की वृद्धि से संबंधित महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाएंगे, जिससे महिलाओं को राजनीतिक प्रतिनिधित्व में मजबूती मिलेगी। विशेष सत्र का आयोजन महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इससे न केवल संसद में महिलाओं की हिस्सेदारी बढ़ेगी, बल्कि नीति निर्धारण और विधायी प्रक्रिया में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित होगी। सरकार का यह कदम महिला आरक्षण को जल्द लागू कराने और लोकसभा की सीटों में बदलाव के माध्यम से प्रतिनिधित्व को व्यापक बनाने के लिए उठाया गया है। इस तरह, 16 से 18 अप्रैल तक का यह विशेष सत्र संसद की कार्यवाही में महिलाओं के प्रतिनिधित्व को सुनिश्चित करने और नारी शक्ति वंदन अधिनियम में संशोधन करने के लिए निर्णायक साबित होगा।

भड़काऊ भाषण देने के आरोपों का मल्लिकार्जुन खड़गे ने किया खंडन

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने राऊज एवेन्यू स्थित विशेष एमपी-एमएलए कोर्ट में अपने खिलाफ दायर एक पुनर्विचार याचिका पर जवाब दाखिल किया है। उन्होंने न सिर्फ आरोपों से इनकार किया, बल्कि पुनर्विचार याचिका पर सुनवाई कर रही कोर्ट के अधिकार क्षेत्र पर भी सवाल उठा दिया। यह मामला अप्रैल 2023 में कर्नाटक में हुई एक रैली में बीजेपी और आरएसएस के बारे में कथित तौर पर दिए गए भड़काऊ भाषण से संबंधित है। गुरुवार को इस मामले में दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट में सुनवाई हुई। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक खड़गे के वकील ने तर्क दिया कि विशेष न्यायालय के पास पुनरीक्षण याचिका पर सुनवाई करने का अधिकार क्षेत्र नहीं है। उन्होंने कहा कि पुनरीक्षण के लिए अधिकार क्षेत्र तीस हजारी कोर्ट के प्रधान और सत्र न्यायाधीश का है, न कि इस न्यायालय का। कांग्रेस प्रमुख पर समुदायों के बीच द्वेष फैलाने के जो आरोप लगाए गए हैं, इस संबंध में दाखिल जवाब में उन आरोपों से इनकार किया है।

आप ने राघव चड्ढा को राज्यसभा उपनेता पद से हटाया

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने गुरुवार को सांसद राघव चड्ढा को राज्यसभा के उपनेता पद से हटा दिया है। उनकी जगह यह पोस्ट राज्यसभा सांसद अशोक मित्तल दे दी है। पार्टी ने राज्यसभा सचिवालय को पत्र लिखकर यह जानकारी दी। लेटर में कहा कि सदन में पार्टी की तरफ से बोलने का समय न दिया जाए। राघव 2022 से पंजाब से राज्यसभा सांसद हैं। उनका कार्यकाल 2028 तक है।

पार्टी ने इस फैसले की वजह नहीं बताई है। हालांकि, उन्होंने लंबे समय से पार्टी से दूरी बना ली थी और आप को लेकर कोई बयान नहीं दे रहे हैं। 27 फरवरी को जब एक निचली अदालत से अरविंद केजरीवाल को दिल्ली शराब नीति मामले में राहत मिली, तब भी उन्होंने कोई बयान नहीं दिया था। राज्यसभा में भी वे गिग वर्कर्स और स्कूल फीस जैसे उठा रहे थे। अशोक मित्तल भी पंजाब से आप के राज्यसभा सांसद हैं। वे जालंधर के रहने वाले हैं। पंजाब की लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी के फाउंडर और चांसलर हैं। 2022 में राज्यसभा सांसद बने थे।

अमित शाह ने भरी हुंकार...पूरा बंगाल ममता को विदाई देने के लिए तैयार

हमारी सरकार बनते ही बंगाल से चुन-चुनकर घुसपैठियों को बाहर किया जाएगा

कोलकाता । केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के गढ़ व गृह क्षेत्र भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र में हुंकार भरते हुए कहा कि पूरा बंगाल ममता को विदाई देने के लिए तैयार है। भवानीपुर से ममता के खिलाफ चुनावी मैदान में उतरे विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी के नामांकन से पहले सीएम के घर से कुछ दूरी पर स्थित हाजरा मोड़ से शुरू हुए रोड शो से पूर्व लोगों को संबोधित कर केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा कि भ्रष्ट टीएसमी सरकार की विदाई तय है। पांच मई को बंगाल में भाजपा सरकार बनेगी।

केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा कि भवानीपुर वालों पूरे बंगाल में परिवर्तन करना अब आपके हाथ में है। मेरे पास एक शॉर्टकट है, अगर भवानीपुर वाले एक ही सीट जीता दे, तब पूरे बंगाल में अपने आप परिवर्तन हो जाएगा। केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा कि सुवेंदु दा नंदीग्राम से चुनाव लड़ना चाहते थे। मैंने सुवेंदु दा से कहा था कि केवल नंदीग्राम ही नहीं बल्कि ममता के घर में जाकर उन्हें हराना है।

बीजेपी के चाणक्य शाह ने कहा कि ममता ने पिछली बार 2021 में बंगाल में सरकार बना ली थीं लेकिन नंदीग्राम में वे सुवेंदु अधिकारी के सामने चुनाव हार गई थी। इस बार ममता पूरे बंगाल में भी हारेंगी और भवानीपुर में भी हारेंगी। केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा कि इस बार चुनाव के दौरान मैं 15 दिन बंगाल में रहूंगा। शाह के नेतृत्व में भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र में विशाल रोड शो दोपहर 12 बजे शुरू हुआ, जो करीब दो किलोमीटर दूर सर्वे बिल्डिंग के पास समाप्त होगा। जहां शाह की मौजूदगी में सुवेंदु अधिकारी भवानीपुर सीट से अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। रोड शो में शाह के साथ सुवेंदु के अलावा चौरंगी सीट से भाजपा प्रत्याशी संतोष पाठक, रासबिहारी से प्रत्याशी स्वप्न दासगुप्ता के अलावा प्रदेश भाजपा अध्यक्ष शमिक भट्टाचार्य व अन्य वरिष्ठ नेता वाहन पर सवार हैं। शाह के रोड शो में लोगों का भारी जनसैलाब उमड़ पड़ा है। भगवा झंडा लिए भाजपा समर्थक जय श्री राम का नारा बुलंद कर रहे हैं, जिससे पूरा इलाका भगवामय नजर आ रहा है।

कायदी का आम तालाब अतिक्रमण की चपेट में

55 एकड़ से 30 एकड़ मे सिमटकर रह गया तालाब, निचले किसानों पर गहराता जल संकट

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। वारासिवनी जनपद पंचायत वारासिवनी के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत कायदी का बहुचर्चित आम तालाब पिछले करीब दो दशकों से अतिक्रमण की मार झेल रहा है। कभी क्षेत्र के किसानों की जीवनरेखा माने जाने वाला यह तालाब अब धीरे-धीरे अपनी पहचान खोता जा रहा है। अतिक्रमण और अव्यवस्था के कारण इसका आकार लगातार सिमटता जा रहा है, जिससे स्थानीय कृषकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

55 एकड़ से घटकर रह गया 30 एकड़

मिली जानकारी के अनुसार लगभग 50 वर्ष पूर्व यह तालाब करीब 55 एकड़ क्षेत्र में फैला हुआ था। उस समय यह निचले क्षेत्रों के किसानों के लिए सिंचाई का प्रमुख स्रोत था। लेकिन वर्तमान में अतिक्रमण के चलते इसका दायरा घटकर मात्र 30 एकड़ रह गया है। तालाब की जमीन पर अवैध कब्जा कर फसल उगाई जा रही है जिससे इसकी जलधारण क्षमता पर सीधा असर पड़ रहा है।

अतिक्रमणकारियों की हरकतों से जलभराव प्रभावित

स्थानीय लोगों के अनुसार अतिक्रमणकारी किसान अपनी फसलों को बचाने के लिए तालाब का पानी समय से पहले ही बहा देते हैं। जैसे ही उनकी कब्जाई जमीन में पानी भरने की स्थिति बनती है, वे पानी को बाहर निकाल देते हैं। इस कारण तालाब में पर्याप्त जल संग्रह नहीं हो पाता। परिणामस्वरूप, रबी सीजन में निचले स्तर के किसानों को सिंचाई के लिए पानी नहीं मिल पाता और उन्हें गंभीर जल संकट का सामना करना पड़ता है।

स्वच्छता और रखरखाव की स्थिति भी दयनीय

तालाब की हालत केवल अतिक्रमण तक सीमित नहीं है, बल्कि स्वच्छता के मामले में भी स्थिति बेहद खराब हो चुकी है। तालाब में बेशर्म की झाड़ियां और जलकुंभियों ने पूरी तरह से पैर पसार लिए हैं जिससे जल स्रोत प्रदूषित हो रहा है और इसकी उपयोगिता लगातार घट रही है।

जिम्मेदारी तय नहीं-प्रशासन मौन

सबसे बड़ी चिंता का विषय यह है कि अब तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि इस तालाब का वास्तविक नियंत्रण जनपद पंचायत वारासिवनी के पास है या ग्राम पंचायत के अधीन आता है। दोनों ही संस्थाओं की ओर से किसी प्रकार की ठोस कार्रवाई या देखरेख नजर नहीं आ रही है जिससे समस्या और भी गंभीर होती जा रही है।

ग्रामीणों की मांग-अतिक्रमण हटे-तालाब का हो संरक्षण

ग्राम के नागरिकों और किसानों का कहना है कि इस ऐतिहासिक तालाब को अतिक्रमण से मुक्त कराया जाए और इसकी नियमित सफाई व संरक्षण की व्यवस्था की जाए। उनका मानना है कि यदि समय रहते उचित कदम उठाए जाएं, तो यह तालाब पुनः अपनी पुरानी सुंदरता और उपयोगिता प्राप्त कर सकता है।

तालाब किसानों की आजीविका का साधन है

कायदी का आम तालाब केवल एक जलस्रोत नहीं, बल्कि क्षेत्र के किसानों की आजीविका का आधार रहा है। यदि अतिक्रमण और उपेक्षा का यही सिलसिला जारी रहा, तो आने वाले समय में यह तालाब पूरी तरह समाप्त होने की कगार पर पहुंच सकता है। अब आवश्यकता है प्रशासनिक जागरूकता और ठोस कार्रवाई की, ताकि इस अमूल्य धरोहर को बचाया जा सके।

तालाब को अतिक्रमण मुक्त करने की दिशा में आवश्यक पहल की जाएगी - जनपद सदस्य जितेंद्र सिंह राजपूत

इस क्षेत्र के जनपद सदस्य जितेंद्र सिंह राजपूत ने पद्मेश न्यूज से चर्चा करते हुए बताया कि इस तालाब की पिछले कई वर्षों से नीलामी नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि यदि समय पर तालाब की नीलामी कर इसे मछुआ समिति को सौंप दिया जाता तो समिति पूरे विस्तारित क्षेत्र को अपने अधीन लेकर बेहतर ढंग से उसका संरक्षण और उपयोग कर सकती थी। उन्होंने आगे बताया कि वर्षों से साफ-सफाई नहीं होने के कारण तालाब की स्थिति बेहद खराब हो गई है। चारों ओर गंदगी फैल गई है। झाड़ियां उग आई हैं और पानी भी दूषित हो चुका है। जिससे इसका उपयोग प्रभावित हो रहा है।जितेंद्र सिंह राजपूत ने आश्वस्त किया कि जल्द ही तालाब का सीमांकन करवाकर इसे अतिक्रमण से मुक्त कराने की दिशा में आवश्यक पहल की जाएगी ताकि तालाब को पुनः स्वच्छ और उपयोगी बनाया जा

तालाब को अतिक्रमण से मुक्त कराने शीघ्र ही कलेक्टर से शिकायत की जाएगी- सरपंच प्रतिनिधि जितेंद्र नगरगड़े

सरपंच प्रतिनिधि जितेंद्र नगरगड़े ने पद्मेश न्यूज से बातचीत में बताया कि यह आम तालाब कभी 55 एकड़ क्षेत्र में फैला हुआ एक स्थायी जलस्रोत था, जिससे लगभग 200 एकड़ कृषि भूमि की सिंचाई होती थी। लेकिन वर्तमान में अतिक्रमण के चलते यह तालाब सिमटकर मात्र 20-25 एकड़ तक ही सीमित रह गया है।उन्होंने कहा कि किसानों द्वारा किए गए अतिक्रमण के कारण तालाब की जलधारण क्षमता प्रभावित हुई है जिससे निचले स्तर के किसानों को पर्याप्त पानी नहीं मिल पा रहा है और उन्हें सिंचाई के लिए परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जितेंद्र नगरगड़े ने स्पष्ट किया कि यह तालाब जनपद पंचायत वारासिवनी के अधीन आता है। उन्होंने बताया कि तालाब को अतिक्रमण से मुक्त कराने के लिए शीघ्र ही कलेक्टर बालाघाट को शिकायत की जाएगी। ताकि इस दिशा में ठोस कार्रवाई सुनिश्चित हो सके।

गुड़ फ्राइडे पर्व आज

जिले भर के गिरजाघरों में होंगे विभिन्न कार्यक्रम तीन घंटे तक कि जाएगी विशेष अराधना मेथोडिस्ट चर्च में देर शाम तक होंगे आयोजन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिला मुख्यालय सहित अन्य तहसील व ग्रामीण अंचलों में आज 3 अप्रैल दिन शुक्रवार को गुडफ्राइडे का पर्व विशेष आराधना के साथ मनाया जाएगा जहा दिन भर विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन होंगे। प्रभु यीशु मसीह के इस बलिदान दिवस पर आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों की तैयारियां नगर के मेथोडिस्ट और कैथोलिक चर्च में पूरी कर ली गई है।जहां शुक्रवार सुबहा से ही विभिन्न

कार्यक्रमों के आयोजन होंगे।जहा विशेष आराधना कर यह पूर्व मनाकर मानवता के लिए प्रभु यीशु द्वारा दिए गए बलिदान को याद किया जाएगा। आपकों बताए कि गुड फाइडे हर साल ईस्टर संडे से पहले यानी की फाइडे को आता है। मसीह समुदाय द्वारा ये त्यौहार धार्मिक परम्पराओ के अनुसार मनाया जाता है। वही गुड फ्राइडे मसीह धर्म के लिए बहुत ही पवित्र दिन माना जाता है। ऐसा माना जाता है कि इस दिन प्रभु यीशु मसीह ने अपने प्राण त्याग दिए थे। इस दिन मसीह धर्म के लोग श्रद्धा, प्रेम, सत्य और विश्वास के रास्ते पर चलने का प्रण लेते हैं। कई लोग इस दिन काले कपड़े पहनकर शोक मनाते है।वही इस दिन कुछ लोग व्रत भी रखते हैं। गिरजाघरों में घंटा न बजाकर लकड़ी के खटखटे बजाकर चर्च में क्रास चूमकर ईशा मसीह का स्मरण करते है। धार्मिक मान्यताओ के अनुसार आज का दिन गुडफ्राइड पर अपने प्राण त्याग कर प्रभु यीशु मसीह ईस्टर संडे को पुन: जीवित हो उठे थे।इसी वजह से ईसाई धर्म के लोग गुड फ्राइडे के दिन प्रभु यीशु के बलिदान को याद करते हैं।

यीशु मसीह ने त्यागे थे अपने प्राण

मसीह समुदाय का प्रमुख पर्व गुडफ्राइडे आज मसीह समुदाय द्वारा पूर्ण भावना एंव विश्वास के साथ मनाया जाएगा।ऐसी मान्यता है कि इसी दिन प्रभु यीशु मसीह ने अपने प्राण त्यागे थे। जिनके उपदेशों और मानव कल्याण के लिए दिए गए उनके बलिदान को याद कर आज मसीह समुदाय के लोग गिरिजाघरों में जाकर विशेष प्रार्थना करेंगे, वहीं इसके अलावा प्रभु यीशु की याद में उपवास किया जाएगा और उपवास करने के बाद मीठी रोटी बनाकर खाई जाएगी।साथ ही लोग चर्च में क्रॉस को चूमकर प्रभु यीशु का स्मरण करेंगे।इस दौरान विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए जाएंगे।

आज ही के दिन प्रभु यीशु को सूली पर चढ़ाया गया था

बताया गया कि आज ही दिन प्रभु यीशु को सूली पर चढ़ाया गया था।प्रभु यीशु मसीह, प्रेम और शांति के मसीहा थे। दुनिया को प्रेम और करुणा का संदेश देने वाले प्रभु यीशु को उस समय के धार्मिक कट्टरपंथियो ने रोम के शासक से शिकायत करके उन्हें सूली पर लटकवा दिया था, लेकिन कहा जाता है कि प्रभु यीशु इस घटना के तीन दिन बाद पुन: जीवित हो उठे थे। इसलिए गुड फाइडे के बाद आने वाले संडे को ईस्टर संडे मनाया जाता है।

मेथोडिस्ट चर्च पास्टर रेव्ह. सुरेश कुमार ने बताया कि गुडफ्राइडे पर्व पर सुबह 11.30 बजे से करूश विशेष आराधना होगी और इस दौरान प्रभु ईशु ने जो सात वचन दिए थे उन वचनों पर वक्ता अपना संदेश देंगे। उन्होंने बताया कि गुड फाइडे के दिन प्रभु ईशु को पूरे तीन घंटे तक करूश पर लटकाया गया था जिसके बाद उनकी मृत्यु हुई थी जिसके चलते ही पूरे तीन घंटे तक परंपरानुसार आराधना की जाएगी। जिसके बाद उपवास तोड़ा जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रभु ईशु मसीह ने धर्मशास्त्र व विश्वास के अनुसार समस्त संसार के कल्याण के लिए करूश में अपना बलिदान दिया था तब से ही इस दिन को मनाने की परंपरा निभाई जा रही है। वही आज से ठीक 3 दिन बाद प्रभु यीशु मानव कल्याण के लिए पुनर्जीवित हो उठे थे। जिसके चलते ठीक 03 दिन बाद रविवार को ईस्टन संडे पर्व मनाया जाएगा।

बिरसा मुंडा चौक कुकड़ा में गूंजेगी श्रीमद् भागवत कथा, सात दिवसीय धार्मिक आयोजन 3 अप्रैल से प्रारंभ

पद्मेश न्यूज। चांगोटोला। समीपस्थ ग्राम कुकड़ा के पावन बिरसा मुंडा चौक में 3 अप्रैल से 10 अप्रैल तक सात दिवसीय श्रीमद् भागवत महापुराण कथा का भव्य एवं आध्यात्मिक आयोजन किया जा रहा है। इस दिव्य कथा का वाचन राष्ट्रीय कथा प्रवक्ता साध्वी रचना प्रणय (वृंदावन धाम) द्वारा किया जाएगा, जिससे समूचा क्षेत्र भक्तिमय वातावरण में सराबोर हो उठेगा। कार्यक्रम के प्रथम दिन 3 अप्रैल को श्रीमद् भागवत का महत्व बताया जाएगा। 4 अप्रैल को मंगलाचरण, श्री सुखदेव जन्म महोत्सव, परीक्षित जन्म एवं सुखदेव पूजन संपन्न होगा। 5 अप्रैल को सृष्टि विस्तार, कपिलोपाख्यान एवं सती चरित्र का वर्णन किया जाएगा। 6 अप्रैल को प्रह्लाद चरित्र, गजेंद्र मोक्ष, समुद्र मंथन, वामन अवतार तथा श्रीराम एवं श्रीकृष्ण जन्मोत्सव का भावपूर्ण प्रसंग सुनाया जाएगा। 7 अप्रैल को बाल लीलाएं, माखन चोरी एवं गोवर्धन पूजा का वर्णन होगा। 8 अप्रैल को महारास, कंस वध एवं रुक्मिणी विवाह का भव्य प्रसंग प्रस्तुत किया जाएगा। 9 अप्रैल को सुदामा चरित्र के माध्यम से सच्ची मित्रता और भक्ति का संदेश दिया जाएगा, वहीं 10 अप्रैल को पूर्णाहुति के साथ कार्यक्रम का समापन होगा एवं श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसाद का वितरण किया जाएगा। इस पावन आयोजन में विशेष अतिथि के रूप में ग्राम पंचायत कुकड़ा के सरपंच योगेश राहंगडाले, जनपद सदस्य गोकुल प्रसाद मड़ावी एवं प्रमोद ठाकरे सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहेंगे।यह धार्मिक आयोजन न केवल श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक ज्ञान प्रदान करेगा, बल्कि क्षेत्र में धर्म, भक्ति और संस्कारों की अलौकिक ज्योति भी प्रज्वलित करेगा। आयोजकों ने सभी श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कथा श्रवण का लाभ लेने की अपील की है।

केशव इंग्लिश हायर सेकेण्डरी स्कूल का वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। केशव इंग्लिश हायर सेकेण्डरी स्कूल का वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित किया गया। कार्यक्रम का प्रारंभ दीप प्रज्वलन कर माँ सरस्वती वंदना के साथ की गई। जिसमें ज्ञान विकास समिति के अध्यक्ष प्रदीप तिवारी,शौर्य रूसिया ,विद्यालय अधीक्षक जितेन्द्र टेंभरे ; विद्यालय प्राचार्य मयंक मिश्रा की उपस्थिति में घोषित किया गया। जिसमें कक्षा नर्सरी में प्रथम अनामी पाठक १००, द्वितीय दृष्टि वरकड़े ९९.७५, तृतीय नक्ष चौहान ९५.५, कक्षा एल. के. जी. में प्रथम आहान कटरे १०० ,द्वितीय प्रियांश टाण्डेकर ९९.५, तृतीय लीना भोयर ९९ .५, यू. के.जी में प्रथम अंचल चौरसिया ९९.७५, द्वितीय आरवी गिरि गोस्वामी ९९.५०, तृतीय जन्मय शिवानकर ९९.२५, कक्षा पहली में प्रथम सांची रौड़कर १००, द्वितीय कृति सिंह बिसेन ९९.५, तृतीय हर्सिता चौरसिया ९८.५, कक्षा दूसरी में प्रथम लक्ष पारधी ९९.५०, द्वितीय इसाना जामुलकर ९९.३, तृतीय गितांशु वरकडे ९९.२, कक्षा तीसरी में प्रथम सेजल चौधरी ९९.८३, द्वितीय अवनी वराडे ९९.६६, तृतीय आध्या बिसेन ९८.३३, कक्षा चौथी में प्रथम तोषी बिसेन ९९.५०, द्वितीय रश्मी बाहेश्वर ९९, तृतीय प्रिशा मिश्रा ९८.८३, कक्षा ५ वीं में प्रथम लतिका टेंभरे ९५.७५, द्वितीय निधि बिसेन ९५.५, तृतीय निधि नंदनवार ९४.२५, कक्षा ६वीं में प्रथम सरस्वती ठाकरे ९४.७१, द्वितीय विपर्णा सोनेकर ९३.७१,तृतीय वैभवी मिश्रा ९३.५७, कक्षा ७ वीं में प्रथम रिदम चौरसिया ९९.२८, द्वितीय उर्वशी पंचभाई ९८.१४, तृतीय प्रज्ञा राउत ९७.८५, कक्षा ८वीं में प्रथम पूर्वी लांजेवार ९६.१०, द्वितीय हिमानी पटले ९५.६०, तृतीय महक खंडाते ९४, कक्षा ९वीं में प्रथम वैदही टेंभरे ९७.५०, द्वितीय अनन्या शुक्ला ९६.१७, तृतीय मानवी भगत ९५.६७, कक्षा ११वीं में प्रथम फाल्गुनी बिसेन ९५.४०, द्वितीय हेमा पटले ९४.६०, मीत बिसेन ९३, स्थान प्राप्त किया गया तथा पुरूस्कार वितरण किया गया । सभी सफल ल विद्यार्थियों को शील्ड एवं प्रमाण पत्र देकर पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित विद्यालय प्रबंधन समिति अध्यक्ष प्रदीप तिवारी ने सभी सफलता प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को बधाइयाँ दी एवं सभी अभिभावक और समस्त शिक्षक शिक्षिकाओं को भी बधाई दी और हमेशा ऐसे ही जीत हासिल करने की शुभकामनाएँ प्रेषित कर और अभिभावकों का आभार व्यक्त किया।

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं आरती परिहार उम्र 24 वर्ष, पति श्री सोमेन्द्र परिहार, ग्राम-साल्हे (ला.), तहसील लालबर्रा, जिला-बालाघाट (म.प्र.) की निवासी हूं। मेरे आधार कार्ड में मेरा पूर्व का उपनाम (मायके का) राहंगडाले दर्ज है। विवाह के पश्चात अब मैंने अपना उपनाम बदलकर परिहार कर लिया है। भविष्य में मुझे मेरे इसी नये नाम आरती परिहार के नाम से ही जाना व पहचाना जाये।

प्रकाशक
आरती परिहार पति श्री सोमेन्द्र परिहार
निवासी- ग्राम साल्हे (ला.) तहसील लालबर्रा
जिला-बालाघाट म.प्र.

मातृभूमि की सेवा कर लौटे वीर का वारासिवनी में भव्य अभिनंदन

१७ वर्ष बाद वतन वापसी पर उमड़ा जनसैलाब

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। शौर्य साहस और समर्पण की प्रतिमूर्ति भारतीय सेना के जवान जब अपनी कर्तव्य वेदी से सेवामुक्त होकर गृह नगर लौटते हैं तो दृश्य भावुक और गर्व से भर देने वाला होता है। कुछ ऐसा ही नजारा २ अप्रैल को वारासिवनी की सड़कों एवं ग्राम तुमाड़ी में देखने को मिला। जब इंडियन आर्मी सिग्नल कोर के जांबाज सैनिक प्रकाश चौधरी अपनी १७ वर्षों की गौरवशाली सेवा पूर्ण कर सेवानिवृत्त होकर वापस लौटे। जैसे ही प्रकाश चौधरी वारासिवनी की पावन धरा पर पहुँचे स्थानीय जयस्तंभ चौक पर भारत माता के जयकारों से गुंजायमान हो उठा। नगर वासियों ने पलक पावड़े बिछाकर अपने नायक का स्वागत किया। उपस्थित जनसमूह ने पुष्पहारों से उन्हें लाद दिया। कई गणमान्य नागरिकों ने भारतीय परंपरा के अनुसार शाल और श्रीफल भेंट कर उनकी सेवाओं के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। इस अवसर पर ना केवल युवा, बल्कि बुजुर्गों और बच्चों में भी भारी उत्साह देखा गया जो सेना के प्रति अगाध श्रद्धा को प्रदर्शित कर रहा था। स्वागत समारोह के पश्चात एक भव्य रैली निकाली गई। प्रकाश चौधरी को एक सजी हुई खुली जिप्सी में सवार किया गया। डीजे पर बज रहे संदेशे आते हैं और मां तुझे सलाम जैसे देशभक्ति गीतों ने वातावरण

को राष्ट्रवाद के रंग में सराबोर कर दिया। यह शोभायात्रा नगर के प्रमुख चौक चौराहों और गलियों से गुजरी, जहाँ जगह जगह लोगों ने अपने घरों की छतों और दरवाजों से पुष्प वर्षा कर जवान का अभिवादन किया। युवा गानों की धुन पर झूमते और तिरंगा लहराते हुए जुलूस की शोभा बड़ा रहे थे। रिटायर्ड जवान प्रकाश चौधरी भारतीय सेना की सिग्नल कोर में वायरलेस ऑपरेटर के महत्वपूर्ण पद पर कार्यरत थे। उनकी अंतिम पदस्थापना पश्चिम बंगाल के बिनागुड़ी जिले में थी। १७ वर्ष पूर्व जिस जज्बे के साथ घर छोड़ा था आज उसी सम्मान के साथ वापसी देख आंखें नम हैं। वारासिवनी से शुरू हुई यह रैली जब प्रकाश चौधरी के पैतृक ग्राम तुमाड़ी पहुँची तो वहाँ का नजारा किसी उत्सव से कम नहीं था। ग्रामीणों ने गाजे बाजे के साथ स्वागत किया और उन्हें घर तक ससम्मान छोड़ा। घर पहुँचते ही परिजनों ने आरती उतारकर और तिलक लगाकर उनका स्वागत किया। यह आयोजन ना केवल एक सैनिक की सेवानिवृत्ति का जश्न था बल्कि भावी पीढ़ी के लिए प्रेरणा का एक अध्याय भी था कि राष्ट्र सेवा से बड़ा कोई धर्म नहीं है। इस भावुक क्षण में इष्ट मित्र, रिश्तेदार और क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

जंगली सूअर के हमले में आंचल घायल

खेत में महुआ चुनने के दौरान हुई घटना

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। किरनापुर थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम कान्द्री कला जंगली सूअर के हमले में एक युवती घायल हो गई।2 अप्रैल को सुबह यह घटना उसे समय हुई जब यह युवती अपने खेत महुआ चुनने के लिए गई थी। घायल अप आंचल पिता दुकालू बेदरे 21 वर्ष को जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार आंचल बीएससी फाइनल की छात्रा है जो पढ़ाई के साथ-साथ घरेलू काम भी करती है। 2 अप्रैल को सुबह आंचल अपनी बहन प्रतिमा के साथ अपने खेत महुआ चुनने गई थी। सुबह 8:00 बजे जब आंचल अपनी बहन के साथ पेड़ के नीचे महुआ चुन रही थी। तभी जंगल तरफ से दो जंगली सूअर अचानक पहुंचे। जिनमे एक जंगली सूअर ने आंचल पर हमला कर दिया यह देख दोनों बहने चिल्लाने लगी। जिनकी आवाज सुनकर कुछ दूर महुआ चुन रहे लोग दौड़े, तब तक जंगली सूअर भाग चुका था। जंगली सूअर के हमले में आंचल घायल हो गई थी। जिसे तुरंत ही किरनापुर के अस्पताल में भर्ती किए । जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया है।

बारबेड वायर (कांटेदार तार)
एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

बालाघाट
शुक्रवार 03 अप्रैल 2026

बालाघाट सिटी न्यूज़

3
पद्मेश न्यूज
बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

लोधी समाज की आवश्यक बैठक आज, पूर्व मंत्री जालम सिंह पटेल होगें शामिल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिला लोधी महासभा बालाघाट के आह्वान पर लोधी समाज की एक वृहद बैठक का आयोजन 3 अप्रैल को साढ़े 10 बजे से किया गया हैं। बैठक कोसमी स्थित एक लॉन में आयोजित होगी। जिसमें अखिल भारतीय लोधी लोधा लोध महासभा के प्रदेशाध्यक्ष व पूर्व मंत्री जालम सिंह पटेल, महासभा के युवा मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष सर्वजीत सिंह लोधी प्रमुख रूप से शामिल होंगें। इसके अलावा विधायक राजकुमार करहि, विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे सहित अन्य जनप्रतिनिधि का भी आतिथ्य रहेगा। वीरांगना रानी अवंती बाई की प्रतिमा के समक्ष द्वीप प्रज्जवलन व माल्यपर्ण के साथ बैठक प्रारंभ होगी। बैठक में सन 1842 की क्रांति के नायक व लोधी लोधा लोध समाज के वीर सपूत राजा हिरदेशाह लोधी की पुण्यतिथि के अवसर पर आगामी 28 अप्रैल को भोपाल के जंबूरी मैदान में होने वाले शौर्य दिवस के विशाल कार्यक्रम को लेकर चर्चा की जायेगी। जिसमें बालाघाट जिले से भी लोधी स्वजातीय बंधुओं की उपस्थिति को लेकर मार्गदर्शन प्राप्त होगा। साथ ही लोधी समाज की गतिविधियों को लेकर प्रकाश डाला जायेगा। बैठक में लोधी समाज के समस्त विंग महिला, युवा, कर्मचारी, किसान, व्यापारी व उत्कर्ष जनचेतना मंच, सहित समाज के सभी जनप्रतिनिधि, पंच, सरपंच, जनपद सदस्य, जिला पंचायत सदस्य व अन्य जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति अपेक्षित हैं। जिला लोधी महासभा के जिलाध्यक्ष डॉक्टर अशोक लिल्हारे,प्रदेश उपाध्यक्ष उदयसिंह नगपुरे प्रदेश प्रवक्ता शौकत बिसाने, प्रदेश सचिव धर्मपाल सिंह नगपुरे, दिलीप उपवंशी, जितेंद्र सिंह मोहारे,बी.एल.लिल्हारे, रामक्षसह पटेल, रामचंद सिहोरे, सुखदेव मुनि कुतराहे, यशवंत लिल्हारे,दिलीप उपवंशी,राकेश बनोटे, चुमेश लिल्हारे,प्रशांत मोहारे,सावन पिछोड़े, गगन नगपुरे, योगेश नगपुरे, भोजराज गहगहे, गुडडू नगपुरे, चंदर दमाहे, गंगाप्रसाद लिल्हारे, आतिश लिल्हारे, गौरीशंकर मोहारे, हर्ष मुंजारे, शैलेंद्र ठकरेले, राजेश लिल्हारे, पवन नगपुरे,दिलीप लिल्हारे,महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष श्रीमती शीला नगपुरे, प्रदेश महामंत्री गौरी लिल्हारे,श्रीमती रितु मोहारे, श्रीमती अंबिका नगपुरे, श्रीमती ज्योति उमरे, श्रीमती सपना विजय मस्खरे, पूनम गणेश लिल्हारे, श्रीमती रश्मा नगपुरे और दुर्गा सौलखे, सी डी नगपुरे सहित अन्य ने आयोजित बैठक में लोधी समाज के समस्त महिला,पुरूष,युवाओं से अधिकाधिक संख्या में शामिल होने का आह्वान किया हैं।

मप्र बिजली कर्मचारी महासंघ का चरणबद्ध आंदोलन

आंदोलन के तीसरे चरण में कर्मचारियों ने दिया धरना, 11 सूत्रीय मांगे पूरी करने की लगाई गुहार, की जमकर नारेबाजी

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

वर्षों से लंबीत अपनी विभिन्न सूत्रीय मांगे पूरी न होने से, मध्य प्रदेश विद्युत मंडल के कर्मचारी प्रदेश सरकार से खासा नाराज है। जिन्होंने ज्ञापन, आवेदन, निवेदन पर भी कोई सुनवाई ना होने पर अपना एतराज जताते हुए प्रदेश सरकार के खिलाफ चरणबद्ध आंदोलन शुरू कर दिया है।जहां 6 मार्च से शुरू किए गए इस, आंदोलन के तीसरे चरण में 2 अप्रैल गुरुवार को मध्य प्रदेश विद्युत मंडल महासंघ से जुड़े कर्मचारियों ने अपना आक्रोश जताते हुए विद्युत कार्यालय समक्ष एकदिवसीय धरना प्रदर्शन कर जमकर नारेबाजी की जिसके माध्यम से उन्होंने उनकी 11 सूत्रीय मांगों को पूरा किए जाने की गुहार लगाई है, तो वही धरने के माध्यम से भी मांग पूरी न होने पर चरणबद्ध आंदोलन के चौथे चरण के तहत 16 अप्रैल को भोपाल पहुंचकर आंदोलन किए जाने की बात कही है इसके अलावा महासंघ ने भोपाल आंदोलन के बाद भी मांगे पूरी न होने पर काम बंद कर अनिश्चितकालीन हड़ताल किए जाने की चेतावनी दी है।

नजरअंदाज की जा रही मांगे इसलिए, अपनाना पड़ा आंदोलन का रास्ता

मध्यप्रदेश बिजली कर्मचारी महासंघ ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर आंदोलन को तेज करते हुए धरना प्रदर्शन किया।महासंघ के पदाधिकारियों और कर्मचारियों ने 11 सूत्रीय मांगों को जल्द से जल्द पूरा करने की गुहार लगाई। महासंघ के पदाधिकारियो ने बताया कि उनकी मांगों को लंबे समय से नजरअंदाज किया जा रहा है, जिसके चलते उन्हें आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ा। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह धरना आंदोलन के तीसरे चरण के तहत किया गया है। यदि उनकी मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया, तो आंदोलन बड़ा किया जाएगा।कर्मचारी नेताओं ने चेतावनी देते हुए कहा कि आंदोलन के चौथे चरण में 16 अप्रैल को भोपाल में बड़ा प्रदर्शन किया जाएगा, जिसमें प्रदेशभर के कर्मचारी शामिल होंगे। इसके बाद भी यदि सरकार उनकी मांगों पर ध्यान नहीं देती है, तो महासंघ अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने को मजबूर होगा।

इन मांगों को पूरा करने की लगाई गुहार

धरने पर बैठे महासंघ से जुड़े कर्मचारियों द्वारा विद्युत संविदा कर्मचारियों को नियमित करने, विद्युत नियमित कर्मचारी परी, सहा./संयंत्र सहा./ सह, रात, अधि./कार्या. सहा, की वेतन विसंगति दूर करने विद्युत आउटसोर्सिंग कर्मचारीयों के लिए उत्तर प्रदेश और हरियाणा के तर्ज पर कंपनी का गठन करने,विद्युत तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के अधिकारी/कर्मचारियों को एक बार गृह जिला स्थानांतरण नीति लागू करने, उनकी गृह जिले में पदस्थापना करना, विद्युत सेवानिवृत्त कर्मचारीयों की पेंशन शासन के जिला कोषालय से देने, बिलम्ब के व्यवधान की समस्या का समाधान करने, विद्युत ग्रामीण सोसाइटी के शेष विद्युत कर्मचारियों का विद्युत कंपनी में सविलियन करने,सविलियत कर्मचारियों को विद्युत कंपनी के कर्मचारियों के समान समस्त सुविधाएं प्रदान करने, ग्रेजविटी 20 लाख से बढ़कर 25 लाख करने, अनुकंपा आश्रितों को सन 2000 से सन 2012 के बीच सामान्य मृत्यु के प्रकरण में अनुकंपा नियुक्ति प्रदान करने,अप्रैल 89 के वेज बोर्ड में, नव नियुक्त (1 मई 89 से 98 तक के) तृतीय श्रेणी कर्मचारियों के साथ वेतन विसंगति का भेदभाव दूर करने, उच्च न्यायालय खण्ड पीठ इंदौर की डबल बेंच आदेश का शीघ्र पालन करने, उच्च शिक्षा डिप्लोमा प्राप्त कर्मिकों की कनिष्ठ अभियंता के पद पर नियुक्ति प्रदान करने, और कर्मचारियों की सभी लम्बित समस्याओं को दूर करने की गुहार लगाई है।

तो कामबंद कर की जाएगी अनिश्चतकालीन हड़ताल- राधेश्याम ठाकरे

मप्र बिजली कर्मचारी महासंघ अध्यक्ष राधेश्याम ठाकरे ने बताया कि 1983 से सरकार, बिजली विभाग में नियमित भर्ती नहीं करके संविदा और आउटसोर्स कर्मचारियों से काम चला रही है, जिससे काम का दबाव होने से कर्मचारी मानसिक, आर्थिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित हो रहा है।इसके अलावा हमारी विभिन्न मांगे लंबित है।जिसपर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है।जिसको लेकर महासंघ भोपाल के निर्देशन पर चरणबद्ध आंदोलन शुरू किया गया है।पहले चरण के तहत 6 मार्च को ज्ञापन सौपकर सभी 11 सूत्रीय मांगों को पूरा करने की गुहार लगाई गई थी।आंदोलन के दूसरे चरण 16 मार्च को प्रदेश के सभी जिलों में ज्ञापन के माध्यम से धरना, प्रदर्शन आंदोलन की जानकारी से अवगत कराया गया था।आंदोलन के तीसरे चरण में आज 2 अप्रैल को धरना प्रदर्शन किया गया है।उन्होंने बताया कि हम संवाद के लिए तैयार हैं, लेकिन उनकी जायज मांगों की अनदेखी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।इसके बाद भी यदि मांगे पूरी नही होती तो आंदोलन की चौथे चरण के तहत 16 अप्रैल को भोपाल पहुंचकर आंदोलन किया जाएगा। इसके बाद भी मांग पूरी न होने पर महासंघ द्वारा काम बंद कर अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू की जाएगी जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी शासन की होगी जब तक हमारी मांग पूरी नहीं हो जाती तब तक हमारी यह अनिश्चितकालीन हड़ताल जारी रहेगी।

हनुमान जन्मोत्सव पर मां त्रिपुर सुंदरी मंदिर से निकली शोभायात्रा

वीर हनुमानजी का स्वरूप बना आकर्षण का केंद्र, पुष्पवर्षा और जयकारों से गूंजा शहर

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर श्री राम सेवा दल समिति द्वारा मां त्रिपुर सुंदरी मंदिर से पानीपत की तर्ज पर शोभायात्रा निकाली गई। यह शोभायात्रा 2 अप्रैल की शाम करीब 8 बजे प्रारंभ हुई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। शोभायात्रा के दौरान जय श्रीराम और जय बजरंगबली के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। यह यात्रा शहर के प्रमुख चौक-चौराहों का भ्रमण करते हुए निर्धारित स्थान पर संपन्न हुई। इस वर्ष शोभायात्रा का मुख्य आकर्षण वीर हनुमान का स्वरूप रहा, जिसे मोहित सोनी द्वारा धारण किया गया। उन्होंने अपने शीश पर हनुमान जी का मुकुट धारण कर भक्तों को विशेष रूप से आकर्षित किया। शोभायात्रा में वीर हनुमान के पीछे-पीछे समिति द्वारा आकर्षक झांकियां भी प्रस्तुत की गईं, जिन्हें देखने के लिए मार्ग में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। झांकियों और भक्ति गीतों के साथ निकली इस शोभायात्रा ने पूरे शहर को भक्तिमय रंग में रंग दिया।

हनुमान जी के जन्मोत्सव के अवसर पर 2 अप्रैल को प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी श्री हनुमान सेवा दल समिति एवं मां त्रिपुर सुंदरी मंदिर ट्रस्ट के तत्वावधान में भव्य शोभायात्रा निकाली गई। पानीपत की तर्ज पर आयोजित इस शोभायात्रा में श्रद्धा, उत्साह और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला। शोभायात्रा की शुरुआत मां त्रिपुर सुंदरी मंदिर से की गई, जिसमें मोहित सोनी ने हनुमान जी का स्वरूप धारण कर भक्तों के साथ नगर भ्रमण किया। ढोल-नगाड़ों की गूंज और जय श्रीराम के नारों के बीच शोभायात्रा शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए आकर्षण का केंद्र बनी रही। इस दौरान विभिन्न झांकियों का भी प्रदर्शन किया गया, जिनमें राम, लक्ष्मण और सीता की आकर्षक प्रस्तुतियों ने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया।

शहर में निकली शोभायात्रा

शोभायात्रा मां त्रिपुर सुंदरी मंदिर से प्रारंभ होकर जय स्तंभ चौक, काली पुतली चौक, राजघाट चौक, पुराने राम मंदिर, महावीर चौक, नया सर्राफा, हनुमान चौक होते हुए नया राम मंदिर पहुंची, जहां इसका समापन हुआ। यात्रा के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए और पूरे मार्ग में जयकारों से वातावरण गूंजता रहा। जहां-जहां से शोभायात्रा गुजरी, वहां श्रद्धालुओं ने अपने-अपने स्तर पर स्वागत किया। कई स्थानों पर पंडाल लगाकर पुष्पवर्षा की गई, वहीं घरों और प्रतिष्ठानों के सामने खड़े होकर लोगों ने श्रद्धापूर्वक स्वागत किया। जगह-जगह आतिशबाजी भी की गई, जिससे पूरा माहौल उत्सवमय बना रहा।

कठोर तप और साधना के बाद धारण किया जाता है स्वरूप

बताया जाता है कि हनुमान स्वरूप धारण करने के लिए साधक को लगभग 40 दिनों तक कठोर तप और साधना करनी होती है। इस दौरान ब्रह्मचर्य का पालन करते हुए मंदिर में रहकर विशेष नियमों का पालन किया जाता है। नवरात्रि से ही इस साधना की शुरुआत हो जाती है और पहले से तय किया जाता है कि इस वर्ष कौन साधक यह स्वरूप धारण करेगा। इस वर्ष मोहित सोनी द्वारा हनुमान जी का चोला धारण किया गया, जिन्होंने पूरी श्रद्धा और नियमों के साथ यह व्रत पूर्ण किया। वहीं राहुल आहूजा ने भी वानर सेना के साथ शोभायात्रा में विशेष भूमिका निभाई।

40 किलो का मुकुट बना आकर्षण का केंद्र

हनुमान स्वरूप का सबसे प्रमुख आकर्षण उनके सिर पर धारण किया जाने वाला मुकुट रहा, जिसका वजन लगभग 40 किलो बताया जाता है। इस भारी मुकुट को धारण कर साधक पूरे नगर में भ्रमण करता है, जो अपने आप में कठिन तपस्या और साधना का प्रतीक माना जाता है।

सुरक्षा के रहे पुख्ता इंतजाम

शोभायात्रा के दौरान जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन द्वारा सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। मां त्रिपुर सुंदरी मंदिर से लेकर पूरे मार्ग में पुलिस बल तैनात रहा। पुलिस अधिकारियों द्वारा पहले ही निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया था। यात्रा के दौरान यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए ट्रैफिक पुलिस द्वारा आवश्यकतानुसार मार्ग परिवर्तन भी किए गए। शोभायात्रा के साथ पुलिस बल लगातार मौजूद रहा, जिससे कार्यक्रम शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ। इस प्रकार हनुमान जन्मोत्सव पर निकली यह भव्य शोभायात्रा श्रद्धा, भक्ति और सांस्कृतिक परंपरा का अनूपम उदाहरण बनकर सामने आई, जिसमें पूरे शहर ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

सुरभि नगर में शराब दुकान हटाने को लेकर दूसरे दिन भी धरना जारी, जनप्रतिनिधियों ने दिया समर्थन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शहर के वार्ड क्रमांक 24 सुरभि नगर में शराब दुकान हटाने की मांग को लेकर शुरू हुआ विरोध दूसरे दिन 2 अप्रैल को भी जारी रहा। पहले दिन की तरह ही बड़ी संख्या में महिलाएं दुकान के सामने एकत्रित हुईं और धरने पर बैठकर अपना विरोध दर्ज कराया। करीब 25 से 30 महिलाओं ने दुकान के सामने कुर्सियां लगाकर हाथों में डंडे लेकर मोर्चा संभाल लिया। महिलाओं ने विरोध स्वरूप यहां शराब खरीदने आने वाले लोगों को वापस लौटा दिया और स्पष्ट कहा कि जब तक दुकान को हटाया नहीं जाता, उनका आंदोलन जारी रहेगा। इस आंदोलन को उस समय और बल मिला जब नगर पालिका अध्यक्ष भारती ठाकुर, उपाध्यक्ष योगेश बिसेन और कुछ सभापति ,पार्षद शाम के समय मौके पर पहुंचे और महिलाओं से चर्चा की। इस दौरान नगर पालिका अध्यक्ष भारती ठाकुर ने जिला आबकारी अधिकारी अजीत इक्का से दूरभाष पर चर्चा की। चर्चा के बाद उन्होंने बताया कि आबकारी अधिकारी पर उन्होंने नाराजगी जाहिर की है। उन्होंने आरोप लगाया कि अधिकारी अपनी जिम्मेदारी का समुचित निर्वहन नहीं कर रहे हैं। अध्यक्ष के अनुसार बातचीत के दौरान प्रारंभ में अधिकारी द्वारा असंतोषजनक जवाब दिया गया, हालांकि बाद में उन्होंने अपनी बात को लेकर खेद व्यक्त किया। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि दुकान को अन्यत्र स्थानांतरित करने की प्रक्रिया जारी है और नई लोकेशन की तलाश की जा रही है। नगर पालिका अध्यक्ष ने स्पष्ट कहा कि जब तक नई जगह तय नहीं होती, तब तक भी इस दुकान को वर्तमान स्थान से तत्काल हटाया जाना चाहिए। उन्होंने प्रशासन से इस दिशा में शीघ्र कार्रवाई की मांग की। इधर वार्ड की महिलाओं ने भी साफ कर दिया है कि जब तक शराब दुकान को यहां से हटाया नहीं जाता, उनका धरना और विरोध प्रदर्शन लगातार जारी रहेगा। सूत्रों के अनुसार वार्ड क्रमांक 2 में संचालित शराब दुकान के स्थान परिवर्तन की भी चर्चा सामने आ रही है, जिससे यह माना जा रहा है कि प्रशासन इस मुद्दे को लेकर सक्रिय हो गया है। सुरभि नगर में जारी यह विरोध अब शहर का बड़ा मुद्दा बनता जा रहा है, जिस पर सभी की नजरें टिकी हुई हैं।

ई रिक्शा की चपेट में आने से 5 वर्षीय बालक घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। ग्रामीण थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम कोसमी के बालाजी नगर में ई रिक्शा की चपेट में आने से एक 5 वर्षीय बालक घायल हो गया। घायल बालक छायांक पिता राजू बेलगे 5 वर्ष को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 2 अप्रैल को 11:00 बजे छायांक अपने घर के सामने खेल रहा था और उसकी मां रानी बेलगे घरेलू काम में व्यस्त थी। तभी घर के सामने हनुमान जी का प्रचार कर रहे ई रिक्शा ने रोड किनारे खेल रहे बालक छायांक को चपेट में ले लिया। ई रिक्शा का पहिया छायांक के पेट के ऊपर से जाने से यह बालक घायल हो गया था। बालक छायांक की रोने की आवाज सुनकर पड़ोसी लोग दौड़े और उसे उठा लिए थे। आवाज सुनकर बालक छायांक की मां रानी बेलगे भी पहुंची। घायल बालक छायांक को उसी ई रिक्शा से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किया गया है। ई रिक्शा का नम्बर एमपी 50 जेड के 0730 का चालक प्रणय मर्सकोले बताया गया है। जिला अस्पताल पुलिस ने रानी बेलगे का बयान लेकर अस्पताल तहरीर अग्रिम कार्रवाई हेतु घटना स्थल से संबंधित ग्रामीण पुलिस थाना नवेगांव भिजवा दी है।

सांसद श्रीमती भारती पारधी 03 अप्रैल को बालाघाट दौरे पर रहेंगी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बालाघाट-सिवनी लोकसभा क्षेत्र की सांसद भारती पारधी 03 अप्रैल को बालाघाट जिले के दौरे पर रहेंगी। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार वे विभिन्न आयोजनों में शामिल होकर विकास कार्यों एवं सामाजिक गतिविधियों में सहभागिता करेंगी। सांसद श्रीमती पारधी 03 अप्रैल को प्रातः 11:00 बजे सांदीपनि विद्यालय, बालाघाट में संकल्प से समाधान अभियान के अंतर्गत आयोजित जिला स्तरीय शिविर में भाग लेंगी। इसके पश्चात वे दोपहर 12:00 बजे केसर प्लाजा, बालाघाट में श्रेष्ठ आकादमी के शुभारंभ कार्यक्रम में शामिल होंगी। दोपहर 01:00 बजे सांसद श्रीमती पारधी ग्राम कोसमी में आयोजित विभिन्न भूमि पूजन कार्यक्रमों में सहभागिता करेंगी। इसके बाद अपराह्न 03:00 बजे वे विहान सेल्स के शुभारंभ कार्यक्रम में शामिल होकर कार्यक्रम को संबोधित करेंगी। सांसद श्रीमती पारधी के इस दौरे को लेकर स्थानीय स्तर पर तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं तथा कार्यक्रमों में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं नागरिकों की उपस्थिति अपेक्षित है।

बालाघाट जिले में 3 से 7 अप्रैल तक आंधी-तूफान व हल्की बारिश के आसार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में आगामी दिनों में मौसम का मिजाज बदलने वाला है। भारत मौसम विज्ञान विभाग, नई दिल्ली के क्षेत्रीय कार्यालय भोपाल से कृषि विज्ञान केन्द्र बड़गांव को प्राप्त मध्यम श्रेणी के 5 दिवसीय पूर्वानुमान के अनुसार बालाघाट जिले में 3 से 7 अप्रैल 2026 के बीच आंधी-तूफान के साथ हल्की वर्षा होने की संभावना जताई गई है। कृषि विज्ञान केन्द्र बड़गांव के वैज्ञानिक डॉ धर्मेन्द्र अगासे ने बताया कि पूर्वानुमान के अनुसार इस अवधि में हवा की गति 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे तक रहने की संभावना है, जिससे तेज हवाएं चल सकती हैं। इसके साथ ही अधिकतम तापमान 34.2 से 35 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 18.4 से 20 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। वायुमंडलीय नमी की बात करें तो सुबह के समय 53 से 67 प्रतिशत तथा दोपहर में 34 से 44 प्रतिशत तक नमी रहने की संभावना है। वहीं सामान्य दिनों में हवा की दिशा उत्तर-पूर्व से दक्षिण-पूर्व की ओर रहने के साथ गति लगभग 3 से 7 किलोमीटर प्रति घंटे रहने का अनुमान है। जिला कृषि मौसम इकाई, कृषि विज्ञान केंद्र बालाघाट ने किसानों को सलाह दी है कि वे मौसम को ध्यान में रखते हुए फसलों की सुरक्षा के आवश्यक उपाय अपनाएं तथा आंधी-तूफान के दौरान सतर्कता बरतें। मौसम में संभावित बदलाव को देखते हुए प्रशासन एवं कृषि विभाग ने किसानों और आमजन से सावधानी बरतने की अपील की है।

खेत में जानवर चराने को लेकर बड़े भाई से की मारपीट

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। खैरलांजी थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम भंडारबोड़ी में खेत में मवेशी चराने के विवाद को लेकर एक व्यक्ति ने अपने बड़े भाई को मारपीट कर उसे दांत से चबा कर घायल कर दिया। खैरलांजी पुलिस ने इस मामले छोटू लाल ठाकरे के विरुद्ध अपराध दर्ज कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार रोशन लाल उसका भाई छोटूलाल ठाकरे खेती किसानी करते हैं और दोनों भाई के बीच में कुछ विवाद चल रहा है। 31 मार्च की 5:30 रोशनलाल ने अपने खेत में बंधे जानवरों को चरने के लिए छोड़ा था तभी उसका छोटा भाई छोटूलाल ठाकरे कहने लगा कि पार में जानवर मत चलाना, रोशनलाल ने उसे बोला कि मैं अपने खेत में जानवर चरा रहा हूं तभी छोटूलाल उसे अश्लील गालियां देते हुए हसिया लेकर मारने दौड़ा और उसने रोशन लाल को हाथ बुक्के से मारपीट कर उसे कंधे को दांत से काट दिया। जिसे रोशन लाल घायल हो गया था बीच बचाव के बाद रोशन लाल रिपोर्ट करने के लिए खैरलांजी पुलिस थाना पहुंचा खैरलांजी पुलिस ने इस मामले में रोशन लाल के छोटे भाई छोटूलाल के विरुद्ध अश्लील गालियां देकर मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में अपराध दर्ज कर लिया है।

शराब पीने रुपए नहीं देने पर पत्नी से की मारपीट- दी जान से मारने की धमकी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। खैरलांजी थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम खैरी में शराब पीने रुपए नहीं देने पर एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी से मारपीट कर उसे जान से मार डालने की धमकी दे दी। खैरलांजी पुलिस ने इस मामले में देवराज पिता प्रेमलाल चापाडहाके के विरुद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सविता मजदूरी करती है। 31 मार्च की रात्रि 8:00 बजे सविता अपने घर में थी तभी उसका पति देवराज घर आया और वह उससे शराब पीने के लिए 200 रुपये मांगे लगा था। सविता ने पैसे देने से मना कर दी तभी देवराज अश्लील गालियां देने के साथ ही उसे हाथ बुक्के से मारपीट करने लगा और पास में रखे फावड़े के बेसे से सविता को मारपीट कर घायल कर दिया और शराब पीने रुपए ने देने पर जान से मार डालने की धमकी दे दी। बीच बचाव के बाद सविता रिपोर्ट करने के लिए खैरलांजी पुलिस थाना पहुंची। खैरलांजी पुलिस में इस 30 वर्षीय महिला द्वारा की गई रिपोर्ट पर उसके पति देवराज के विरुद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में अपराध दर्ज कर आगे की

आस-पास की खबरें

नगर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष ने किया कार्यकारिणी का विस्तार

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी ने क्षेत्र में संगठन को मजबूती देने नगर कांग्रेस कार्यकारिणी का विस्तार किया है। नगर कांग्रेस कमेटी लालबर्रा अध्यक्ष अमीनुद्दीन हन्फी ने बताया कि

जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष संजय उइके, बालाघाट विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे, जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राटसिंह सरस्वार, ब्लाक कांग्रेस कमेटी लालबर्रा अध्यक्ष मनीराम भोयर की सहमति से नगर कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए अनुभवी चेहरों के साथ-साथ ऊर्जावान युवाओं को भी स्थान दिया गया है, ताकि आगामी समय में संगठन की गतिविधियों को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके। श्री हन्फी ने बताया कि नगर कांग्रेस कमेटी में डोंगरू पंचेश्वर, मकसुद खान, उमेश बंटी आश्वले, चैनलाल श्रीवास, श्याम वरकड़े को उपाध्यक्ष, सुनिल अवधिया को प्रभारी, जिला प्रतिनिधि, मनोज शर्मा को विधि सलाहकार, प्रशिक्षक, इमरान खान, घनश्याम यादव, गोविंद मडावी, मयूर मोहबे, राजू मेहरबान, तबरेज खान, विश्वनाथ पंचेश्वर, कृष्णकुमार लरके को सचिव, जैनुल आबदीन को कोषाध्यक्ष, सेवकराम पंचेश्वर को प्रचार सचिव, मुस्कान कटारे को मीडिया प्रभारी, दीपक तोमर, मनीष ब्रम्हे, जितेन्द्र मोहबे, नईम खान, अंकित एड़े को महामंत्री नियुक्त किया गया है। श्रीमती हन्फी ने बताया कि संरक्षक मंडल में विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे, जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राटसिंह सरस्वार, ब्लाक अध्यक्ष मनीराम भोयर, पूर्व ब्लाक अध्यक्ष भाऊराम गाड़ेश्वर, पूर्व जिला पंचायत सदस्य मधु शर्मा, जिला कांग्रेस कमेटी पूर्व महामंत्री रवि अग्रवाल, दीपक अग्रवाल, मनोहर अग्रवाल, पूर्व जिला सचिव, पांढरवानी सचिव अनीस खान शामिल है एवं मनीष कुशवाहा, नीतिन साखला, ओपी बिसेन, शैलेष केकती, सुमित स्वामी, सुजल सोनी, शारदाप्रसाद हट्टेवार, गोलु रावलानी, करीब रंगरेज, जावेद खान को सदस्य नियुक्त किया गया है।

कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करने प्रशासन की बड़ी पहल

संकरी गलियों में लगेंगे सीसीटीव्ही कैमरे, हटेगा अतिक्रमण

प्रशासनिक अधिकारियों ने पांढरवानी-लालबर्रा, अमोली की संकरी गलियों का किया निरीक्षण, दिये आवश्यक दिशा-निर्देश

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

पुलिस अधीक्षक बालाघाट के निर्देशानुसार क्षेत्र में शांति एवं कानून व्यवस्था को और अधिक पुख्ता करने के उद्देश्य से प्रशासन ने कमर कस ली है। इसी कड़ी में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) कार्तिके य जायसवाल एवं एसडीओपी अभिषेक चौधरी, नायब तहसीलदार मयंक मिश्रा के द्वारा लालबर्रा क्षेत्र के विभिन्न संवेदनशील और संकरे मार्गों का बुधवार को सघन निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अनुविभागीय अधिकारी, एसडीओपी, तहसीलदार के द्वारा विशेष रूप से रजा मस्जिद से गड्डा मोहल्ला और माँ सतबहनी मंदिर से गड्डा मोहल्ला तक की संकरी सड़कों का जायजा लिया। इस दौरान संकरी गली होने से किस प्रकार की परेशानियां होती है उसके बारे में वार्डवासियों से भी जानकारी ली गई। वहीं इस निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य उन बाधाओं को चिन्हित करना था, जो किसी भी आपात स्थिति या कानून व्यवस्था बिगड़ने पर पुलिस और प्रशासन की कार्यवाही में रूकावट बन सकती हैं। निरीक्षण के पश्चात एसडीएम श्री जायसवाल ने स्थानीय पंचायत को आवश्यक सुधार के लिए निर्देशित किया है। जिसमें सुरक्षा की दृष्टि से संवेदनशील मोड़ों और मार्गों पर कैमरे लगाने, सड़कों के किनारे बने शोल्डर्स को व्यवस्थित करने और अवैध निर्माण हटाने के निर्देश दिये गये। वहीं सड़कों पर खुली नालियों को कवर करने और बिजली के लटकते तारों व पोलों को व्यवस्थित करने कहा गया है ताकि आवाजाही में कोई बाधा न आये। बुधवार को अचानक प्रशासनिक अधिकारियों के द्वारा ग्राम पंचायत पांढरवानी के माँ सतबहनी मंदिर से गड्डा मोहल्ला सहित अन्य स्थानों की संकरी गलियों का निरीक्षण किया गया। जिन्हे देखकर लोगों को लग रहा था कि इस क्षेत्र में कोई बड़ी कार्यवाही होगी किन्तु ऐसा कुछ नही हुआ सिर्फ मौके स्थलों का निरीक्षण कर उस क्षेत्र की स्थिति को देखा गया है। वहीं इस निरीक्षण से यह भी अनुमान लगाया जा रहा है कि भविष्य में कोई बड़ी कार्यवाही हो सकती है। इस दौरान इन संकरी गलियों में पुलिस प्रशासन के वाहन के साथ ही अन्य वाहन आसानी से पहुंच सके और कार्यवाही एवं यातायात में कोई रूकावट न हो सके। चर्चा में अनुविभागीय अधिकारी कार्तिकेय जायसवाल ने बताया कि हमारा उद्देश्य भविष्य में होने वाली किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए पूर्व तैयारी करना है। गुरूवार को अमोली के रजा मस्जिद से गड्डा मोहल्ला एवं लालबर्रा बडी मस्जिद के पीछे संकरी गली से गड्डा मोहल्ला तक का निरीक्षण किया गया है। ताकि इन मार्गों में जो अव्यवस्थित विद्युत पोल है उन्हे सुव्यवस्थित करने, चौकों में सीसीटीव्ही कैमरे लगाने पंचायत को निर्देशित किया गया है। साथ ही यह भी बताया कि इन संकरे मार्गों के सुव्यवस्थित होने से न केवल आम जनता को सुविधा होगी, बल्कि प्रशासन भी किसी भी परिस्थिति में त्वरित कार्यवाही सुनिश्चित कर सकेगा। इस दौरान एसडीएम कार्तिकेय जायसवाल, एसडीओपी अभिषेक चौधरी के साथ नायब तहसीलदार मयंक मिश्रा, पुलिसकर्मी, पटवारी उपस्थित रहे।

पांढरवानी में भक्ति और उल्लास के साथ मनाया गया हनुमान जन्मोत्सव

महाभिषेक, सुंदरकांड और हवन के बाद हुआ विशाल भंडारे का आयोजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय की ग्राम पंचायत पांढरवानी स्थित हनुमान दुर्गा मंदिर में 2 अप्रैल को हनुमान जन्मोत्सव का पर्व श्रध्दा, भक्ति और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर प्रातः 4 बजे ब्रम्हामुहुर्त पर महाभिषेक के साथ कार्यक्रम की शुरूआत हुई। जिसमें युवाओं की टोली और मंदिर समिति के सदस्यों द्वारा भगवान हनुमान जी का दूध, दही, शहद और शुध्द जल से महाभिषेक किया गया। वहीं अभिषेक के पश्चात पवनपुत्र को आकर्षक चोला चढ़ाया गया और सिंदूर लेपन कर भव्य श्रृंगार किया गया। जिसके पश्चात सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ कर क्षेत्र की सुख-समृध्दि की कामना की गई। वहीं दोपहर में सुन्दरकांड पाठ का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भक्तिमय भजनों और चौपाइयों से पूरा वातावरण राममय हो गया। जिसके बाद हवन-पूजन प्रारंभ हुआ और पंडित के द्वारा यजमान की उपस्थिति में हवन-पूजन संपन्न करवाया गया। इस अवसर पर श्रध्दालुओं ने हवन-कुण्ड में पुर्णाहुति डालकर धर्मलाभ अर्जित किये तत्पश्चात संकटमोचन भगवान हनुमान की आरती के बाद महाप्रसादी का वितरण किया गया और श्रध्दालुओं ने महाप्रसादी ग्रहण कर धर्मलाभ अर्जित किये। चर्चा में आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी पांढरवानी के हनुमान दुर्गा मंदिर में भगवान हनुमान जी का जन्मोत्सव भक्तिभाव के साथ मनाया गया है। इस अवसर पर दिनभर विविध धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किये गये एवं शाम में महाप्रसादी का वितरण किया गया। साथ ही यह भी बताया कि भगवान हनुमान जी से प्रार्थना करते है कि सभी के जीवन में हमेशा खुशहाली एवं समृध्दि बनाये रखे। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रध्दालुजन उपस्थित रहे।

कंजई के शास. उमावि. में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया प्रवेशोत्सव

नव-प्रवेशी छात्र-छात्राओं का तिलक लगाकर किया आत्मीय स्वागत, पाठ्यपुस्तके एवं साइकिल का हुआ वितरण

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 11 किमी दूर ग्राम पंचायत कंजई स्थित शासकीय उ'चतर माध्यमिक विद्यालय में बुधवार को प्रवेशोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। यह कार्यक्रम कंजई सरपंच अधिवक्ता आनंद बिसेन के मुख्य आतिथ्य एवं स्कूल प्राचार्य की अध्यक्षता में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने माँ सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया। इस प्रवेश उत्सव के दौरान कक्षा नवमीं में प्रवेश लेने वाले छात्र-छात्राओं का तिलक लगाकर आत्मीय स्वागत किया गया तत्पश्चात शासन की योजना के तहत विद्यार्थियों को नि:शुल्क पाठ्य पुस्तकें भी प्रदान की गई एवं साइकिल का वितरण किया गया। वहीं इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य नव-प्रवेशी छात्र-छात्राओं को विद्यालय के वातावरण से जोड़ना और उन्हें शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सरपंच अधि. आनंद बिसेन ने शिक्षकों और पालकों के बीच बेहतर समन्वय पर जोर देते हुए शिक्षकों से अपील की है कि वे छात्र-छात्राओं के बेहतर अध्यापन और सर्वांगीण विकास पर विशेष ध्यान दें, ताकि ग्रामीण क्षेत्र की प्रतिभाएं आगे बढ़ सकें। साथ ही श्री बिसेन ने पालकों को भी बच्चों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए प्रेरित किया और बच्चों से कहा कि नियमित रूप से स्कूल आये और पढ़ाई अच्छी कर विद्यालय एवं माता-पिता का नाम रौशन करे। इस अवसर पर ग्राम के स्थाई पुलिस पटेल आशीष बिसेन, उपसरपंच प्रतिनिधि तीरेन्द्र कुमरे, पूर्व एसएमसी अध्यक्ष हरिचंद पंचेश्वर, पंच तुलसीदास बसने, फिरोज खान, सचिव एच. ठाकरे, स्कूल प्राचार्य श्री नागरे सहित शिक्षक-शिक्षिकाएं, अभिभावक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

मौसम खुलते ही खेतों में बढ़ी हलचल, युध्द स्तर पर गेहूं की कटाई में जुटे किसान

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। लालबर्रा क्षेत्र में विगत कुछ दिनों से मौसम के बदलते मिजाज ने अन्नदाताओं की चिंता बढ़ा दी थी। लेकिन जैसे ही आसमान साफ हुआ और सुनहरी धूप खिली, किसानों ने राहत की सांस ली है। फसल के खराब होने के डर से अब क्षेत्र के किसान बिना समय गंवाये युध्द स्तर पर गेहूं की कटाई और गहाई के कार्य में जुट गये है। वहीं मौसम साफ होने के बाद किसान खेतों में पहुंचकर गेंहू की फसल की कटाई कर उसे हार्वेस्टर और थ्रेशर से चुरने का कार्य कर रहे है।

धूप खिलते ही बढ़ी सक्रियता

पिछले एक सप्ताह से शाम होते ही मौसम अचानक करवट ले रहा है। साथ ही गत दिवस तेज आंधी-तूफान के साथ बे-मौसम बारिश हुई थी। जिससे खेतों में खड़ी पकी-पकाई गेहूं की फसल को काफी नुकसान पहुंचाया है। साथ ही मौसम विभाग की लगातार आती चेतावनियों ने किसानों की रातों की नींद उड़ा रखी थी। गुरूवार को लालबर्रा क्षेत्र में सुबह से ही मौसम साफ रहा और तेज धूप निकली। इसे देखते हुए किसानों ने अपनी तैयार फसल को सुरक्षित ठिकाने तक पहुंचाने के लिए कटाई शुरू कर दी है। वहीं हाथ से कटाई करने वाले मजदूर सुबह खेतों की ओर जा रहे है। साथ ही बड़े किसान हार्वेस्टर का उपयोग कर रहे है। ताकि कम समय में अधिक रकबा समेटा जा सके। वहीं स्थानीय किसानों का कहना है कि क्षेत्र में गत दिवस अचानक मौसम परिवर्तन होने के साथ करीब एक घंटे का झमाझम बारिश हुई थी और बार-बार मौसम परिवर्तन हो रहे है जिससे खेत में पककर तैयार हो चुकी गेंहू सहित अन्य दलहन फसल को काफी नुकसान हो सकता है, गेंहू की बालियां भीगने से दाना काला पड़ने का डर है। गुरूवार को जैसे ही धूप निकली, जिसके बाद परिवार के सदस्य एवं मजदूरों के साथ मिलकर कटाई शुरू कर दी है ताकि पकी फसल को सुरक्षित कर सके। साथ ही यह भी कहा कि बारिश में गेंहू का दाना काला पड़ने पर सरकार के द्वारा उसे समर्थन मूल्य में नही खरीदा जायेगा। ऐसी स्थिति में व्यापारियों को कम दामों में विक्रय करना पड़ेगा जिससे किसानों को आर्थिक परेशानियों से जुझना पड़ेगा। वहीं बार-बार मौसम परिवर्तन होने से गेंहू व दलहन फसल को लेकर किसान चिंतित है और यह बारिश रबी धान की फसल के लिए लाभदायक है किन्तु गेंहू, दलहन एवं हरी सब्जी की फसलों के लिए नुकसान दायक है। साथ ही बार-बार मौसम परिवर्तन, कभी तेज धूप, कभी उमस गर्मी लगने से लोगों के स्वास्थ्य पर भी बुरा असर पड़ रहा है। मौसम साफ रहना चाहिए ताकि किसान खेत में पककर तैयार गेंहू की फसल को समय पर सुरक्षित कर सके।

भक्ति और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया संकटमोचन का जन्मोत्सव

मंदिरों में हनुमान चालीसा, सुन्दरकाण्ड पाठ, भंडारा एवं विविध धार्मिक कार्यक्रमों का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय सहित ग्रामीण अंचलों में 2 अप्रैल को पवनपुत्र भगवान हनुमान जी का जन्मोत्सव हिंदू धर्मावलंबियों द्वारा अपार श्रध्दा और उत्साह के साथ मनाया गया। इस पावन अवसर पर क्षेत्र के समस्त हनुमान मंदिरों में सुबह से ही भक्तों का तांता लगा रहा। जिसमें कहीं संगीतमय सुंदरकांड के पाठ हुए, तो कहीं हनुमान चालीसा की गूंज सुनाई दी। वहीं दिनभर विविध धार्मिक अनुष्ठान संपन्न होने के बाद भंडारा रूपी महाप्रसादी का वितरण किया गया। इस अवसर पर श्रध्दालुओं ने महाप्रसादी ग्रहण कर धर्मलाभ अर्जित किये।

बजरंग मंदिर में हुए भव्य आयोजन

नगर मुख्यालय स्थित बजरंग मंदिर में बजरंग मंदिर समिति के तत्वाधान में गुरूवार को भगवान हनुमान जी का जन्मोत्सव भक्तिभाव एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर सुबह भगवान हनुमान जी का जलाभिषेक के बाद संगीतमय सुन्दरकाण्ड पाठ, हनुमान चालीसा एवं भजन का आयोजन किया गया। जिसके बाद भगवान हनुमान जी की आरती के पश्चात् भंडारा रूपी महाप्रसादी का वितरण किया गया और श्रध्दालुओं ने महाप्रसादी ग्रहण कर धर्मलाभ अर्जित किये। चर्चा में बजरंग मंदिर समिति संरक्षक ज्ञानचंद शर्मा ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी बजरंग मंदिर समिति के तत्वाधान में हनुमान जयंती धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर प्रात: 7 बजे जलाभिषेक, पूजन अर्चन करने के बाद सुन्दरकाण्ड पाठ पढ़ा गया। जिसके बाद आरती कर महाप्रसादी का वितरण किया गया और भगवान हनुमान जी से प्रार्थना करते है कि सभी के जीवन में हमेशा खुशहाली बनाये रखे। श्री शर्मा ने इस हनुमान जयंती में प्रत्यक्ष, अप्रत्यक्ष रूप से मिले सहयोग के लिए सभी का आभार व्यक्त करते हुए बताया कि आगामी समय पर हनुमान जन्मोत्सव का पर्व और भव्य रूप में मनाया जायेगा। इस अवसर पर हनुमान मंदिर समिति के पदाधिकारी, सदस्य एवं श्रध्दालुजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

हर्षोल्लास के साथ मनाई गई हनुमान जयंती

भक्ति के रंग में रंगा वारासिवनी, जगह-जगह हुए धार्मिक अनुष्ठान

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

संकट मोचक भगवान हनुमान की जयंती के अवसर पर वारासिवनी नगर सहित संपूर्ण क्षेत्र धर्ममय हो गया। सुबह से ही हनुमान मंदिरों में भक्तों का तांता लगा रहा जहाँ श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक और विशेष पूजा अर्चना कर सुख समृद्धि की कामना की। संकट मोचक हनुमान की जयंती के अवसर पर अनेको जगह जगह विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान व भंडारो का आयोजन किया गया। जिसमें हनुमान भक्तों ने बढ़ चढकर हिस्सा लिया। नगर के भी सभी हनुमान मंदिर में हनुमान जयंती का आयोजन धार्मिक भावना के अनुरूप मनाया गया। इस पावन अवसर पर पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल, विधायक विवेक पटेल और नपाध्यक्ष श्रीमती सरिता मनोज दांदरे सहित अनेक जनप्रतिनिधियों ने मंदिरों में दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

सिध्द श्री जागृत हनुमान मंदिर जोड़ा पीपल में हुआ नगर भोज

नगर के वार्ड नं.१४ गंगोत्री स्थित सिध्द श्री जागृत हनुमान मंदिर जोड़ा पीपल में संकट मोचक हनुमान की जयंती धार्मिक आस्था के साथ मनाई गई। इस दौरान प्रात:काल में भगवान को चोला चढ़ाकर पूजा कर दिन भर हनुमान भजन हनुमान चालीसा का पाठ करते हुये भक्तों ने भगवान रामभक्त हनुमान का अभिषेक किया। वहीं शाम को विशाल भंडारे का आयोजन नगर भोज के रूप में किया गया। पदेश को जानकारी देते हुये समिति सदस्यों ने बताया कि प्रतिवर्ष सिध्द श्री जागृत हनुमान मंदिर जोड़ा पीपल में हम लोग इस पर्व को काफी धूमधाम के साथ धार्मिक आस्थाओं के अनुरूप मनाते है। भविष्य में और इस कार्यक्रम को भव्यता प्रदान की जायेगी। सुबह से ही हम लोगों के द्वारा भगवान हनुमान का अभिषेक कर अन्य धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसके बाद हनुमान चालीसा का पाठ कर हवन पूजन पश्चात विशाल भंडारे का आयोजन भी किया गया है। इसमें सुबह ५ बजे से धार्मिक आयोजन किये गये।

लक्ष्मी नारायण मंदिर में भी मनाई गई हनुमान जयंती

इसी तरह लक्ष्मी नारायण मंदिर में भी भगवान हनुमान जयंती का कार्यक्रम पूरे भक्तिभाव के साथ मनाया गया। जहाँ प्रात:काल से ही भक्तों का जत्था इस सिध्द प्राचानी मंदिर में भगवान हनुमान का अभिषेक करने उमड़ पड़ा था। तत्पश्चात इस कार्यक्रम के बाद सुंदर कांड पाठ व हनुमान चालीसा पाठ हुआ वहीं शाम को विशाल भंडारे का आयोजन हुआ। जानकारी देते हुये पंडित आलोक भोंडले ने बताया कि यह मंदिर काफी प्राचीन मंदिर है जहां भगवान हनुमान की प्रतिमा लेटे हुये है। उन्होने बताया कि जिस स्थान पर यह मंदिर है वो स्थान किसी समय जंगल के रूप में था। हमारे कई पूर्वजों के द्वारा बताया जाता है कि मंदिर पहले एक नीम के पेड़ के नीचे था। सभी के सहयोग से अब जाकर यह मंदिर का निर्माण भव्य स्वरूप में हुआ है। दूर दूर से भक्त इस मंदिर के दर्शन करने आते है जो भगवान का आशीवाद प्राप्त कर पुण्य लाभ अर्जित करते है।

नगर के श्रीराम मंदिर में मनाया गया जन्मोत्सव

नगर के सबसे प्राचीन श्री राम मंदिर में सुबह से ही भगवान हनुमान के भक्त बारी बारी से आकर भगवान का जलाभिषेक कर उनके चरण वंदन करते हुये दिखाई दिये। जहाँ दोपहर में हनुमान चालीसा व भगवान हनुमान से संबंधित भक्ति गीत प्रस्तुत कर भक्तों को झूमने पर मजबूर कर दिया। इस दौरान हनुमानलला का पालना झूला कर जन्मोत्सव मानकर बधाई गीत गाये गये। जिसमें नगर सहित क्षेत्र के श्रध्दालु भक्त शामिल हुये।

वारा में हनुमान जयंती पर आर्केस्ट्रा का हुआ आयोजन

वारासिवनी जनपद अंतर्गत ग्राम पंचायत वारा के वेयरहाउस स्थित पंचमुखी हनुमान मंदिर में भी हनुमान जयंती समारोह पूर्वक मनाई गई। जहां भगवान हनुमान जी का रुद्राभिषेक करने के पश्चात विधि विधान से हवन पूजन कार्यक्रम संपन्न किया गया। इसके बाद हनुमान जयंती के अवसर पर आर्केस्ट्रा के द्वारा भगवान हनुमान ,भगवान राम एवं भगवान शिव के मनमोहक भजनों की शानदार संगीतमयी प्रस्तुति दी गई। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रध्दालुभक्त उपस्थित हुये।

बस स्टैण्ड हनुमान मंदिर में हुये विविध कार्यक्रम आयोजित

नगर के मुख्य बस स्टैण्ड में स्थित हनुमान मंदिर में भी संकट मोचक भगवान हनुमान की जयंती समारोह पूर्वक मनाई गई। इस दौरान विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम में भगवान हनुमान का रुद्राभिषेक कर चोला चढाकर पूजन के उपरांत संगीतमय सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। जिसमें आदित्य खजांची ग्रुप के द्वारा मनमोहक प्रस्तुति दी गई। तत्पश्चात हवन पूजन कर महाप्रसादी के रूप में पुलाव का वितरण किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में लोगों ने प्रसादी ग्रहण कर धर्म लाभ अर्जित किया।

श्री सिध्द हनुमान मंदिर सराफा बाजार में रुद्राभिषेक किया गया

श्री सिद्ध हनुमानलला मनोकामना पूर्ति मंदिर सराफा बाजार वारासिवनी में आज जन्मोत्सव के अवसर पर वारासिवनी नरेश का महारूद्राभिषेक पूजन विधि विधान से किया गया। जहां सुबह रुद्राभिषेक करने के पश्चात विधि विधान से हनुमान जी का पूजा अर्चना कर दोपहर में महाप्रसादी स्वरूप भंडारे का आयोजन किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में लोगों ने उपस्थित होकर भगवान हनुमान जी का आशीर्वाद ग्रहण किया।

अखाड़े के बजरंगबली को चढाया चोला

नगर के वार्ड नं.१० स्थित बजरंग अखाड़े में माँ अंजनी पुत्र सेवा दल के तत्वाधान में हनुमान जन्मोत्सव का आयोजन किया गया। जहाँ सेवा दल सदस्यों ने अखाड़े के मंदिर में साफसफाई कर हनुमान जी महाराज को चोला धारण करवाकर विधि विधान से पूजा अर्चना की गयी। तत्पश्चात् भोग प्रसादी ग्रहण करवाकर महाआरती कर राम नाम का भजन किया गया।

सुबह से मंदिरों में लगी रही भक्तों की भीड़

नगर सहित क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर स्थित हनुमान मंदिर जैसे नगर में तहसील कार्यालय हनुमान मंदिर, शिव मंदिर वार्ड नंबर ११, हनुमान मंदिर वार्ड नंबर ९, वाल्मीकि मंदिर, टेलीफोन एक्सचेंज हनुमान मंदिर, लालबर्रा रोड़ हनुमान मंदिर, कटंगी रोड़ हनुमान मंदिर में भक्तों ने उपस्थित होकर पूजा अर्चना की। वहीं नगर के विभिन्न स्थानों पर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें राहगीरों सहित नगर व क्षेत्र के लोगों ने उपस्थित होकर महाप्रसादी ग्रहण कर धर्म लाभ अर्जित किया।

बिना दस्तावेजों के मिर्ची का परिवहन कर रहे दो वाहनो पर हुई कार्यवाही

मंडी उड़नदस्ते २ पिकअप वाहन से वसूला १४२६९ रूपये जुर्माना

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय के सामने २ अप्रैल को मंडी प्रशासन की बड़ी कार्यवाही देखने को मिली। कृषि उपज मंडी वारासिवनी के उड़नदस्ता दल ने अवैध रूप से कृषि उपज का परिवहन कर रहे दो पिकअप वाहनों को रोककर उन पर नियमानुसार कार्यवाही की। इन वाहनों में भारी मात्रा में मिर्ची लदी हुई थी जिसे बिना किसी वैध दस्तावेज और मंडी शुल्क चुकाए ले जाया जा रहा था। यह कार्यवाही एसडीएम वारासिवनी के सख्त निर्देशों और सचिव कृषि उपज मंडी वारासिवनी के कुशल मार्गदर्शन में संपन्न हुई। इसमें क्षेत्र निरीक्षण के दौरान सक्रिय मंडी उड़नदस्ता दल जिसमें प्रभारी नगेंद्र रंगारे ,मंडी कर्मचारी विशाल राजपूत ,विक्रांत देशमुख ,नखन सिंह धुर्वे एवं रूपलाल ऊईके के साथ नगर में भ्रमण कर रहे थे। उनके द्वारा देखा गया कि दो पिकअप वाहन में ऊंची हाइट तक मिर्च भरकर परिवहन किया जा रहा है तो संदेह के आधार पर वाहनों की चेकिंग की गयी। जाँच के दौरान पाया गया कि मध्य प्रदेश कृषि उपज मंडी अधिनियम १९७२ की धारा १९.६ का उल्लंघन करते हुए बिना वैध अनुज्ञा और दस्तावेजों के मिर्ची का परिवहन किया जा रहा था। मंडी प्रशासन द्वारा पकडे गये वाहन क्रमांक एम एच ४० बी एल-८८१९ जो बालाघाट से वारासिवनी आ रही थी। जिसमें नसीम खान की १२.६० क्विंटल मिर्ची थी जिस पर ५ गुना मंडी शुल्क, निराश्रित शुल्क, समझौता शुल्क सहित कुल ६३९७ रुपये की एवं वाहन क्रमांक एमपी ५० जेड एफ ५९५३ जो बालाघाट से वारासिवनी नसीम खान वारासिवनी की १५.७५ क्विंटल मिर्ची परिवहन कर रही थी। जिस पर अधिक मात्रा होने के कारण इस वाहन से ५ गुना मंडी शुल्क निराश्रित शुल्क एवं समझौता शुल्क मिलाकर ७८७२ रुपए वसूल किए गए। इस प्रकार दोनों वाहनों से कुल १४२६९ रुपए की चालानी कार्यवाही कर प्रकरण तैयार कर वसूली उपरांत वाहनों को छोड़ दिया गया। प्रभारी नागेंद्र रंगारे ने बताया की क्षेत्र में कृषि उपजों के अवैध परिवहन पर अंकुश लगाने के लिए उड़नदस्ता दल निरंतर सक्रिय रहेगा। व्यापारियों और परिवहनकर्ताओं को सख्त हिदायत दी गई है कि वे केवल वैध दस्तावेजों और मंडी शुल्क के भुगतान के उपरांत ही सामग्री का परिवहन करें। अन्यथा भविष्य में भी इसी प्रकार की दंडात्मक कार्यवाही जारी रहेगी। राजस्व की चोरी रोकने और नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए हमारा दल मुस्तैद है। आज दो पिकअप वाहन पर कार्यवाही की गई है जिसे १४२६९ रुपए वसूले गए हैं और यह कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी।

हनुमान जन्मोत्सव पर भव्य शोभायात्रा आयोजित

जय श्रीराम के उद्घोष से गुंजायमान हुआ नगर

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के अनन्य भक्त, संकटमोचन हनुमान जी का जन्मोत्सव वारासिवनी सहित ग्रामीण क्षेत्रों में अत्यंत हर्षोल्लास और भक्तिभाव के साथ मनाया गया। साथ ही नगर पूरी तरह से भगवामय नजर आया और फ्लाओं में केवल जय जय श्रीराम के नारे गूंजते रहे। इस अवसर पर निकाली गई भव्य शोभायात्रा ने श्रद्धा और उत्साह का ऐसा समागम प्रस्तुत किया कि पूरा शहर अयोध्या जैसा प्रतीत होने लगा। जन्मोत्सव के अवसर पर सुबह से ही नगर के समस्त हनुमान मंदिरों में भक्तों का तांता लगा रहा। मंदिरों को विशेष रूप से फूलों और विद्युत सज्जा से सजाया गया । दिनभर मंदिरों में सुंदरकांड, हनुमान चालीसा का पाठ और अखंड रामधुन चलती रही जिससे पूरा वातावरण आध्यात्मिक रंग में सराबोर हो गया।

श्रीराम मंदिर से निकली शोभायात्रा

श्रीराम मंदिर से भव्य शोभायात्रा का शुभारंभ हुआ। यह शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गों गोलीबारी चौक, अंबेडकर चौक और नेहरू चौक से होते हुए जय स्तंभ चौक पहुंची। यात्रा के दौरान पूरे मार्ग में भक्तों के द्वारा पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। इस शोभायात्रा में बाबा महाकाल की नगरी से आए डमरू वादकों ने अपनी प्रस्तुति से सबको मंत्रमुग्ध कर दिया। वहीं राम दरबार, भोलेनाथ की जीवंत झांकी,पवनपुत्र हनुमान और भूत.प्रेत मंडली की झांकियों ने बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक का मन मोह लिया। आधे दर्जन से अधिक डीजे और वाद्य यंत्रों की धुनों पर श्रद्धालु जमकर थिरके।

जनप्रतिधियों की दिखी सहभागिता

इस विशाल आयोजन में सभी जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक शामिल हुए। प्रमुख रूप से पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल, विधायक विवेक विक्की पटेल, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सरिता मनोज दांदरे, संदीप मिश्रा, विवेक ऐडे, मोनू लिमजे, मनोज दांदरे, सुदेश सोनी, कबू सोहने, अनिल पिपरेवार, विवेक जुझार, सुनील रणा, शैलेन्द्र शेट्टी, जगमोहन निराला, मिक्की रूसिया, कालू जेठवानी, प्रबल जयसवाल, जगदीश नेमा,चिंटू जैन और अमन पटेल सहित हजारों की संख्या में रामभक्त उपस्थित रहे।

जनसेवा और सुरक्षा के रहे पुख्ता इंतजाम

शोभायात्रा के स्वागत के लिए विभिन्न धार्मिक और राजनीतिक संगठनों द्वारा जगह जगह स्टॉल लगाए गए थे। कहीं ठंडे शरबत और पानी की व्यवस्था थी तो कहीं भंडारे का वितरण किया गया। नगर में शांति और सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन पूरी तरह सतर्क दिखा। एसडीओपी अभिषेक चौधरी और थाना प्रभारी पवन यादव दल बल के साथ पूरी यात्रा के दौरान मुस्तैद रहे। चप्पे चप्पे पर पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित की गई थी ताकि आयोजन निर्विघ्न संपन्न हो सके।

महाप्रसादी का हुआ वितरण

शोभायात्रा का समापन जय स्तंभ चौक पर हुआ जहां बाहर से आए कलाकारों ने मंच पर अपनी शानदार प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम के अंत में विशाल प्रसादी का वितरण किया गया जिसे हजारों श्रद्धालुओं ने ग्रहण किया। इस दौरान नगर की लाइटिंग, फव्वारा चौक और दीनदयाल चौक पर लहराते भगवा ध्वज से सजाया गया था।

प्रमुख पेंशनर्स एसोसिएशन की बैठक संपन्न

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के कमला नेहरू शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में २ अप्रैल को प्रमुख पेंशनर्स एसोसिएशन की आवश्यक बैठक का आयोजन किया गया। यह बैठक प्रांतीय संगठन मंत्री शिव शंकर गंगेले के मुख्य आतिथ्य, आर एस बैस की अध्यक्षता ,जिला अध्यक्ष अशोक मिश्रा उपाध्यक्ष ,के एल लिल्हारे ,कार्यालय मंत्री दिनेश नेमा, तहसील अध्यक्ष सोहनलाल डोहरे एवं डी सी ड्राइवाल सहित अन्य लोगों की उपस्थिति में प्रारंभ की गई। जिसमें प्रमुख पेंशनर एसोसिएशन का होली मिलन और ८० वर्ष पूर्ण होने वाले पेंशनरों के सम्मान समारोह के रूप में यह बैठक आयोजित की गई। जिसमें एक दूसरे को गुलाल लगाकर होली मिलन मनाया गया वहीं ८० वर्ष से अधिक की उम्र पार कर चुके पेंशनर लोगों का शाल श्रीफल से सम्मान किया गया। वहीं सदस्यता अभियान सदस्यता शुल्क एवं संघर्ष निधि जमा करने १६ अप्रैल को आंदोलन के लिए भोपाल जाने की रूपरेखा एवं भोपाल कौन जाएगा उन पेंशनरों की सूची तैयार कर नए सदस्यों को जोड़ने के विषय में विस्तार पूर्वक चर्चा की गई। जिसमें सामूहिक चर्चा के उपरांत निर्णय लिया गया। डी सी ड्राइवाल ने बताया कि प्रमुख पेंशनर्स एसोसिएशन की विशेष बैठक का आयोजन किया गया था। ताकि होली मिलन एवं ८० वर्ष से अधिक उम्र के पेंशनर साथी का सम्मान कर सके। इसी के साथ सदस्यता शुल्क जमा करने और आंदोलन के लिए भोपाल जाने जैसे विभिन्न विषयों पर भी विस्तार पूर्वक चर्चा की गई। हमारा पेंशनर शासन से हर तरीके से लड़ने के लिए तैयार है लगातार शासन के द्वारा हमें केवल आश्वासन दिया जा रहा है। किंतु हमारी मांगों पर कोई सुनवाई नहीं की जा रही है। जिसको लेकर सभी पेंशनर्स साथियों में आक्रोश व्याप्त है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में पेंशनर मौजूद रहे।

शासकीय हाई स्कूल खरखड़ी में प्रवेश उत्सव मनाया गया

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। खैरलांजी विकास खंड अंतर्गत शासकीय हाई स्कूल खरखड़ी में प्रवेश उत्सव मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ग्राम पंचायत खरखड़ी की सरपंच श्रीमती छाया नरेंद्र राहंगडाले एवं विशेष अतिथि के रूप में विकासखंड शिक्षा अधिकारी मुकेश कुमार तिवारी ,संस्था के प्रभारी प्राचार्य श्रीमती विश्वात्मा मेश्राम, शिक्षक धनेन्द्र मसखरे ,लोकेश तिवारी ,इनोहर उइके ,श्रीमती करिश्मा बिसेन,श्रीमती हीरा उईके,गजानंद तितरमारे एवं कक्षा नवमी के नवप्रवेशी विद्यार्थी, कक्षा दसवीं के विद्यार्थी उपस्थित रहे। विगत सत्र में शासकीय हाई स्कूल खरखड़ी का मध्यप्रदेश टाप टेन में आठवां स्थान रहा। बीईओ के द्वारा इस वर्ष भी उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम हेतु शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को मोटिवेशन दिया गया। विद्यार्थियों को शासन के निर्देशानुसार पाठ्य पुस्तकों का वितरण किया गया एवं कक्षा नवमी के नवप्रवेशी विद्यार्थीयों को ब्रिज कोर्स के अंतर्गत बेसलाइन टेस्ट पेपर भी दिये गये।

रंगमंच- वह ऑफलाइन दुनिया, जहाँ इमोजी नहीं, असली आँसू बहते हैं

हिंदी रंगमंच को लेकर हमारे समाज में एक अजीब सी रूमानी किस्म की सहानुभूति है, जो अक्सर तालियों की गड़गड़ाहट के साथ ही खत्म हो जाती है। 3 अप्रैल का दिन हम हिंदी रंगमंच दिवस के नाम पर दर्ज तो कर लेते हैं, लेकिन क्या हम उस बेचैनी को समझ पा रहे हैं जो इस कला की जड़ों में है? 1868 में जब बनारस के मंच पर जानकी मंगल नाटक खड़ा हुआ था, तो वह कोई मनोरंजन का साधन भर नहीं था। वह एक भाषा का अपने वजूद के लिए किया गया ऐलान था। आज डेढ़ सौ साल बाद, हम उस ऐलान की गूँज को डिजिटल शोर के बीच खो चुके हैं। रंगमंच असल में मनुष्य के भीतर की उस आदिम भूख का नाम है, जो कैमरे की आंख से बचकर सीधे साक्षात इंसान से आंख मिलाना चाहती है। यह कला किसी रीटेक की मोहताज नहीं है और न ही यहाँ कोई एडिटिंग टेबल गलतियों को सुधारने के लिए बैठी है। सिनेमा हमें एक निर्मित सत्य दिखाता है, जहाँ निर्देशक तय करता है कि आपको क्या देखना है। इसके उलट रंगमंच एक लोकतांत्रिक अनुभव है। मंच पर खड़ा अभिनेता अपने पसीने, अपनी कांपती आवाज और अपनी आँखों की नमी के साथ दर्शक के सामने पूरी तरह निहत्था होता है। यही वह लाइव होने का जोखिम है, जो रंगमंच को दुनिया की सबसे जांबाज कला बनाता है। आज के दौर में जब हम पिक्सेल और स्क्रीन की परतों में इतने गहरे धंस चुके हैं कि हमें बगल में बैठे इंसान की सांसों की गर्माहट महसूस होना बंद हो गई है, तब रंगमंच हमें एक सामूहिक चेतना का हिस्सा बनाता है। यह हमें कंज्यूमर से वापस इंसान बनाने की प्रक्रिया है। जब हॉल की लाइटें बुझती हैं और मंच पर रोशनी का एक कतरा पड़ता है, तो वहां बैठा हर दर्शक उस किरदार के दर्द का साझीदार बन जाता है।हिंदी रंगमंच का इतिहास गवाह है कि इसने कभी महलों की चाटुकारिता नहीं की। भारतेंदु से लेकर हबीब तनवीर तक, नाटकों ने हमेशा सत्ता के गलियारों में चुभते हुए सवाल भेजे हैं। अंधेर नगरी का वह टके सेर वाला न्याय आज भी हमारे लोकतंत्र की सड़कों पर बदहवास घूम रहा है। आषाढ़ का एक दिन की मल्लिका का वह अंतहीन इंतज़ार आज भी हर उस व्यक्ति की कहानी है जो अपनी अस्मिता और प्रेम के बीच पिस रहा है। रंगमंच हमें आईना दिखाता है, और आईना कभी झूठ नहीं बोलता। वह हमें हमारी झुर्रियां दिखाता है, हमारे भीतर की कुंठाएं दिखाता है और हमें मजबूर करता है कि हम खुद से रूबरू हों। यही कारण है कि सत्ताएं हमेशा रंगमंच से डरती रही हैं, क्योंकि यहाँ संवाद केवल जुबानों से नहीं, रूहों से होता है। लेकिन आज एक बड़ा सवाल यह है कि क्या हम एक दर्शक के तौर पर अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं? हिंदी रंगमंच आज भी उन चंद पागलों के भरोसे जिंदा है जो दिन भर की थकाऊ नौकरी के बाद शाम को रिहर्सल के लिए अंधेरे कमरों में जुटते हैं। उनके पास न तो कॉर्पोरेट की फंडिंग है और न ही चमक-धमक वाले विज्ञापनों का सहारा। उनके पास सिर्फ एक जुनून है जो उन्हें हर शाम फिर से मेकअप रूम में ले आता है। वे जानते हैं कि शो खत्म होने के बाद उन्हें उसी साधारण जिंदगी में लौटना है जहाँ बिल भरने की चिंता है। फिर भी, वे हर रात मंच की वेदी पर खुद को होम करते हैं ताकि संवाद की लौ बुझने न पाए। क्या हमने कभी सोचा है कि एक टिकट खरीदकर नाटक देखना किसी मंदिर में दान देने से कहीं बड़ी सांस्कृतिक सेवा है? रंगमंच हमें देखना नहीं, महसूस करना सिखाता है। डिजिटल दुनिया ने हमें जोड़ा तो बहुत है, लेकिन हमें अकेला कर दिया है। हम अपनी स्क्रीन पर दुनिया भर का दुख देखते हैं और एक इमोजी बनाकर आगे बढ़ जाते हैं। रंगमंच पर ऐसा नहीं होता।

विज़न विकसित भारत 2047 की राह में भिक्षावृत्ति की गंभीर चुनौती

भिक्षुक महिलाओं, बुजुर्गों, बच्चों और युवाओं का भीख मांगना मजबूरी,पेशा या फिर आदत?

वैश्विक स्तरपर भारत आज विकसित भारत 2047 के महत्वाकांक्षी लक्ष्य की ओर तेजी से अग्रसर है। विश्व की चौथी बड़े सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के साथ आर्थिक वृद्धि, डिजिटल क्रांति, वैश्विक कूटनीति और बुनियादी ढांचे के विस्तार के बीच एक ऐसा सामाजिक यथार्थ भी मौजूद है,जो इस विकास यात्रा पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है और वह है भिक्षावृत्ति की व्यापक समस्या। ग्रामीण क्षेत्रों से लेकर महानगरों तक, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन,बाजार, धार्मिक स्थलों और यहां तक कि कॉर्पोरेट ऑफिसों के बाहर भी महिलाओं, बुजुर्गों युवाओं और बच्चों को भीख मांगते देखना एक आम दृश्य बन चुका है।यह केवल एक सामाजिकसमस्या नहीं, बल्कि राष्ट्र के गौरव,शासन की प्रभावशीलता और विकास के वास्तविक स्वरूप पर गहन प्रश्न उठाने वाला मुद्दा है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह बताना चाहता हूं कि सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि जब केंद्र और राज्य सरकारें महिलाओं, बुजुर्गों, बच्चों और युवाओं के लिए अनेक कल्याणकारी योजनाएं चला रही हैं, तो फिर यह वर्ग भीख मांगने के लिए क्यों मजबूर है? क्या यह योजनाओं के क्रियान्वयन में कमी का संकेत है? या फिर यह समस्या कहीं अधिक जटिल है,जिसमें आर्थिक असमानता सामाजिक बहिष्कार मानसिक स्वास्थ्य,शिक्षा की कमी और संगठित अपराध जैसे कारक भी शामिल हैं? यह स्पष्ट है कि भिक्षावृत्ति को केवल गरीबी से जोड़कर देखना एक सरलीकरण होगा; यह एक बहुआयामी समस्या है,जिसके समाधान के लिए बहुस्तरीय दृष्टिकोण की आवश्यकता है।

साथियों बात अगर हम यदि हम गहराई से विश्लेषण कर इस मुद्दे को समझने की करें तो, भिक्षावृत्ति के पीछे तीन प्रमुख कारण उभरकर सामने आते हैं,मजबूरी, पेशा और आदत। मजबूरी के अंतर्गत वे लोग आते हैं, जो वास्तव में आर्थिक रूप से अत्यंत कमजोर हैं, जिनके पास कोई स्थायी आय का स्रोत नहीं है, और जो सामाजिक सुरक्षा तंत्र से वंचित रह गए हैं। पेशा के रूप में भिक्षावृत्ति उन संगठित गिरोहों से जुड़ी होती है, जो बच्चों और महिलाओं को जबरन भीख मंगवाते हैं। वहीं, आदत के रूप में भिक्षावृत्ति उन लोगों में देखी जाती है, जिन्होंने इसे एक आसान आय का साधन मान लिया है। इन तीनों श्रेणियों के लिए एक समान समाधान संभव नहीं है; प्रत्येक के लिए अलग-अलग नीति और रणनीति की सटीक आवश्यकता है। साथियों बात अगर मेरे द्वारा की गई प्रस्तुत ग्राउंड रिपोर्टिंग को समझने की करें तो,महाराष्ट्र के अंतिम शोर पर बसी राइस सिटी गोंदिया में हर मंगलवार को एक विशेष दिन के रूप में भिक्षावृत्ति का मेला लगा रहता है यहां केवल लोकल ही नहीं है बाहर से भी महिलाओं बुजुर्गों बच्चों युवाओं के रूप में अनेक भिक्षुक भिक्षा मांगने आते हैं जो मैंने इस मंगलवार 31 मार्च 2026 को दिन भर ग्राउंड रिपोर्टिंग करके दिखा को यह दर्शाता है कि यह समस्या केवल व्यक्तिगत नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक भी बन चुकी है। जब समाज में कुछ दिन या अवसर विशेष रूप से भिक्षा दान के लिए निर्धारित हो जाते हैं,तो अनजाने में हम भिक्षावृत्ति को प्रोत्साहित भी कर देते हैं। यह स्थिति एक दुष्चक्र को जन्म देती है, जहां दान देने वाला स्वयं को पुण्य प्राप्त करने वाला मानता है और लेने वाला इसे एक स्थायी आय का स्रोत बना लेता है। साथियों अब यदि हम सरकारी योजनाओं और वित्तीय प्रावधानों की बात करें, तो दिनांक 31 मार्च 2026 को सरकारी रेडियो व संचार के अनेक माध्यमों से यह समाचार बताए जा रहे थे कि 15वें वित्त आयोग द्वारा स्थानीय निकायों को दी जाने वाली राशि,जैसे कि अभी 2 दिन पूर्व लगभग 2 करोड़ 36 लाख 805 रुपए का उद्देश्य ग्रामीण और शहरी स्तर पर बुनियादी सुविधाओं को सुदृढ़ करना,रोजगार के अवसर बढ़ाना और सामाजिक कल्याण को सुनिश्चित करना है। यह राशि पंचायतों और नगर निकायों के माध्यम से स्वास्थ्य, स्वच्छता, पेयजल, शिक्षा और सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रमों पर खर्च की जाती है। लेकिन यहां मूल समस्या आवंटन नहीं, बल्कि कार्यान्वयन है। यदि यह धन सही तरीके से लक्षित लाभार्थियों तक पहुंचे, तो भिक्षावृत्ति जैसी समस्याओं में निश्चित रूप से कमी आ सकती है। परंतु अक्सर देखा जाता है कि भ्रष्टाचार, प्रशासनिक लापरवाही और जागरूकता की कमी के कारण यह सहायता वास्तविक जरूरतमंदों तक नहीं पहुंच पाती। इसके अतिरिक्त, कई बार योजनाएं इतनी जटिल होती हैं कि आम व्यक्ति उनके लाभ तक पहुंच ही नहीं पाता। डिजिटल प्रक्रियाएं, दस्तावेजों की आवश्यकता और सरकारी दफ्तरों के चक्कर ये सब उन लोगों के लिए बड़ी बाधाएं बन जाती हैं, जो पहले से ही हाशिए पर हैं। परिणाम स्वरूप, वे आसान रास्ता चुनते हैं भीख मांगना। इस संदर्भ में यह भी आवश्यक है कि हम भिक्षावृत्ति को केवल कानून और व्यवस्था का मुद्दा न मानें, बल्कि इसे मानवाधिकार और सामाजिक न्याय के दृष्टिकोण से भी देखें। यदि कोई बुजुर्ग सड़क पर भीख मांग रहा है, तो यह केवल उसकी व्यक्तिगत विफलता नहीं, बल्कि परिवार, समाज और राज्य तीनों की सामूहिक विफलता है। यदि कोई बच्चा भीख मांग रहा है, तो यह सीधे-सीधे उसके शिक्षा और संरक्षण के अधिकार का उल्लंघन है। साथियों बात अगर हम भिक्षावृत्ति को कानूनी एंगल से समाप्त करने को समझने की करें तो भीख मांगने की समस्या केवल कानून से नहीं,बल्कि सामाजिक-आर्थिक सुधार, पुनर्वास और मानवीय दृष्टिकोण से ही प्रभावी रूप से हल हो सकती है। फिर भी, मेरे द्वारा बनाए गए इन 10 कानूनी ढांचों को यदि सरकार एक सख्त और समग्र ढांचा बनाना चाहे, तो निम्नलिखित 10 संभावित कानून (या विधेयक) बनाए जा सकते हैं- (1) भिक्षावृत्ति निषेध एवं पुनर्वास अधिनियम-यह कानून सार्वजनिक स्थानों पर भीख मांगने पर रोक लगाएगा और साथ ही भिक्षुकों के लिए अनिवार्य पुनर्वास केंद्रों की व्यवस्था करेगा।(2) बाल भिक्षावृत्ति संरक्षण अधिनियम- इस कानून के तहत बच्चों से भीख मंगवाने वालों पर कठोर दंड (जेल + भारी जुर्माना) लगाया जाएगा तथा बच्चों को शिक्षा और संरक्षण दिया जाएगा।(3)वरिष्ठ नागरिक संरक्षण एवं पुनर्वास कानून- बुजुर्गों को भीख मांगने की स्थिति में पहुंचाने वाले परिजनों या जिम्मेदार व्यक्तियों के खिलाफ कार्रवाई और बुजुर्गों के लिए आश्रय व पेंशन की व्यवस्था। (4) महिला भिक्षावृत्ति उन्मूलन अधिनियम-महिलाओं को भीख मांगने के लिए मजबूर करने वाले गिरोहों या व्यक्तियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और महिलाओं के लिए सुरक्षित पुनर्वास योजनाएं।(5)संगठित भिक्षावृत्ति गिरोह नियंत्रण कानून-भीख मंगवाने वाले माफिया/गिरोहों के खिलाफ विशेष कानून, जिसमें मानव तस्करी और जबरन भिक्षावृत्ति को गंभीर अपराध माना जाए।(6) अनिवार्य कौशल विकास एवं रोजगार अधिनियम-पुनर्वास के दौरान भिक्षुकों को कौशल प्रशिक्षण और रोजगार उपलब्ध कराना अनिवार्य बनाया जाए।(7) सार्वजनिक स्थानों पर भीख निषेध कानून-रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, धार्मिक स्थल, बाजार आदि में भीख मांगने परप्रतिबंध और उल्लंघन पर दंड। (8) सामाजिक सुरक्षा एवं न्यूनतम आय गारंटी कानून- गरीब और बेघर लोगों के लिए न्यूनतम आय, भोजन, आवास और स्वास्थ्य सुविधाओं की कानूनी गारंटी ताकि वे भीख मांगने के लिए मजबूर न हों।(9) दान विनियमन एवं पारदर्शिता कानून-सार्वजनिक स्थानों पर सीधे भीख देने पर रोक और दान को अधिकृत संस्थाओं/एनजीओ के माध्यम से देने की व्यवस्था। (10) पुनर्वास केंद्र नियमन एवं निगरानी अधिनियम- सभी पुनर्वास केंद्रों के लिए मानक तय करना, नियमित निरीक्षण और मानवाधिकारों की रक्षा सुनिश्चित करना।यह 10 संभावित कानून इस समस्या के समाधान के लिए एक मजबूत ढांचा प्रस्तुत करते हैं। भिक्षावृत्ति निषेध एवं पुनर्वास अधिनियम, बाल भिक्षावृत्ति संरक्षण अधिनियम, महिला और वरिष्ठ नागरिकों के लिए विशेष कानून ये सभी आवश्यक कदम हैं। विशेष रूप से संगठित भिक्षावृत्ति गिरोहों पर कठोर कार्रवाई अत्यंत जरूरी है, क्योंकि यह केवल आर्थिक शोषण नहीं, बल्कि मानव तस्करी का भी एक रूप है।परंतु भीख मांगने पर केवल प्रतिबंध लगाना पर्याप्त नहीं होगा। यदि कानून के साथ,शिक्षा,रोजगार, सामाजिक सुरक्षा और पुनर्वास को जोड़ा जाए, तभी यहसमस्या जड़ से खत्म हो सकती है अन्यथा सख्त कानून केवल समस्या को छिपाएंगे,खत्म नहीं करेंगे।हालांकि, केवल कानून बनाना पर्याप्त नहीं होगा। भारत में पहले से ही कई राज्यों में भिक्षावृत्ति विरोधी कानून मौजूद हैं, लेकिन उनका प्रभाव सीमित रहा है। इसका मुख्य कारण यह है कि कानून अक्सर दंड पर केंद्रित होते हैं,जबकि समस्या का समाधान पुनर्वास और सशक्तिकरण में निहित है। यदि किसी व्यक्ति को भीख मांगने के लिए गिरफ्तार कर लिया जाए, लेकिन उसके लिए कोई वैकल्पिक आजीविका का साधन न हो, तो वह रिहा होने के बाद फिर उसी स्थिति में लौट आएगा।इसलिए, आवश्यक है कि पुनर्वास केंद्रों को केवल आश्रय स्थल न बनाकर, उन्हें कौशल विकास और रोजगार सृजन के केंद्रों में परिवर्तित किया जाए। अनिवार्य कौशल विकास एवं रोजगार अधिनियम जैसे प्रावधान इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। यदि भिक्षुकों को प्रशिक्षण देकर उन्हें छोटे व्यवसाय, हस्तशिल्प, सेवा क्षेत्र या अन्य क्षेत्रों में रोजगार उपलब्ध कराया जाए, तो वे आत्मनिर्भर बन सकते हैं।साथ ही, सामाजिक सुरक्षा एवं न्यूनतम आय गारंटी जैसे उपाय भी अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। यदि प्रत्येक नागरिक को न्यूनतम जीवन स्तर की गारंटी मिले जिसमें भोजन, आवास, स्वास्थ्य और शिक्षा शामिल हो तो भिक्षावृत्ति की आवश्यकता स्वतः कम हो जाएगी। इसके अलावा, दान की संस्कृति को भी पुनर्परिभाषित करने की आवश्यकता है। सीधे भीख देने के बजाय, लोगों को अधिकृत संस्थाओं और एनजीओ के माध्यम से सहायता प्रदान करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए,यहां मीडिया और समाज की भूमिका भी महत्वपूर्ण हो जाती है। अक्सर हम अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अन्य देशों की आर्थिक स्थिति पर व्यंग्य करते हैं, लेकिन अपने देश की जमीनी हकीकत को नजर अंदाज कर देते हैं।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

पुरुषार्थ जगाओ, व्यसन मिटाओ-जीवन का सच्चा उत्थान आत्मसंयम और परिश्रम में छिपा है

- कांतिलाल मांडोत

मनुष्य जीवन अत्यंत दुर्लभ और अमूल्य है। यह केवल भोग-विलास या क्षणिक सुखों के लिए नहीं मिला, बल्कि आत्मोन्नति, समाज कल्याण और परम शांति की प्राप्ति के लिए प्राप्त हुआ है। फिर भी आज का मनुष्य अपने वास्तविक लक्ष्य से भटकता जा रहा है। इसका सबसे बड़ा कारण है व्यसन। व्यसन केवल एक आदत नहीं है, यह एक ऐसा जाल है जो धीरे-धीरे मनुष्य की चेतना, शक्ति और अस्तित्व को निगल जाता है। इसके विपरीत पुरुषार्थ वह शक्ति है जो मनुष्य को ऊँचाइयों तक पहुँचाती है। इसलिए आवश्यक है कि हम पुरुषार्थ को जगाएं और व्यसनों का त्याग करें।

इतिहास गवाह है कि जिसने पुरुषार्थ को अपनाया, उसने असंभव

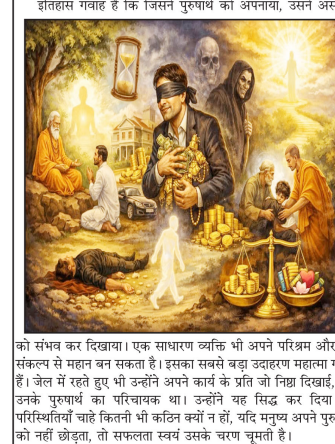

को संभव कर दिखाया। एक साधारण व्यक्ति भी अपने परिश्रम और दृढ़ संकल्प से महान बन सकता है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण महात्मा गांधी हैं। जेल में रहते हुए भी उन्होंने अपने कार्य के प्रति जो निष्ठा दिखाई, वह उनके पुरुषार्थ का परिचायक था। उन्होंने यह सिद्ध कर दिया कि परिस्थितियाँ चाहे कितनी भी कठिन क्यों न हों, यदि मनुष्य अपने पुरुषार्थ को नहीं छोड़ता, तो सफलता स्वयं उसके चरण चूमती है।

इसके विपरीत जो व्यक्ति व्यसनों के अधीन हो जाता है, उसका जीवन धीरे-धीरे अंधकार में डूबने लगता है। व्यसन मनुष्य की बुद्धि को भ्रष्ट करता है, उसकी सोचने-समझने की क्षमता को समाप्त करता है और उसे गलत निर्णयों की ओर धकेलता है। शराब, तंबाकू, नशा, जुआ और अन्य दुर्व्यसन केवल शरीर को ही नहीं, बल्कि आत्मा को भी कमजोर कर देते हैं। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि व्यसन मृत्यु का द्वार है, क्योंकि यह मनुष्य को धीरे-धीरे नष्ट कर देता है।

आज समाज में व्यसनों का विस्तार एक भयावह रूप ले चुका है। हर गली, हर मोड़ पर व्यसनों का बाजार सजा हुआ है। युवा पीढ़ी विशेष रूप से इसकी चपेट में आ रही है। शुरुआत में यह केवल एक प्रयोग के रूप में शुरू होता है, लेकिन धीरे-धीरे यह लत बन जाता है और फिर व्यक्ति इसके बिना जी नहीं पाता। वह अपनी इच्छाओं का दास बन जाता है और उसका आत्मबल समाप्त हो जाता है। यही कारण है कि व्यसन को आत्मा के लिए घातक और जानलेवा कहा गया है।

व्यसन का प्रभाव केवल व्यक्ति तक सीमित नहीं रहता, यह उसके परिवार, समाज और पूरे राष्ट्र को प्रभावित करता है। एक व्यसनी व्यक्ति अपने कर्तव्यों को भूल जाता है, अपने परिवार की जिम्मेदारियों से मुँह मोड़ लेता है और आर्थिक रूप से भी कमजोर हो जाता है। इससे परिवार में तनाव, कलह और दुःख का वातावरण बनता है। समाज में अपराध बढ़ते हैं और राष्ट्र की प्रगति बाधित होती है। इस प्रकार व्यसन केवल व्यक्तिगत नहीं, बल्कि सामाजिक और राष्ट्रीय समस्या भी है।

इसके विपरीत पुरुषार्थ वह शक्ति है जो मनुष्य को इन सभी बुराइयों से बचाती है। पुरुषार्थ का अर्थ केवल शारीरिक परिश्रम नहीं है, बल्कि मानसिक दृढ़ता, आत्मसंयम और संकटमय सोच भी है। जो व्यक्ति अपने मन और इंद्रियों पर नियंत्रण रखता है, वही सच्चा पुरुषार्थी होता है। वह कठिनाइयों से नहीं डरता, बल्कि उनका सामना करता है और उन्हें अवसर में बदल देता है।

भगवान महावीर ने भी पुरुषार्थ और आत्मसंयम पर विशेष बल दिया है। उन्होंने कहा कि मनुष्य को अपने भीतर की शक्तियों को पहचानना चाहिए और उन्हें सही दिशा में लगाना चाहिए। उन्होंने व्यसनों से दूर रहने और संयमित जीवन जीने का संदेश दिया। उनके अनुसार सच्ची स्वतंत्रता वही है, जो मनुष्य को अपने मन और इंद्रियों पर विजय प्राप्त करने से मिलती है।

आज आवश्यकता है कि हम अपने जीवन में इस सत्य को समझें और अपनाएं। हमें यह स्वीकार करना होगा कि व्यसन हमें केवल विनाश की ओर ले जाते हैं, जबकि पुरुषार्थ हमें विकास और उन्नति की ओर ले जाता है। हमें अपने जीवन में ऐसे संकल्प लेने होंगे, जो हमें व्यसनों से दूर रखें और पुरुषार्थ के मार्ग पर आगे बढ़ाएं।

व्यसन छोड़ना आसान नहीं है, लेकिन यह असंभव भी नहीं है। इसके लिए दृढ़ इच्छा शक्ति और निरंतर प्रयास की आवश्यकता होती है। सबसे पहले हमें यह समझना होगा कि व्यसन हमारे लिए हानिकारक है और हमें इसे छोड़ना ही होगा। इसके बाद हमें अपने जीवन में सकारात्मक आदतों को शामिल करना चाहिए, जैसे नियमित व्यायाम, ध्यान, अध्ययन और अच्छे लोगों का संग। यह सब हमें व्यसनों से दूर रखने में सहायक होते हैं।

साथ ही समाज और सरकार को भी इस दिशा में प्रयास करने होंगे। व्यसन मुक्ति के लिए जागरूकता फैलाना, नशा विरोधी अभियान चलाना और युवाओं को सही दिशा देना अत्यंत आवश्यक है। लेकिन सबसे महत्वपूर्ण भूमिका व्यक्ति की स्वयं की होती है। जब तक व्यक्ति स्वयं नहीं जागेगा, तब तक कोई भी प्रयास सफल नहीं हो सकता।

अंततः यही कहा जा सकता है कि जीवन का वास्तविक आनंद पुरुषार्थ में है, व्यसन में नहीं। जो व्यक्ति अपने जीवन को सार्थक बनाना चाहता है, उसे व्यसनों का त्याग करके पुरुषार्थ का मार्ग अपनाना होगा। यही मार्ग उसे सच्ची सफलता, शांति और संतोष प्रदान करेगा।

इसलिए आइए, हम सब मिलकर यह संकल्प लें कि हम अपने जीवन से सभी प्रकार के व्यसनों को दूर करेंगे और पुरुषार्थ को अपनाकर अपने जीवन को महान बनाएंगे। यही हमारे जीवन की सच्ची दिशा और उद्देश्य होना चाहिए।

बुजुर्गों के भरण-पोषण के लिये एक सराहनीय पहल

भारतीय संस्कृति में माता-पिता को देवतुल्य माना गया है-मातृदेवो भव, पितृदेवो भव केवल शास्त्रों की पंक्ति नहीं, बल्कि हमारी सामाजिक संरचना की आत्मा रही है। इसलिए यह किसी भी सभ्य समाज के लिए अत्यंत शर्मनाक स्थिति है कि जन्म देने और पालन-पोषण करने वाले माता-पिता को जीवन की सांझ में उपेक्षा, अपमान और आर्थिक असुरक्षा का सामना करना पड़े, और उन्हें अपने ही बच्चों से गुजारा भत्ता पाने के लिए कानून और प्रशासन का सहारा लेना पड़े। दुर्भाग्य से यह आज के समय की कठोर वास्तविकता बनती जा रही है। बुढ़ापा अपने आप में एक बड़ी चुनौती है। उम्र बढ़ने के साथ शरीर की क्षमताएं कम होने लगती हैं, बीमारियां बढ़ने लगती हैं और आय के स्रोत लगभग समाप्त हो जाते हैं। सेवानिवृत्ति के समय जो थोड़ी बहुत जमा-पूंजी होती है, वह बच्चों की पढ़ाई, शादी-ब्याह और मकान बनाने में खर्च हो जाती है। सरकारी नौकरी करने वालों को पेंशन मिल भी जाती है, लेकिन निजी क्षेत्र या छोटे व्यवसाय से जुड़े लोगों की स्थिति अधिक कठिन हो जाती है। ऐसे समय में यदि बच्चे ही माता-पिता की देखभाल न करें तो यह केवल पारिवारिक विफलता नहीं, बल्कि सामाजिक अपराध की श्रेणी में आता है।

इन्हीं परिस्थितियों को देखते हुए तेलंगाना विधानसभा द्वारा पारित तेलंगाना कर्मचारी जवाबदेही और माता-पिता सहायता निगरानी विधेयक 2026 एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक पहल के रूप में सामने आया है। इस विधेयक का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि यदि बच्चे अपने माता-पिता की देखभाल नहीं करते, तो उनके वेतन से एक निश्चित राशि काटकर माता-पिता को दी जाए। यह कानून सरकारी कर्मचारियों के साथ-साथ निजी क्षेत्र के कर्मचारियों, सांसदों, विधायकों और स्थानीय निकायों के जनप्रतिनिधियों पर भी लागू होगा। इस प्रकार यह कानून केवल एक कानूनी प्रावधान नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी को कानूनी रूप देने का प्रयास है। हालांकि भारत में पहले से माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों के भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम 2007 मौजूद है, लेकिन तेलंगाना का यह नया विधेयक अधिक व्यापक, संवेदनात्मक और प्रभावी माना जा रहा है। इसमें प्रावधान है कि यदि बच्चे माता-पिता की देखभाल नहीं करते, तो शिकायत मिलने पर उनके वेतन से पंद्रह प्रतिशत या दस हजार रुपये (जो भी कम हो) काटकर माता-पिता के खाते में जमा किए जाएंगे। शिकायत का निस्तारण जिला कलेक्टर द्वारा सात दिनों के भीतर किया जाएगा और इसके लिए वरिष्ठ नागरिक आयोग का गठन भी किया जाएगा। इस कानून का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि इसमें केवल जैविक माता-पिता ही नहीं, बल्कि सौतेले माता-पिता भी शिकायत कर सकते हैं।

यह कानून इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि आज भारतीय परिवार व्यवस्था तेजी से बदल रही है। संयुक्त परिवार टूटकर एकल परिवार में बदल चुके हैं और अब तो एक व्यक्ति परिवार की अवधारणा भी विकसित हो रही है। करियर की दौड़, आर्थिक दबाव, शहरी जीवनशैली, सुविधावाद और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की बढ़ती भावना ने परिवार की पारंपरिक संरचना को कमजोर किया है। कई बार माता-पिता को घर से निकालकर वृद्धाश्रम भेज दिया जाता है, और यदि घर में रख भी लिया जाए तो उन्हें उपेक्षा, तिरस्कार और मानसिक पीड़ा सहनी पड़ती है। उनकी दवाइयों, भोजन और देखभाल तक में लापरवाही बरती जाती है। ऐसी परिस्थितियों में यह प्रश्न उठता है कि क्या माता-पिता की सेवा केवल संस्कारों से सुनिश्चित की जा सकती है या इसके लिए कानून की भी आवश्यकता है? आदर्श स्थिति में तो संस्कार ही पर्याप्त होने चाहिए। भारतीय इतिहास और परंपरा में माता-पिता की सेवा के अनेक प्रेरक उदाहरण मिलते हैं। श्रवण कुमार का उदाहरण तो भारतीय संस्कृति में आदर्श पुत्र का प्रतीक बन चुका है, जिसने अपने अंधे माता-पिता को कंधे पर बैठाकर तीर्थ यात्रा करवाई। इसी प्रकार भगवान श्रीराम ने पिता के वचन को निभाने के लिए राजपाट छो ?कर वनवास स्वीकार किया। यह केवल धार्मिक कथाएं नहीं, बल्कि भारतीय समाज की नैतिक संरचना के आदर्श हैं।

इतिहास में छत्रपति शिवाजी, महात्मा गांधी, स्वामी विवेकानंद जैसे अनेक व्यक्तित्वों के जीवन में भी माता-पिता के प्रति गहरी श्रद्धा और सम्मान देखने को मिलता है। इससे स्पष्ट होता है कि माता-पिता के प्रति सम्मान और सेवा भारतीय संस्कृति की मूल आत्मा रही है। लेकिन आज जब संस्कार कमजोर हो रहे हैं, तब समाज को कानून का सहारा लेना पड़ रहा है। लेकिन इस पूरे विषय को केवल एकतरफा दृष्टि से देखना भी उचित नहीं होगा। यह भी एक सच्चाई है कि कई बार माता-पिता भी बच्चों के प्रति अत्यधिक अनुशासन, नियंत्रण और अपेक्षाओं का दबाव बनाते हैं। वे चाहते हैं कि बच्चे हमेशा उनकी इच्छाओं के अनुसार ही जीवन जिएं, अपने निर्णय स्वयं न लें, विवाह, करियर, जीवनशैली हर चीज में माता-पिता की इच्छा सर्वोपरि रहे। कई बार माता-पिता बच्चों की निजी जिंदगी में अत्यधिक हस्तक्षेप करते हैं, जिससे परिवार में तनाव उत्पन्न होता है। ऐसी परिस्थितियों में बच्चों और माता-पिता के बीच दूरी बढ़ जाती है और पारिवारिक वातावरण तनावपूर्ण हो जाता है।

इसलिए समस्या का समाधान केवल कानून नहीं है, बल्कि परिवार के भीतर संतुलन, संवाद और समझ भी उतनी ही आवश्यक है। बच्चों को यह समझना चाहिए कि माता-पिता ने उनके लिए अपना पूरा जीवन समर्पित किया है, इसलिए बुढ़ापे में उनकी सेवा और सम्मान उनका नैतिक कर्तव्य है। वहीं माता-पिता को भी यह समझना चाहिए कि समय बदल गया है, नई पीढ़ी की जीवनशैली और सोच अलग है, इसलिए उन्हें बच्चों को समझने और उन्हें स्वतंत्रता देने की आवश्यकता है। वास्तव में परिवार एक संस्था है, जो प्रेम, त्याग, सम्मान और संवाद पर चलती है, न कि केवल अधिकार और अनुशासन पर। जहां केवल अधिकार होंगे, वहां टकराव होगा; जहां केवल त्याग होगा, वहां असंतुलन होगा; लेकिन जहां प्रेम और संतुलन होगा, वहां परिवार मजबूत होगा।

तेलंगाना का यह कानून एक महत्वपूर्ण पहल है, लेकिन यह अंतिम समाधान नहीं है। कानून बच्चों को माता-पिता का भरण-पोषण करने के लिए मजबूर कर सकता है, लेकिन वह प्रेम, सम्मान और संवेदना पैदा नहीं कर सकता। इसके लिए समाज में नैतिक शिक्षा, पारिवारिक संस्कार और सामाजिक जागरूकता की आवश्यकता है। स्कूलों में, सामाजिक संस्थाओं में और धार्मिक संगठनों में परिवार और बुजुर्गों के सम्मान की शिक्षा दी जानी चाहिए। आज नया भारत और विकसित भारत की बात की जा रही है, लेकिन केवल आर्थिक विकास ही पर्याप्त नहीं है। यदि समाज में बुजुर्ग असुरक्षित, उपेक्षित और अपमानित होंगे, तो विकास अधूरा रहेगा। वास्तविक विकास वही है जिसमें समाज का हर वर्ग-बच्चे, युवा, महिलाएं और बुजुर्ग सुरक्षित और सम्मानित जीवन जी सकें।

अतः आवश्यक है कि हम तीन स्तरों पर कार्य करें-पहला, सरकार और कानून बुजुर्गों की आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करें। दूसरा, समाज में माता-पिता के सम्मान और सेवा के संस्कार विकसित किए जाएं। तीसरा, परिवार के भीतर माता-पिता और बच्चों के बीच संतुलित और संवादपूर्ण संबंध स्थापित किए जाएं। यदि ये तीनों स्तर मजबूत हो जाएं, तो न केवल बुजुर्गों का जीवन सुरक्षित और सम्मानजनक होगा, बल्कि परिवार संस्था भी मजबूत होगी और समाज में मानवीय संवेदनाएं जीवित रहेंगी। निश्चिततौर पर कहा जा सकता है कि माता-पिता केवल परिवार का हिस्सा नहीं होते, वे परिवार की जड़ होते हैं। यदि जड़ कमजोर होगी, तो वृक्ष भी कमजोर होगा। इसलिए बुजुर्गों का सम्मान और सुरक्षा केवल एक पारिवारिक या कानूनी मुद्दा नहीं, बल्कि समाज की नैतिकता और सभ्यता की परीक्षा है। जो समाज अपने बुजुर्गों का सम्मान नहीं करता, वह कभी महान नहीं बन सकता।

-ललित गर्ग

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। आवक के दबाव के कारण गुरुवार को किराना जिंसों में नारियल बाजार मंदा रहा। शक्कर के भाव स्थिर रहे, जबकि क्रूड ऑयल की बढ़ती कीमतों के मद्देनजर खाद्य तेलों में तेजी (सुर्खी) कायम रही। हनुमान जयंती के उपलक्ष्य में अनाज, दलहन एवं तिलहन मंडी में अवकाश रहा। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार, नारियल में मांग सामान्य बनी हुई है। आज बाजार में नारियल की लगभग 8 गाडियों की आवक हुई। अधिक आवक होने से चुनिंदा मालों के भाव दबाव में रहे। शक्कर के बाजार में टिकाव देखा गया। वहीं, वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल (क्रुड ऑयल) के बदलते समीकरणों के कारण खाद्य तेलों में तेजी का रुख रहा। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4125-4175, खोपरा गोला 340-390, खोपरा बूरा 3200-6800 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 270-280, ऊंझा हल्का 250-260, बेस्ट 280-300, हल्दी निजामाबाद 200-225, सांगली 270-275, साबूदाना हल्का 5500-5600, मीडियम 5600-5700, बेस्ट 5800-5900, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 120-150, बेस्ट 250-380, सौंफ बारिक 220-380, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 725-730, मीनी मटरदाना 760-780, मटरदाना 790-800, खसखस अनक्लीन 800-950, क्लीन 1050-1400, दालचीनी 245-260, जायफल 815-880, वाद्यान फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 2050-2100, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौंठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाडा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 850-860, बेस्ट 875-900, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची एवरेज 1675-1775, बेस्ट 1925-2350, पानबार 1550-1600, बड़ी इलायची 1800-2100, तरबूज मगज 490-625, काजू (240) 920-950, काजू (320) 830-860, काजू डब्ल्यू (300) 790-810, काजू जे.एच. 820-840, टुकड़ी 760-800, बादाम मगज 760-800, अमेरिकन 825-950, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालु 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारौली 1450-1750, मुनक्का 850-1000, बेस्ट 1150-1350, अंजीर 851-1075, मखाना 850-1200, बेस्ट 1350-1400, खारक एवरेज 75-80, मीर्डि?यम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2450-2500, (160) 2700-2750, (200) 2600-2650, (250) 2300-2400

तेल- सींगदाना 1770-1790, मुम्बई 1790, राजकोट तेलिया 2800, सोया साल्वेंट 1505-1510, सोया रिफाइंड 1570-1580, कपास्या 1500-1510, धूलिया 1490-1500, कड़ी 1500,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1750, मुम्बई पाम 1490, मुम्बई सोया 1590,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2275, देवास-उज्जैन 2275, खंडवा-बुरहानपुर 2250, अकोला 3525 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 7600-7700, रायडा 6300-6400, सोयाबीन 5600, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 5600-5650, एवरेज 5500-5550, विशाल 5500-5550, महाराष्ट्र विशाल 5550-5600, काबूली चना डॉलर 7600-8700, काबूली चना रशियन 5400-5700, बिटकी 5000-5300, मसूर बेस्ट 6000-6100, एवरेज 5600-5700, मूंग गर्मी बेस्ट 7700-8000, मूंग बोल्ड 8200-8400, एवरेज 6500-6700, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7500-7700, एवरेज 7300-7400, हल्की 7000-7200, महाराष्ट्र सफेद 7600-7800, महाराष्ट्र लाल 8000-8200, कर्नाटक 8100-8400, उड़द बेस्ट 8500-9000, एवरेज 7000-8000, हल्की 4000-6000,

दाल- चना दाल एवरेज 7000-7200, मीडियम 7300-7400, बोल्ड 7600-7800, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल फूल 9400-10000, तुअर दाल बोल्ड 10600-11700, मसूर दाल एवरेज 7900-8000, बेस्ट 8000-8100, मूंग दाल 9500-9700, बोल्ड 9900-10500, मूंग मोगर 10500-10700, बोल्ड 10900-11100, उड़द दाल 9800-10000, बोल्ड 10400-10500, मोगर 10600-10800, बोल्ड 11000-11400,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2250-2300, लोकवन एवरेज 2450-2550, बेस्ट 2800-3100, मालवराज 2300-2560, गेहूँ पूर्णा एवरेज 2400-2550, बेस्ट 2650-2750, मक्का पीली 1600-1850, बेस्ट 1850-1900,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3200, सेला 3500-3700, परमल 3300-3500, दुबराज 4500-5600, राजभोग 7500, काली मुंछ डिनर किंग 9000, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 4500-6000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4500-5100,

मावा- इन्दौर 360, उज्जैन 300, रतलाम 300 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के इस बयान कि ईरान पर हमले जारी रहेंगे के बाद उपजी वैश्विक अस्थिरता के कारण विश्व धातु बाजार में दोनों मूल्यवान धातुओं में मंदी की स्थिति रही। स्थानीय सर्राफा बाजार में भाव इस प्रकार रहे-

चॉंदी (9999) 232000, चॉंदी (99) 231000, टंच 230500, सिक्का 2800, सोना 10 ग्राम 151000,

रुपया बढ़त के साथ बंद

नई दिल्ली। एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया 30 पैसे की बढ़त के साथ ही 93.13 पर बंद हुआ। वहीं गत दिवस रुपया 93.44 पर बंद हुआ। रुपया आज सुबह अपने सबसे निचले स्तर से उबरते हुए अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 93.19 पर पहुंच गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने डॉलर के मुकाबले रुपए में तेज गिरावट के बीच बुधवार को अधिकृत डीलरों के लिए कई नए कदमों की घोषणा की जिसके बाद से ही रुपया संभला है।आरबीआई ने निर्देश दिया है कि अधिकृत डीलर यानी विदेशी मुद्रा लेनदेन की अनुमति वाले बैंक अब रुपये से जुड़े नॉन-डिलीवेरेबल डेरिवेटिव (एनडीडी) अनुबंधों की पेशकश निवासी एवं अनिवासी ग्राहकों के लिए नहीं कर सकेंगे।

शेयर बाजार हल्की बढ़त के साथ बंद

मुंबई। एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को हल्की बढ़त के साथ बंद हुआ। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ईरान पर अगले कुछ दिनों में हमले तेज करने की घोषणा के कारण आज सुबह बाजार की शुरुआत भारी गिरावट के हुई पर समय के साथ ही बाजार संभल गया और अंत में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 185.23 अंक बढ़कर 73,319.55 पर बंद हुआ। वहीं पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी निचले स्तर से उबरते हुए 33.70 अंक ऊपर आकर 22,713.10 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान ही बाजार में आईटी शेयरों की तेजी से रिकवरी हुई। निफ्टी आईटी 2.60 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ जबकि निफ्टी रियल्टी 1.07 फीसदी, निफ्टी सर्विसेज 0.54 फीसदी, निफ्टी मेटल 0.39 फीसदी, , निफ्टी प्राइवेट बैंक 0.39 फीसदी, और निफ्टी एफएमसीजी 0.21 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 0.93 फीसदी, , निफ्टी फार्मा 0.92फीसदी, , निफ्टी हेल्थकेयर 0.86 फीसदी, , निफ्टी ऑयलएंडगैस 0.79 फीसदी, , निफ्टी ऑटो 0.62 फीसदी, और निफ्टी इन्फ्रा में 0.45 की गिरावट रही।

सेंसेक्स के शेयरों में एचसीएल टेक, टेक महिंद्रा, इन्फोसिस, टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, बजाज फाइनेंस, मारुति सुजुकी, टाइटन, एक्सिस बैंक, बीईएल, कोटक महिंद्रा बैंक, आईटीसी, आईसीआईसीआई बैंक, भारती एयरटेल, इंडिगो, एलएंडटी और एसबीआई के शेयर लाभ में रहे जबकि एशियन पेंट्स, सन फार्मा, एनटीपीसी, पावर ग्रिड, एमएंडएम, अल्ट्राटेक सीमेंट, बजाज फिनसर्व और टाटा स्टील के शेयर गिरे। लार्जकैप की जगह पर मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में कमजोरी रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 142.10 अंक की गिरावट के साथ 53,677.05 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 59.30 अंक नीचे आकर 15,650.50 पर था।आज शुरुआती कारोबार में भारी गिरावट देखी पर सत्र के मध्य में मूल्य आधारित खरीदारी और रुपए में आई मजबूती के कारण बाजारों को बल मिला। रुपए ने पिछले 12 वर्षों में अपनी सबसे बड़ी बढ़त दर्ज की। इसके चलते दोनों सूचकांक सकारात्मक स्तर पर बंद हुए। इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट के साथ खुला।

सरकार ने की पेट्रोकेमिकल उत्पादों पर 30 जून तक सीमा शुल्क में पूरी छूट की घोषणा

नई दिल्ली। एजेंसी। सरकार ने गुरुवार को पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के चलते पैदा हुई दिक्कतों से घरेलू निर्माताओं को राहत देने के लिए कई अहम पेट्रोकेमिकल उत्पादों पर 30 जून 2026 तक सीमा शुल्क में पूरी छूट की घोषणा की। सरकार की ओर से जारी बयान के मुताबिक प्लास्टिक, पैकेजिंग, टेक्सटाइल, फार्मा, केमिकल, ऑटो कंपोनेंट्स और अन्य मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्रों के उद्योगों को इससे बड़ा लाभ मिलने की उम्मीद है, जिसका फायदा आगे चलकर तैयार उत्पादों के उपभोक्ताओं तक भी पहुंचेगा। वित्त मंत्रालय ने कहा कि यह कदम अस्थायी और लक्षित राहत के रूप में उठाया गया है, ताकि घरेलू उद्योग के लिए आवश्यक पेट्रोकेमिकल कच्चे माल की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके, डाउनस्ट्रीम क्षेत्रों पर लागत दबाव कम किया जा सके और देश में आपूर्ति की स्थिरता बनी रहे।बयान के मुताबिक यह छूट कई प्रमुख पेट्रोकेमिकल फीडस्टॉक, मोनोमर, इंटरमीडिएट, पॉलिमर और रेजिन पर लागू होगी, जो रोजमर्रा के इस्तेमाल होने वाले अनेक उत्पादों के निर्माण के लिए आधार सामग्री का काम करते हैं। इनमें एनहाइड्रस अमोनिया, टोल्यून, स्टाइरीन, मेथनॉल, आइसोप्रोपाइल अल्कोहल, एसीटिक एसिड, फिनोल और मोनोएथिलीन ग्लाइकॉल जैसे बेसिक केमिकल शामिल हैं। इसके अलावा विनाइल क्लोराइड मोनोमर, विनाइल एसीटेट मोनोमर, प्यूरिफाइड टेरेफ्थेलिक एसिड, एथिलीनडायमीन, टोल्यून डाय-आइसोसाइनेट और लिनियर अल्काइलबेंजीन जैसे महत्वपूर्ण इंटरमीडिएट भी इसमें शामिल हैं।

भारत ने रक्षा निर्यात के क्षेत्र में हासिल की बड़ी उपलब्धि..निर्यात 62.66 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। एजेंसी। भारत ने रक्षा निर्यात के क्षेत्र में एक नया कीर्तिमान बना दिया है। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 में रक्षा निर्यात में नया ऐतिहासिक रिकॉर्ड बना है। इस दौरान देश का कुल रक्षा निर्यात बढ़कर 38,424 करोड़ रुपए तक पहुंचा, जो पिछले वित्त वर्ष के मुकाबले 62.66 प्रतिशत की मजबूत बढ़ोतरी दिखाता है। गौरतलब है कि भारत ने वर्ष 2030 तक 50,000 करोड़ रुपए के रक्षा निर्यात का लक्ष्य रखा है। इसके साथ ही 3 लाख करोड़ रुपए का रक्षा उत्पादन भी स्वदेश में होगा। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि रक्षा निर्यात में 14,802 करोड़ रुपए की बड़ी बढ़ोतरी हुई है। यह बढ़ोतरी इसका संकेत है कि दुनिया भारत की स्वदेशी रक्षा क्षमताओं और उन्नत मैन्युफैक्चरिंग पर भरोसा कर रही है। उन्होंने बताया कि इस उपलब्धि में रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम और निजी उद्योग दोनों की अहम भूमिका रही है। कुल निर्यात में भारतीय सार्वजनिक उपक्रमों का योगदान 54.84 प्रतिशत रहा, जबकि निजी क्षेत्र की हिस्सेदारी 45.16 प्रतिशत रही है। रक्षा मंत्री सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रेरणादायक नेतृत्व में भारत रक्षा निर्यात के क्षेत्र में एक नई सफलता की कहानी लिखी है। रक्षा मंत्रालय ने वित्त वर्ष 2025-26 में एक और उपलब्धि हासिल की है। दरअसल मंत्रालय ने अपने पूंजीगत बजट का पूर्ण उपयोग किया है। यह बजट राशि 1.86 लाख करोड़ रुपए थी। इस बड़े पूंजीगत व्यय का 100 प्रतिशत उपयोग किया। यह लगातार दूसरा साल है जब रक्षा मंत्रालय ने अपना पूरा कैपिटल बजट इस्तेमाल किया है। इससे पहले भी वित्त वर्ष 2024-25 में कई वर्षों बाद पहली बार पूंजीगत बजट का पूरा उपयोग किया गया था। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, शुरुआत में पूंजीगत व्यय के लिए 1.80 लाख करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया था, लेकिन पहली दो तिमाहियों के खर्च और ऑपरेशन सिंदूर के बाद सेनाओं की बढ़ी हुई जरूरतों को देखकर वित्त मंत्रालय ने बढ़ाकर 1.86 लाख करोड़ रुपए किया था।

मेष- आज आपकी काम करने की गति थोड़ी धीमी रहेगी, जिससे आपको काम करने में समस्या आएगी और आपका ध्यान भी इधर-उधर थोड़ा ज्यादा लगेगा। पिताजी से भी आपकी कहासुनी होने की संभावना है, लेकिन आपको बड़ों की बातों पर ध्यान देना होगा और उनके मान सम्मान में कोई कमी ना छोड़े। आपको अपने बॉस से काम को लेकर कोई अच्छी सलाह मिल सकती है, जो आपके काम में आपको पूरी मदद करेगी।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए कुछ कठिनाइयां लेकर आएगा। आपका काम करने में मन थोड़ा कम लगेगा और आपके कुछ विरोधी आपको बहलाने फुसलाने की कोशिश कर सकते हैं, लेकिन आप अपना फोकस काम पर लगाने की पूरी कोशिश करें। विद्यार्थियों को पढ़ाई-लिखाई में एकाग्र होकर जुटना होगा, जिससे कि उन्हें परीक्षा में समस्या कम आएगी।

मिथुन- आज का दिन आर्थिक मामलों में आपके लिए बेहतर रहने वाला है, क्योंकि भाग्य का आपको पूरा साथ मिलेगा और आपका डूबा हुआ धन भी मिलने की संभावना है। आपको किसी से कोई बात सोच समझ कर बोलनी होगी। कुछ नए लोगों से जान पहचान बढ़ेगी। आपके लिए गए निर्णय से आपको कोई अच्छी खुशखबरी सुनने को मिल सकती है। परिवार को कोई सदस्य नौकरी से संबंधित किसी काम को लेकर कहीं बाहर जा सकता है। आप कुछ नया करने के भी प्लानिंग करेंगे।

कर्क- आज का दिन आपके लिए कशमकश भरा रहने वाला है। संतान की संगति पर आपको विशेष ध्यान देना होगा। आप किसी काम को लेकर दूसरों पर डिपेंड रहेंगे, तो उसमें आपकी समस्याएं बढ़ेंगी। सामाजिक मामलों में आपकी लापरवाही आपके ऊपर कोई झूठा आरोप लगा सकती हैं। आपको थोड़ा समझदारी दिखाते हुए कामों को करना होगा। प्रॉपर्टी को लेकर किसी बंटवारे में आप कोई बात बहुत ही तोलमोल कर बोले।

सिंह- आज का दिन आपके लिए बढिय़ा रहेगा, क्योंकि आप जिस काम में हाथ डालेंगे, उसमें आपको सफलता अवश्य मिलेगी। संतान का भी किसी नये कोर्स में दाखिला दिला सकते हैं। परिवार में धन को लेकर यदि कोई काम रोका हुआ था, तो उसके भी पूरे होने की संभावना है। आप अपनी जीवनसाथी से यदि कोई वादा करें, तो उसे समय रहते पूरा करने की कोशिश करें और आपको किसी से धन उधार लेने से बचना होगा।

कन्या- आज का दिन आपके लिए मान-सम्मान में वृद्धि लेकर आएगा। आपकी वाणी की सौम्यता आपको मान सम्मान दिलवाएंगी। आपकी बेवजह की टेंशन आपकी समस्याओं को बढ़ा सकती हैं। आपके परिवार में बड़े सदस्यों की सेहत पर भी पूरा ध्यान देना होगा और किसी नए वाहन की खरीदारी करना आपके लिए अच्छा रहेगा। आपको किसी पुरानी गलती से सबक लेना होगा। विद्यार्थियों को बौद्धिक और मानसिक बोझ से छुटकारा मिलता दिख रहा है।

तुला- आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। आपकी कुछ नया करने की इच्छा होगी और आप इन्वेस्टमेंट करने से भी बिल्कुल पीछे नहीं हटेंगे। संतान के करियर में चल रही समस्याएं भी दूर होंगी और आपको अपने कार्य क्षेत्र में किसी से कोई जरूरी जानकारी शेयर करने से बचना होगा। आपकी कुछ खास लोगों से मुलाकात होगी।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए उलझनों भरा रहने वाला है। आपको काम को लेकर मेहनत तो अधिक रहेगी, लेकिन उतना फल न मिलने से टेंशन भी अवश्य होगी। पूजा पाठ में आपका खूब मन लगेगा और आपकी अपने जीवनसाथी से मुलाकात होगी। आपको अपनी किसी पुरानी गलती से सबक लेना होगा।

धनु- आज का दिन आपके लिए सोच समझकर कामों को करने के लिए रहेगा। आप अपने किसी प्रॉपर्टी से संबंधित काम को लेकर परेशान रहेंगे, जिसके लिए आप कोई महत्वपूर्ण कदम भी उठा सकते हैं। विद्यार्थियों को पढ़ाई-लिखाई में सावधानी बरतने की आवश्यकता है।

मकर- आज आपके लिए कुछ नया काम करने के लिए बेहतर रहेगा। आपके पारिवारिक रिश्तों में भी मजबूती रहेगी और आपके विरोधी आपकी अच्छी पहचान से खुद ही दूर हो जाएंगे, जो जातक राजनीति की ओर कदम बढ़ा रहे हैं, उन्हें थोड़ा सतर्क रहने की आवश्यकता है, लेकिन आपको किसी से मांगकर वाहन चलाने से बचना होगा, क्योंकि इससे कोई कानूनी मामला बढ़ सकता है।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए अपनी आय पर ध्यान देने के लिए रहेगा, क्योंकि आप दिखावे के चक्कर में काफी धन व्यय करेंगे, जिससे आपकी मुश्किलें बढ़ सकती हैं। यदि आपने किसी काम को लेकर जल्दबाजी दिखायी, तो आपकी समस्याएं अवश्य बढ़ेंगी। विद्यार्थी ने यदि किसी परीक्षा को दिया था, तो उसके परिणाम आ सकते हैं, जो आपके लिए बेहतर रहेंगे।

मीन- आज का दिन आपके लिए सेहत के मामले में उतार-चढ़ाव भरा रहेगा। आपका मन आज किसी बात को लेकर परेशान हो सकता है, इसलिए यदि आपने किसी से कर्जा लिया था, तो उसे भी उतारने की पूरी कोशिश करेंगे। परिवार में किसी मांगलिक कार्यक्रम की तैयारी शुरू हो सकती हैं। जीवनसाथी को आप कहीं घूमाने-फिराने लेकर जा सकते हैं। सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे लोगों को अपनी मेहनत में तेजी लानी होगी, जिससे कि आपको कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकेगी।

शब्दजाल- 8217

म	अ	मु	श	सी	ते	ग	ब	हा	दु	र
रा	अ	ल	प्र	क्ल	ला	व	ना	ज	कां	अं
य	म	र्जु	हे	रा	दी	ना	न	व	ग	रु
इं	र	ब	न	म	वा	स	क	त	ज	प
प	दा	ह	प्या	दा	तो	हो	दे	गो	र	त
ह	स	क	प	स	स	व	व	ण	गो	व
द	र	न	न	ट्रे	रू	ह	र	गो	विं	द
क	र	रा	प	क्श	प	का	र	चो	द	ख
र	व	त	य	रा	हो	प	य	अ	सिं	अ
क	र	ल	प	र्जु	ज	ता	रे	आ	ह	द
क	ह	रि	कि	श	न	चि	त्र	ब	त	म

शब्दजाल में 'सिखो' के 10 गुरुओं के नाम ढूंढिए.शब्द ऊपर से नीचे,दाएं से बाएं एवं तिरछे हो सकते हैं

नानक देव, अंगद देव, अमरदास, रामदास, अर्जुनदास, हरगोविंद, हरराय, हरिकिशन, तेग बहादुर, गोविन्द सिहं

शब्दजाल - 8216 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली - 7161

बायें से दायें:-

१. अनिल, रेखा की 'तू मेरा मखना' गीत वाली फिल्म-३
३. 'किसीसे तुम प्यार करो' गीत वाली अक्षय, लारा, प्रियंका की फिल्म-३
५. 'सुबह सुबह जब' गीत वाली फिल्म-२
७. राजकुमार, मीनाकुमारी की 'चलो दिलदार चलो' गीत वाली फिल्म-३
८. मंगेशकर बहनों लता, आशा, उषा की चौथी बहन का नाम क्या हैं?-२
९. अमिताभ, जया की 'आए तुम याद मुझे' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'परदेसी तो हैं परदेसी' गीत वाली फिल्म-३
१२. देवआनंद, निम्मी की 'ओ रूपनगर के सौदागर' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'मैं ने तुझसे प्यार' गीत वाली विनोद खन्ना, भानुप्रिया की फिल्म-२
१४. राजकपूर, मीनाकुमारी की 'ऐ चाँद जहाँ वो जाए' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'घर आजा परदेसी' गीत वाली सनी, अमीषा की फिल्म-३
१६. अजय देवगन, मनीषा, करिश्मा की एक फिल्म-४
१८. 'जलता है जिया' गीत वाली सुनील दत्त, रीनाराय, आशा की फिल्म-२
१९. सनी, सलमान, करिश्मा, तब्बू की 'यारा ओ यारा' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'तारे हैं बारती' गीत वाली अनिल, तब्बू, पूजा बत्रा की फिल्म-४
२५. मनीष, मनीषा की 'तू दीवाना पागल मेरा' गीत वाली फिल्म-३,३
२७. 'लड़की है क्या' गीतवाली फिल्म-३
२८. 'मेरे खयालों की' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'सूर्यवंशी' में नायिका कौन थी-२
३०. सनी, जूही की 'जादू तेरी नजर' गीत वाली फिल्म-२
३१. 'जब कोई बात' गीतवाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'रात कली इक ख्वाब में आई' गीत वाली फिल्म-२,२,२
२. फिल्म 'आर या पार' की नायिका-२
३. शाहरूख, माधुरी की 'बड़ी मुश्किल है' गीत वाली फिल्म-३
४. 'तुम भी चलो हम भी चलें' गीत वाली अमिताभ, सायरा की फिल्म-३
६. राजेश खन्ना, राखी की 'छोड़दे जवानी में उदासी' गीत वाली फिल्म-४
११. 'तेरी चाहत में' गीत वाली फिल्म-१,२
१२. नसीरूद्दीनशाह, पूजा की 'आज हमने दिल का हर फैसला' गीत वाली फिल्म-२
१३.'बहारों फूल बरसाओ' गीतवाली फिल्म-३
१४. अमिताभ, शशि, शत्रुघ्न, राखी, परवीन, बिंदिया की फिल्म-२
१७. जीतेंद्र, हेमा की 'एक बेचारा प्यार का मारा' गीत वाली फिल्म-३
२०.फिल्म 'शोला और शबनम' नायिका कौन थी ?-३
२१. फिल्म 'गुनाह' की नायक कौन था-२
२२. जीतेंद्र, लीना की 'कभी खोले ना तिजोरी का' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'मझे तेरे जैसी लड़की' गीत वाली डिनो और बिपाशा की फिल्म-२
२४. अक्षय, करीना की 'यार बदल ना जाना' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'फूलों सा चेहरा तेरा' गीत वाली फिल्म-३
२६. राजेश, धर्मेन्द्र, वहीदा की 'हमने देखी है' गीत वाली फिल्म-३
२८.'मैं कुड़ी अनजानी' गीत वाली सनीदेओल, सुष्मिता सेन की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 7160

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

3 अप्रैल 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

शुक्रवार 2026 वर्ष का 93 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** बसंत।
विक्रम संवत् 2083
शक संवत् 1948
मास चैत्र **पक्ष** शुक्ल
तिथि प्रतिपदा 08.43 बजे को समाप्त।
नक्षत्र चित्रा 19.25 बजे को समाप्त।
योग व्याघात 14.09 बजे को समाप्त।
करण कौलव 08.43 बजे तदनन्तर तैतिल 21.23 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 14.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 05° 14'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872668
जूलियन दिन 2461133.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना सव्वाल
तारीख 14

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ	समय
सूर्य	मीन में	मेष	06.28 बजे से
चंद्र	तुला में	वृष	08.08 बजे से
मंगल	मीन में	मिथुन	10.06 बजे से
बुध	कुंभ में	कर्क	12.20 बजे से
गुरु	मिथुन में	सिंह	14.36 बजे से
शुक्र	मेष में	कन्या	16.48 बजे से
शनि	मीन में	तुला	18.58 बजे से
राहु	कुंभ में	वृश्चिक	21.13 ब.से
केतु	सिंह में	धनु	23.29 बजे से
राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक		मकर	01.34 बजे से
		कुंभ	03.21 बजे से
		मीन	04.54 बजे से

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
चर	05.55	से	07.23 बजे तक	रोग	05.38	से	07.1 बजे तक
लाभ	07.23	से	08.51 बजे तक	काल	07.11	से	08.43 बजे तक
अमृत	08.51	से	10.19 बजे तक	लाभ	08.43	से	10.15 बजे तक
काल	10.19	से	11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15	से	11.47 बजे तक
शुभ	11.47	से	01.15 बजे तक	शुभ	11.47	से	01.19 बजे तक
रोग	01.15	से	02.43 बजे तक	अमृत	01.19	से	02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43	से	04.10 बजे तक	चर	02.51	से	04.23 बजे तक
चर	04.10	से	05.38 बजे तक	रोग	04.23	से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः मीठी बोली

एक आदमी का स्वभाव बड़ा ही चंचल था। उसकी वाणी भी बहुत कर्कश थी। वह सबके साथ कठोर व्यवहार करता था। छोटे- बड़े, किसी का लिहाज उसके भीतर नहीं था। इसका जो परिणाम होना चाहिए था, वही हुआ। उसके प्रति सबके मन में कटुता उत्पन्न हो गई। वह जिधर जाता, लोग उसे देखकर मुंह फेर लेते। उसके तने हुए चेहरे से लोगों के दिलों में तिरस्कार का भाव पैदा होता था। वह आदमी यह सब देखकर दुखी तो होता था, पर बेचारा अपने स्वभाव से लाचार था। अप्रिय शब्द बोलने और कड़वी भाषा का प्रयोग करने से वह अपने को रोक नहीं पाता था। संयोग से एक दिन एक साधु वहां आए। वह आदमी उनसे मिलने गया। बोला, 'यह दुनिया बहुत बुरी है। मुझे उसने इतना सताया है कि आपसे कुछ कह नहीं सकता।' इसके बाद उसने लोगों की उपेक्षा की बात विस्तार से बताते हुए कहा, 'मेरी समझ में नहीं आता कि क्या करूं?' साधु उस व्यक्ति के चेहरे की कठोरता और उसकी तीखी भाषा सुनकर समझ गए कि उसका रोग क्या है। उन्होंने उससे कहा, 'जाओ, एक दीपक ले आओ और बाती के लिए रूई।'

वह आदमी गया और दीपक तथा बाती के लिए रूई ले आया। साधु ने कहा, 'दीपक में बाती डालो।' आदमी ने बाती डाल दी। साधु ने कहा, 'अब इसमें पानी भरो।' उस आदमी ने पानी भर दिया। साधु बोले 'अब इसे जलाओ।' उस आदमी को बड़ा आश्चर्य हुआ कि आखिर साधु महाराज उसे दीपक जलाने को क्यों कह रहे हैं। कहीं वह कोई चमत्कार तो नहीं करने वाले हैं? उसने दियासलाई लेकर दीपक को जलाने का प्रयत्न किया। लेकिन वह नहीं जला। उसने कहा, 'यह तो जलता नहीं।' साधु ने कहा , 'अरे पगले, जब तक दीये में स्नेह अथवा तेल नहीं पड़ेगा, यह जलेगा कैसे? तुम्हारे दीये में पानी पड़ा है। उसे फेंक दो और स्नेह डालो। तभी वह जलेगा और प्रकाश देगा।' वह आदमी सब कुछ समझ गया। उसने अपनी बोली सुधारने का संकल्प किया।

सूडोकु नवताल- 7470

★☆☆☆☆ सरल

			2				3	
		9		8		2	6	4
1				3	6		9	
4		3						
	8			2			1	
						8		6
	4		7	5				3
3	7	5		4		1		
	2				8			

Jagrutidaur.com, Bangalore

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
■ पहेली का केवल एक ही हल है।

सूडोकु नवताल -7469 का हल

4	6	2	3	5	8	9	1	7
8	1	7	9	2	6	3	5	4
3	5	9	1	7	4	8	2	6
6	4	1	5	3	7	2	8	9
2	7	5	8	4	9	6	3	1
9	3	8	2	6	1	4	7	5
1	2	3	6	9	5	7	4	8
5	9	4	7	8	2	1	6	3
7	8	6	4	1	3	5	9	2

शब्द पहेली - 8685

बाएँ से दाएँ

1.कवि की रचना,गजल-3
3.अनुमान,अंदाज-3
5.सदपुरुष-2
6.अयोग्य,असंगत -2
8.स्वार्थ,लोभ-4
10.सहयोग,सहकार-3
11.उन्माद,सनक-3
12.भगवान का अराधक-2
13.ठंडक,शीतलता-2
14.दूल्हे के सिर पर बांधी जाने वाली पगड़ी-3
16.चांदी-3
18.गंवारपन,अशिष्टता-4
20.पैंदा,तला-2
22.वर्तमान दिन-2
23.बहने का भाव-3
24.गमन, विदा होना-3

ऊपर से नीचे

1.हुनर,फन,आर्ट-2
2.बल,दम,जोर-3
3.समीप,नजदीक-3
4.गलत का विलोम-2
5.भ्रम,संदेह-3
7.उपनदी,कैनाल-3
8.नशे से भरपूर-4
9.लाख,सौ हजार-2
11.स्वभाव,आदत-4
14.स्वास्थ्य-3
15.इस जगह-2
17.तहजीब,शिष्टता-3
18.इकट्ठा होना-3
19.रेखा,लाइन-3
21.होठ,अधर-2
22.आगमन-2

शब्द पहेली - 8684 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

मंहगाई के विरोध में कांग्रेसी जनों ने राज्यपाल के नाम सौंपा ज्ञापन

पद्मेश न्यूज। लांजी। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के विभिन्न स्तर के पदाधिकारियों ने 1 अप्रैल को महामहिम राज्यपाल के नाम तहसीलदार लांजी को ज्ञापन सौंपकर केंद्र और राज्य दोनों जगहों पर सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकारों की नीतियों की जमकर आलोचना की। ज्ञापन में रसोई गैस (एलपीजी), बिजली बिल, पेट्रोल और डीजल की बढ़ती कीमतों तथा इनकी किल्लत के कारण हो रही कालाबाजारी का मुद्दा उठाया गया है। कांग्रेस नेताओं ने आम जनता पर पड़ रहे महंगाई के बोझ को असहनीय बताते हुए सभी बढ़ी हुई दरों में तत्काल कमी करने और जनता को राहत देने की मांग की है। ज्ञापन तहसीलदार लांजी के माध्यम से मध्य प्रदेश राज्यपाल को भेजा गया। ज्ञापन में स्पष्ट लिखा गया है कि वर्तमान समय में केंद्र और राज्य दोनों जगह भाजपा की सरकार होने के बावजूद रसोई गैस की कीमतों में लगातार वृद्धि की जा रही है और गैस सिलेंडर आसानी से उपलब्ध भी नहीं हो पा रहे हैं। इससे कालाबाजारी को बढ़ावा मिल रहा है। साथ ही सामान्य बिजली बिलों में मनमाना बढ़ोत्तरी की गई है। पेट्रोल और डीजल की कमी का

हवाला देकर भी प्रदेश में कालाबाजारी फैलाई जा रही है। आमजन के भोजन (खाद्य) सामग्री पर भी दरें बढ़ाकर महंगा किया जा रहा है। ज्ञापन में कहा गया है कि इन सभी कारणों से प्रदेश की जनता बेहद त्रस्त है। ज्ञापन में प्रमुख रूप से रसोई गैस की कीमतों में वृद्धि और उपलब्धता की कमी से कालाबाजारी को प्रोत्साहन।बिजली बिलों में मनमानी बढ़ोत्तरी पेट्रोल-डीजल की किल्लत और इससे जुड़ी कालाबाजारी ।खाद्य सामग्री की बढ़ती कीमतों से आम आदमी का भोजन भी महंगा हो गया। का उल्लेख किया है। कांग्रेस नेताओं ने ज्ञापन में राज्यपाल से अपील की है कि वे केंद्र और राज्य सरकार पर दबाव बनाकर सभी बढ़ी हुई दरों में तुरंत कमी करें तथा आम जनता को राहत प्रदान करें। ज्ञापन सौंपने वालों में प्रमुख रूप से देवेंद्र खोंगल अध्यक्ष पूर्व जनपद पंचायत लांजी, प्रमोद अग्रवाल अध्यक्ष शहर कांग्रेस कमेटी लांजी, रेवाजी काहटकरे अध्यक्ष ब्लॉक कांग्रेस कमेटी लांजी, ऋषि पटेल अध्यक्ष ब्लॉक कांग्रेस कमेटी बहेला, मनीष जुझार अध्यक्ष विधानसभा युवा कांग्रेस लांजी, सौरभ पाशीने, ललीत कबीरे अध्यक्ष सरपंच संघ, अशोक पालीवाल, दिनेश लाड़े, ओमकार बाबा रहांगडाले, अमन श्रीवास्तव, राजू मेंढे, लिखेन्द्र उपराड़े, शरद आसटकर, लीलाधर डोलस, सैयद अरसद खान, गणेश बागड़े, राजू मस्करे, राधेश्याम नखाते, अजीत नगपुरे, योगदास नगपुरे, गुरदास लिल्हारे, रामेश्वर बिल्थरे, अरूण गिरिया, दयाराम भगत, विजय रामटेककर, नीरज सेन, नरेश चौहान, आदर्श ठाकरे आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे। ज्ञापन में सभी नेताओं ने एक स्वर में कहा कि महंगाई की इस मार से गांव-कस्बे की आम जनता सबसे ज्यादा प्रभावित हो रही है। खासकर महिलाएं, किसान और छोटे व्यापारी इसकी चपेट में हैं।

नवविवाहिता का फांसी के फंदे में मिला शव

पद्मेश न्यूज। लांजी। क्षेत्र में एक नवविवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगने से मौत का मामला सामने आया है, जिससे पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। महज दो माह पूर्व प्रेम विवाह करने वाली 20 वर्षीय आंचल गजबे का शव 2 अप्रैल की सुबह लगभग 11 बजे उसके ससुराल ग्राम पौनी में फांसी के फंदे पर लटका मिला। जहां ससुराल पक्ष इसे आत्महत्या बता रहा है, वहीं मायके पक्ष ने हत्या करने का गंभीर आरोप लगाया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, आंचल गजबे ने 2 फरवरी 2026 को दुर्गेश गजबे के साथ प्रेम विवाह किया था। युवती का मायका लांजी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम घोटी घुसमारा में है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा गया। मृतका का पीएम बीएमओ डॉ. अक्षय उपराड़े एवं डॉ. रजनी शेंडे द्वारा किया गया। अस्पताल प्रबंधन ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल पुलिस थाना में तहरीर भी पहुंचा दी थी। पोस्टमार्टम के पूर्व अस्पताल परिसर में ग्राम घोटी घुसमारा से बड़ी संख्या में ग्रामीणों की मौजूदगी रही, जिससे कुछ समय के लिए गहमा-गहमी का माहौल बना रहा। वहीं मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए तहसीलदार हिम्मत सिंह भवेदी भी अस्पताल पहुंचे और आवश्यक वैधानिक कार्यवाही सुनिश्चित कराई। पीएम के पश्चात शव परिजनों को सौंप दिया गया है। पुलिस ने मर्ग क्रमांक 10/2026 कायम कर जांच प्रारंभ कर दी है। मायके पक्ष द्वारा लगाए गए गंभीर आरोपों के चलते पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा।

संतों की कृपा द्वारा ही ईश्वर की प्राप्ति संभव - साध्वी पदमहस्ता भारती

भक्तिमति शबरी ने प्रेम, त्याग एवं जीवन के वास्तविक लक्ष्य का महान आदर्श प्रस्तुत किया

पद्मेश न्यूज। लांजी। दिव्य ज्योति जागृति संस्थान द्वारा आयोजित सात दिवसीय भव्य श्री रामकथा के छठे दिन साध्वी पदमहस्ता भारती जी ने

'शबरी प्रसंग' पर प्रवचन दिया। श्री आशुतोष महाराज जी के दिव्य मार्गदर्शन में चल रही इस कथा में अनेक श्रद्धालु और जिज्ञासु उपस्थित रहे। साध्वी पदमहस्ता भारती जी ने शबरी के जीवन की घटना का वर्णन करते हुए बताया कि विवाह के समय प्रचलित रीति के अनुसार बारातियों के लिए भोजन की व्यवस्था में अनेक बकरों और भेड़ों की बलि दी जाती थी। इस बात को जानकर शबरी अत्यंत दुखी हुईं। उन्होंने सोचा कि क्या मेरे कारण इन मासूम पशुओं की हत्या होनी चाहिए? ईश्वर ने इन्हें भी बनाया है, तो उनकी हत्या से परमात्मा कैसे प्रसन्न होंगे? यह कष्ट प्रथा सहन न कर सकने वाली शबरी विवाह से एक रात पहले ही गृहत्याग कर जंगलों की ओर चली गईं और ईश्वर को ही अपना एकमात्र सहारा बनाया। साध्वी जी ने बताया कि संतों की कृपा द्वारा ही ईश्वर की प्राप्ति संभव है। इस सत्य को जानकर शबरी संतों की सेवा में लग गईं। विदुषी साध्वी पदमहस्ता भारती जी ने कहा कि भक्तिमति शबरी ने अपने जीवन से प्रेम, त्याग और जीवन के वास्तविक लक्ष्य का महान आदर्श प्रस्तुत किया। उनके त्याग और भक्ति ने रामभक्ति का अनुपम उदाहरण दिया। कार्यक्रम में श्रद्धालुओं ने कथामृत का पूर्ण आनंद लिया। सुप्रसिद्ध गायकों द्वारा प्रस्तुत सुमधुर भजनों ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

भारतीय सेना से सेवा निवृत्त होकर पहुंचे गोवेन्द्र घोंघड़े का हुआ भव्य स्वागत

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी क्षेत्र के गौरव हवलदार गोवेन्द्र पिता लखनलाल घोंघड़े जिन्होंने गौरव शाली भारतीय सेना में 22 वर्ष देश सेवा में समर्पित होकर 2 अप्रैल को सेवानिवृत्त होकर वापस लौटे जहां उनका भव्य स्वागत लांजी की पावन धरा में डीजे बाजे, ढोल नगाड़े एवं तिरंगा लहराते हुये फुल माला पहनाकर स्वागत वंदन नाते रिश्तेदारो सहित इष्ट मित्रो, आर्यन ग्रुप लांजी, भूत पूर्व सैनिक कल्याण संगठन के द्वारा किया गया। बतादे कि हवलदार गोवेन्द्र ने 22 वर्ष की देश सेवा काल में देश की रक्षा करते हुये कई महत्वपूर्ण जवाबदारियॉ निभाई है। उनकी निष्ठा, अनुशासन और समर्पण क्षेत्र के युवाओं के लिये प्रेरणास्रोत है।

22 वर्ष का सफलतम कार्यकाल, हासिल किये कई मेडल

भारतीय सेना में चयनित होकर देश सेवा में अपना जीवन समर्पित करना यह बेहद ही गौरवशाली पल होता है। हवलदार गोवेन्द्र घोंघडे लांजी क्षेत्र के लिये किसी गौरव से कम नही है वर्ष 2004 से उन्होने अपनी इस देश सेवा की शुरूवात की थी। जहां उन्होने 2004 से 2007 तक अंबाला कैन्ट, 2008 से 2010 तक राष्ट्रीय राईफल आर आर रामबाण, 2011 से 2013 रूरकी, 2013 से 2017 अंबाला कैन्ट, फरवरी 2017 से नवंबर 2017 डीआरसी कान्गो अफ्रिका में सेवाऐं दी, 2019 से 2024 बबीना कैन्ट, 2025 में लेह लद्दाख चाईना बार्डर में कार्य कर सेवानिवृत्त हुये। इस दौरान इन्हे डीआरसी अफ्रिका कान्गो के लिये 2 मेडल, विदेश सेवा मेडल, यूनाईटेड नेशन मेडल, आर्मी कोर्स,डीएमए इन्टेक्टर कोर्स ग्रेडिंग एएक्स, जम्मू कश्मीर में अनेको युद्ध स्तरीय कार्य में सहभागीता हवलदार गोवेन्द्र के द्वारा दी गई।

ऑपरेशन सिंदूर मे निभाई अहम भूमिका

हवलदार गोवेन्द्र घोंघड़े ने जहां 22 वर्षो का अपना सफलतम कार्यकाल देश सेवा में समर्पित किया वहीं उन्होने बिते कुछ समय पूर्व ऑपरेशन सिंदूर में भी अहम भूमिका निभाई है। ऑपरेशन सिंदूर के समय में वे जैसलमेर लौंगेवाड़ा में पोस्टेड थे जो कि पाकिस्तान बार्डर क्षेत्र है। 22 वर्ष देश सेवा कर वापस अपने घर लौटे हवलदार गोवेन्द्र घोंघड़े का 2 अप्रैल को लांजी की पावन धरा नेताजी सुभाष चौक में भव्य स्वागत सत्कार किया गया जैसे ही गोवेन्द्र लांजी पंहुचे जहां पिता जी लखनलाल घोंघड़े, माता जी ललीता बाई घोघड़े, पत्नि गायत्री घोघड़े, पुत्र दक्ष घोंघडे, पुत्री विनिधी घोघडे, भाई धर्मेन्द्र घोघड़े, उक्षरसराम कोठरे जीजाजी, खेमराज कोठरे जीजाजी, उनके नाते, रिश्तेदार, ईष्ट मित्र, आर्यन ग्रुप लांजी, भूतपूर्व सैनिक कल्याण संगठन के द्वारा जय हिन्द, जय भारत, जय हिन्द की सेना, भारत माता के जयघोष के साथ फुल माला पहनाकर हवलदार गोवेन्द्र का स्वागत वंदन किया गया। उसके पश्चात ढोल नगाड़ो गाजे बाजे के साथ यह स्वागत रैली नगर के सुभाष चौक से भिलाई रोड़ होते हुये हवलदार गोवेन्द्र के निवास पंहुची जहां नाचते गाते झुमते हुये सभी इस महत्वपूर्ण पल का हिस्सा बने, कार्यक्रम के अंत में हवलदार गोवेन्द्र के निवास स्थल पर एक स्वागत भोज का प्रबंध किया गया था। सभी उपस्थित जनो ने हवलदार गोवेन्द्र स्वागत सत्कार कर सफलतम 22 वर्ष के लिये शुभकामनाएँ प्रेषित की। अंत मे हवलदार गोवेन्द्र ने कहा कि भारतीय सेना में सेवा करना उनके लिये गर्व की बात रही है और वे हमशा देश सेवा के लिये तत्पर रहेंगे। उन्होने युवाओ से भी सेना में भर्ती होकर राष्ट्र सेवा का आव्हान किया।

वीरांगना रानी अवंती बाई विद्यालय लांजी में वार्षिक परीक्षा के परिणाम घोषित

पद्मेश न्यूज। लांजी। वीरांगना रानी अवंती बाई विद्यालय लांजी में कक्षा पांचवी, आठवीं बोर्ड परीक्षा एवं स्थानीय परीक्षा का वार्षिक परीक्षा फल शत प्रतिशत रहा। स्थानीय शाला वीरांगना रानी अवंती बाई विद्यालय लांजी में 1 अप्रैल को दोपहर 12 बजे शाला समिति के उपाध्यक्ष खेमराज मस्करे जी की अध्यक्षता में एवं विशिष्ट अतिथि संतोष पालंदूरकर, नरेश चौहान, राजेंद्र सरोटे, श्रीमती आंचल बसोने तथा श्रीमती पुष्पलता पालंदूरकर की उपस्थिति में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम मां सरस्वती के छायाचित्र पर दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया गया। तत्पश्चात शाला के प्रधान पाठक विजय कुमार कुशले द्वारा अतिथियों का तिलक वंदन कर स्वागत किया गया। इसके बाद शाला के प्रधानपाठक विजय कुमार कुशले ने कक्षा केजी वन से कक्षा आठवीं तक के सभी उत्तीर्ण दस टॉप की सूची का परीक्षाफल घोषित किया। इसके पश्चात सभी कक्षा शिक्षिकाओं ने क्रमवार अपनी-अपनी कक्षाओं का परीक्षाफल घोषित किया। कक्षा केजी-वन से प्रथम स्थान - कु. काव्या दौलत बड़मे तथा कु. लावन्या मनिष लिल्हारे - 98.8 प्रतिशत, द्वितीय स्थान - कु. यामिनी कमलसेन घोरमारे - 98.4 प्रतिशत, तृतीय स्थान - कु. रिया मोनु नेवारे - 97.4 प्रतिशत। कक्षा केजी-टू से प्रथम स्थान - कु. प्राची राजेश वाकले - 99 प्रतिशत, द्वितीय स्थान - प्रतेश सचिन जाम्भूरे - 98.8 प्रतिशत, तृतीय स्थान - वेदांत विनोद खरे - 98.6 प्रतिशत। कक्षा पहली से प्रथम स्थान - ऋभ अमृतलाल धारणे तथा वंश दिलीप महिश्रे - 99 प्रतिशत,

द्वितीय स्थान - रूद प्रवीण पालंदूरकर - 98.66 प्रतिशत, तृतीय स्थान - मनीष सुखराम नेवारे - 98.5 प्रतिशत। कक्षा दूसरी से प्रथम स्थान - निर्धय संतोष पांचे - 98.5 प्रतिशत, द्वितीय स्थान - मयूर मनोज डोंगरे तथा कु. रक्षा रामनाथ चौहान - 98.16 प्रतिशत, तृतीय स्थान - अभिनव नरेश चौहान तथा कु. नम्रता संतोष बसोने - 97.83 प्रतिशत। कक्षा तीसरी से प्रथम स्थान - कु. देवांशी रविन्द्र एरने तथा कु. दुर्मिषा लीलचंद घोरमारे - 98 प्रतिशत, द्वितीय स्थान - कुमारी सिद्धि कैलाश सोमनकर - 97.66 प्रतिशत, तृतीय स्थान - कुमारी दुर्गा वीरेंद्र पालंदूरकर - 97 प्रतिशत। कक्षा चौथी से प्रथम स्थान - कुमारी पवित्रा शिवशंकर दुरगकर - 98.5 प्रतिशत तथा कु. याशी संतोष पालंदूरकर - 97.66 प्रतिशत, द्वितीय स्थान - यश गणेश मेहरवान - 97.66 प्रतिशत, तृतीय स्थान - कु. अंशिका नरेश चौहान - 96.16 प्रतिशत। कक्षा पांचवी से प्रथम स्थान - कु. सिया रविन्द्र भोंडेकर - 82.5 प्रतिशत, द्वितीय स्थान - कु. पिंकी रामेश्वर चोरवाडे - 82.25 प्रतिशत, तृतीय स्थान - अविन्द किशोर रंगारी - 80 प्रतिशत। कक्षा छठवीं से प्रथम स्थान - कु. दिव्यानी लीलचंद घोरमारे - 98.14 प्रतिशत, द्वितीय स्थान - झावेश प्रमोद डोंगरे तथा देवेश अनिल बाहे - 97.42 प्रतिशत, तृतीय स्थान - समर राजू भिमटे - 96.14 प्रतिशत। कक्षा सातवीं से प्रथम स्थान - गौरव राजकुमार सोमनकर तथा कुमारी आरुषि रामप्रसाद कुन्धाडकर - 98.14 प्रतिशत, द्वितीय स्थान - कु. ऋषिका नोहर सिंह पुसाम तथा कु. आंचल रविंद्र एरने - 97.42 प्रतिशत, तृतीय स्थान - कुमारी इशिता सोनू नेवारे - 95.71 प्रतिशत तथा कुमारी लालिमा फागेश्वर खरे - 95.7 प्रतिशत। कक्षा आठवीं से प्रथम स्थान - कुमारी किंजल रविंद्र कुंधाडकर - 87.33 प्रतिशत, द्वितीय स्थान - कुमारी मानवी संदीप सोमनकर - 86.66 प्रतिशत, तृतीय स्थान - आकाश बारेलाल वाकडे - 85 प्रतिशत। उक्त सभी छात्र-छात्राओं को अतिथियों के हाथों पुरस्कृत किया गया। विद्यालय के संचालक विजय कुमार कुशले ने सभी बच्चों की सफलता पर बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की। इस कार्यक्रम में उपस्थित पालक-अभिभावकों में श्रीमती रामबती नेवारे, श्रीमती आरती करहि, फूलेशवरी कुमरे, श्रीमती ललिता नेवारे, श्रीमती रोशनी नेवारे, श्री बलवंत राव रामटेकर आदि शामिल रहे। कार्यक्रम की सफलता में विद्यालय के शिक्षकों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इनमें कुमारी पूनम नेवारे, श्रीमती प्रेम कुमारी तिडके, कुमारी दीक्षा कुशले, कुमारी पूजा बल्लारखेड़े, कुमारी मनीषा जांभूरे, आंचल भंडारकर, सुहानी सोलंकी, श्रीमती ज्योति भंडारकर, रिया भोंडेकर, श्रीमती बिंदेश्वरी किरमे, श्रीमती सरिता नेवारे आदि का सराहनीय योगदान रहा।मंच का संचालन श्रीमती दमयंती गणे द्वारा किया गया। अंत में सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं ने बच्चों को परीक्षा में सफल होने पर बधाई एवं उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी गईं।

पीएम श्री स्कूल कुम्हारीकला में मनाया प्रवेश उत्सव

नवागत विद्यार्थियों का स्वागत कर दी पुस्तकें

पद्मेश न्यूज। लांजी। शैक्षणिक सत्र 2026-27 के शुभारंभ पर पीएम श्री शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कुम्हारीकला में हर्षोल्लास और उमंग के साथ प्रवेश उत्सव मनाया गया। कार्यक्रम में नवागत छात्र-छात्राओं का तिलक लगाकर, पुष्प वर्षा कर आत्मीय स्वागत किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के पूजन एवं वंदना के साथ हुआ। इस अवसर पर प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का छात्रों के प्रति विशेष संदेश का सीधा प्रसारण बच्चों को दिखाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में दुलिचंद रजनीरे एवं उनके साथ पालक शिक्षक संघ के अध्यक्ष तेजराम रजनीरे, भाजपा मंडल महामंत्री डॉ. तोमेश्वर बापूरे, डॉ. भुनेश्वर बछे, डॉ. घासीराम कालबेले सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति विशेष रूप से उपस्थित रहे। नवागत विद्यार्थियों का मुख्य अतिथि एवं शिक्षकों द्वारा तिलक लगाकर तथा पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। छात्रों को विद्यालय की परंपराओं, अनुशासन और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी गईं।

पुस्तक वितरण एवं पुरस्कार समारोह

शासन की मंशा के अनुरूप सत्र के पहले ही दिन सभी विद्यार्थियों को निःशुल्क पाठ्यपुस्तकें वितरित की गईं। इस अवसर पर कक्षा 9वीं एवं 11वीं में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं को विद्यालय द्वारा प्रोत्साहन स्वरूप पारितोषिक भेंट किए गए। मुख्य अतिथि दुलिचंद रजनीरे ने संबोधन में कहा कि पुस्तकों के माध्यम से ही ज्ञान के नए द्वार खुलते हैं। उन्होंने छात्रों से इन संसाधनों का सदुपयोग करने और मेहनत से पढ़ाई करने का आह्वान किया। प्रभारी प्राचार्य कमल किशोर मेश्राम ने विद्यार्थियों एवं अभिभावकों को संबोधित करते हुए विद्यालय की शैक्षणिक कार्ययोजना के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पीएम श्री योजना के अंतर्गत विद्यालय में आधुनिक शिक्षा, बेहतर सुविधाएं और अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराने के लिए समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं पूर्ण रूप से संकल्पित हैं। कार्यक्रम में विद्यालय के सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं, शाला प्रबंधन समिति के सदस्य, बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं अभिभावक उपस्थित रहे और कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग किया।

आदिवासी माना उत्थान समिति की वार्षिक बैठक एवं मिलन समारोह सम्पन्न

पद्मेश न्यूज। लांजी। आदिवासी माना उत्थान समिति दुलापुर की चौथी वार्षिक बैठक एवं मिलन समारोह 31 मार्च 2026, मंगलवार को वार्ड नंबर 03, खेलचन्द नारनौरे के निज निवास के पास आयोजित किया गया। कार्यक्रम बड़ी संख्या में समाज के सदस्यों की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत आदिवासी माना समाज की कुलदेवी माँ मानिका देवी एवं जननायक भगवान बिरसा मुंडा की पूजा-अर्चना से हुई। इसके पश्चात् समाज के वरिष्ठ बुजुर्गों, मातृशक्ति एवं पितृशक्ति का पीले गमछे एवं ब्लाउज पीस भेंट कर सम्मान किया गया। बैठक में आदिवासी माना समाज की प्रमुख विचारधाराओं को सभी के समक्ष प्रस्तुत किया गया। समाज में व्याप्त विभिन्न कुरीतियों को समाप्त करने, फसल और नस्ल दोनों को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर विस्तृत चर्चा की गई और इन्हें सर्वसम्मति से पारित किया गया। समाज के विभिन्न वक्ताओं ने समाजहित में कुरीतियों को दूर करने के लिए अपने-अपने सुझाव और मार्गदर्शन प्रदान किए। बैठक में अनेक सामाजिक मुद्दों पर गहन चर्चा हुई और जरूरी प्रस्ताव समाजहित में पास किए गए। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि 9 जून 2026 को भगवान बिरसा मुंडा की शहादत दिवस के अवसर पर ग्राम दुलापुर में उनकी प्रतिमा का अनावरण तथा भव्य कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस संबंध में विस्तृत प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया। इस दौरान प्रमुख रूप से अध्यक्ष ऋषि चौके, सचिव संजय धारने, संरक्षक ऋषिकेश घोरमारे, पतिराम वाक?, कार्यकारिणी सदस्य दूमन घोरमारे, सालिकराम नारनौरे, सेवकराम नारनौरे, भावजी नेवारे, अतुल हनोते, रेवाजी सोरकुरे, श्यामराज गुर्दे, संतोष धारने, सूरज राणे, परशुराम धारने एवं अन्य माना समाज के सभी सदस्यों ने इस आयोजन को सफल बनाने में सक्रिय योगदान दिया।

ट्रांसफर की राह में रोड़ा बनी जनगणना

अब जून में हटेगा ट्रांसफर पर से बैन

भोपाल। मप्र के सरकारी अधिकारी-कर्मचारी अब ट्रांसफर की राह ताकने लगे हैं। नया शिक्षण सत्र शुरू हो उससे पहले सभी यही चाहते हैं की ट्रांसफर की प्रक्रिया शुरू हो जाए। लेकिन ट्रांसफर की राह में फिलहाल जनगणना का रोड़ा खड़ा नजर आ रहा है। ऐसे में प्रदेश में ट्रांसफर से बैन हटने का इंतजार कर रहे अधिकारी-कर्मचारियों को इस बार थोड़ा लंबा इंतजार करना पड़ेगा। इस साल मई के बाद ही ट्रांसफर से बैन हटने के आसार हैं। यानी अब जून में ही ट्रांसफर पर से बैन हटेगा। इसकी वजह यह है कि जनगणना का बड़ा काम है, इसमें बड़ी संख्या में अधिकारी-कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई जा रही है।

दरअसल, मप्र में जनगणना का पहला चरण 16 अप्रैल से शुरू होगा। इसी दिन से मप्र में जनगणना निदेशालय की ओर से तैयार सेल्फ एन्युमरेशन पोर्टल पर मप्र की विंडो वंडो खुलेगी। आम लोग 16 से 30 अप्रैल तक स्व-गणना सुविधा का लाभ उठाते हुए खुद ही अपनी जानकारी ऑनलाइन दर्ज कर सकेंगे। इसके बाद मप्र के लिए सेल्फ एन्युमरेशन विंडो बंद हो जाएगी। फिर 1 मई से डोर-टू-डोर सर्वे शुरू हो जाएगा, जिसमें मकान, दुकान और भवनों की गिनती होगी। डोर-टू-डोर सर्वे

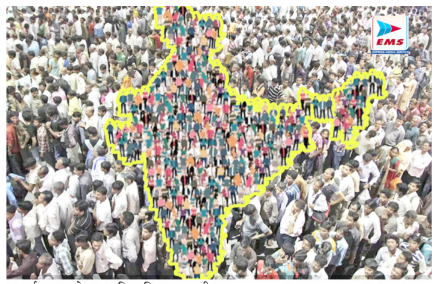

30 मई तक चलेगा। आधिकारिक जानकारी के अनुसार प्रदेश में मकान-दुकान और भवनों की गणना के लिए 1 मई से 1.90 लाख कर्मचारी फील्ड में उतरेंगे। मप्र के जनगणना कार्य निदेशालय ने प्रदेश में पहले चरण की जनगणना के लिए 1 लाख 60 हजार प्रगणक और 30 हजार पर्यवेक्षक नियुक्त किए हैं। चूंकि मकान-दुकान और भवनों की गणना का काम 30 मई तक चलेगा, इसलिए इस अवधि में किसी भी सूरत में ट्रांसफर से बैन हटने के आसार नहीं हैं।

20 प्रतिशत कर्मचारियों की जनगणना में ड्यूटी

अधिकारियों का कहना है कि हर जिले में 15 से 20 प्रतिशत कर्मचारियों की जनगणना में ड्यूटी लगाई गई है। ऐसे में यदि 30 मई से पूर्व तबादलों से बैन हटाया जाता है, तो जनगणना का काम प्रभावित हो सकता है। एक जिले से दूसरे जिले में कर्मचारियों के स्थानांतरण से डेटा संग्रहण में विसंगति और देरी की संभावना बढ़ जाती है। अधिकारियों का कहना है कि जनगणना का कार्य पूरी तरह टाइम-बाउंड है और केंद्र सरकार इसकी लगातार मॉनिटरिंग करती है। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही या देरी की जवाबदेही सीधे राज्य सरकार की रहेगी। यही कारण है कि राज्य सरकार जनगणना कार्य के दौरान कर्मचारियों के ट्रांसफर से बैन हटाकर कोई जोखिम लेना चाहेगी। प्रदेश में लगभग 140 मास्टर ट्रेनर फील्ड ट्रेनर्स के प्रशिक्षण की प्रक्रिया चल रही है, 24 मार्च से शुरू हुआ यह प्रशिक्षण 4 अप्रैल तक चलेगा। इसके बाद फील्ड में सर्वे शुरू होने से एक सप्ताह पहले प्रगणकों की ट्रेनिंग होगी, जिसे 24 अप्रैल तक पूरी करने की डेडलाइन है। एक मई से प्रगणक स्मार्टफोन आधारित मोबाइल ऐप के जरिए घर-घर जाकर जानकारी दर्ज करेंगे। एक प्रगणक के जिम्मे औसतन 200 मकानों की गणना का जिम्मा होगा। औसतन इतने ही मकानों का ब्लॉक बनाया जाएगा। भवनों की गणना शहरी और ग्रामीण दो ही कैटेगरी में की जाएगी। प्रदेश में शहरी और ग्रामीण दोनों मिलाकर लगभग से 3 करोड़ भवन (हाउसहोल्ड) होने का अनुमान है। मप्र सरकार ने पिछले साल नई ट्रांसफर पॉलिसी लागू की थी। इसके अनुसार एक मई से 30 मई, 2025 तक के लिए कर्मचारियों के ट्रांसफर से बैन हटाया गया था। बाद में मंत्रियों की मांग पर इसकी अवधि 17 जून तक बढ़ा दी गई थी। इस दरमियान करीब 50 हजार कर्मचारियों के तबादले किए गए थे।

शासकीय कर्मचारियों को बड़ी राहत

महंगाई भत्ता 55 से बढ़कर 58 प्रतिशत हुआ

छह किश्तों में मिलेगा एरियर : वित्त विभाग ने जारी किये आदेश

भोपाल। वित्त विभाग ने राज्य के शासकीय कर्मचारियों को बड़ी राहत देते हुए महंगाई भत्ते (डीए) में वृद्धि का निर्णय लिया है। जारी आदेश के अनुसार सातवें वेतनमान के अंतर्गत कर्मचारियों को मिलने वाला महंगाई भत्ता अब दिनांक एक जुलाई 2025 से (भुगतान माह अगस्त 2025 से) 55 प्रतिशत से 3 प्रतिशत बढ़ाकर 58 प्रतिशत कर दिया गया है।

वित्त विभाग के परिपत्र के अनुसार यह बढ़ा हुआ महंगाई भत्ता 1 जुलाई 2025 से कुल 58 प्रतिशत देय माना जाएगा। हालांकि कर्मचारियों को इसका वास्तविक लाभ 1 अप्रैल 2026 (भुगतान माह मई 2026) से प्राप्त होगा।

सरकार द्वारा जारी आदेश में बताया गया है कि 3 प्रतिशत की इस वृद्धि के बाद कर्मचारियों का कुल महंगाई भत्ता अब 58 प्रतिशत हो जाएगा। यह निर्णय राज्य के लाखों कर्मचारियों के लिए आर्थिक राहत लेकर आएगा।

एरियर का भुगतान छह किश्तों में

वित्त विभाग ने शासकीय सेवकों को महंगाई भत्ते में हुई वृद्धि का लाभ एक जुलाई 2025 से 31 मार्च 2026 तक की एरियर राशि का भुगतान छह समान किश्तों में दिया जाएगा। इन किश्तों का भुगतान मई, जून, जुलाई, अगस्त, सितंबर और अक्टूबर 2026 में किया जाएगा।

सेवानिवृत्त और दिवंगत कर्मचारियों के लिए विशेष प्रावधान

वित्त विभाग ने जारी आदेश में स्पष्ट किया है कि जो कर्मचारी 1 जुलाई 2025 से 31 मार्च 2026 के बीच सेवानिवृत्त हो चुके हैं या जिनका निधन हो गया है, उन्हें अथवा उनके नामांकित सदस्य को एरियर की पूरी राशि एकमुश्त प्रदान की जाएगी।

भुगतान संबंधी अन्य निर्देश

महंगाई भत्ते की गणना में 50 पैसे या उससे अधिक राशि को अगले पूर्ण रुपये में जोड़ा जाएगा, जबकि 50 पैसे से कम राशि को छोड़ दिया जाएगा। साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया है कि महंगाई भत्ते का कोई भी हिस्सा किसी अन्य प्रयोजन के लिए वेतन का भाग नहीं माना जाएगा। सभी विभागों को निर्देश दिए हैं कि महंगाई भत्ते के भुगतान पर होने वाला व्यय संबंधित विभाग के स्वीकृत बजट प्रावधान के भीतर ही सुनिश्चित किया जाए।

मप्र के किसान कैसे बनेंगे आत्मनिर्भर... ?

वैज्ञानिक प्रतिनियुक्ति पर...खाली पड़े कृषि विज्ञान केंद्र

भोपाल। मप्र में सरकार किसानों को आत्मनिर्भर बनाना चाहती है। इसके लिए सरकार का सबसे अधिक फोकस खेती-किसानी पर है। लेकिन विडंबना यह है कि सरकारी भर्राशाही के कारण कृषि वैज्ञानिक दूसरे विभागों में प्रतिनियुक्ति पर काम कर रहे हैं। इस कारण कृषि विज्ञान केंद्र सूने पड़े हैं। इसका प्रभाव यह देखने को मिल रहा है कि किसानों को वैज्ञानिक सलाह नहीं मिल पा रही है। किस समय खेती में क्या करना चाहिए इसकी जानकारी के अभाव में किसान अपने मन से खेती कर रहे हैं। दरअसल, जिन-जिन विभागों ने किसान विज्ञान केंद के वैज्ञानियों को प्रतिनियुक्ति पर ले रखा है, वह नियम विरुद्ध है। इसकी वजह यह है कि सरकार इन कर्मचारियों को नियमित कर्मचारी नहीं मानती है। इसके बावजूद राज्य सरकार ने कई अहम प्रभार ऐसे अशासकीय कर्मचारियों को सौंप रखे हैं। इतना ही नहीं, इन्हें जो वेतनमान दिया जा रहा है, वह भी उच्च पद का है।

दरअसल, कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानियों पर इन दिनों दोहरी मार पड़ रही है। पहले तो इन वैज्ञानियों का वेतन घटा दिया गया और छह माह से इन वैज्ञानियों को वेतन ही नहीं मिल पा रहा है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अधीन काम करने वाले वैज्ञानियों को सरकार नियमित कर्मचारी भी नहीं मानती है। दूसरी तरफ इन्हीं वैज्ञानियों में कई ऐसे रसूखदार भी हैं, जो राज्य सरकार के अपर संचालक जैसे कार्यपालिक पद सहित कृषि विश्वविद्यालयों में प्रतिनियुक्ति में पदस्थ होकर उच्च वेतन पा रहे हैं। राज्य सरकार के उद्यानिकी विभाग में पदस्थ एक अपर संचालक केएस किराड़ का रुतबा तो ऐसा है कि प्रतिनियुक्ति अवधि समाप्त होने के बाद भी वह कृषि विज्ञान केंद्र धार में नहीं लौट रहे हैं। इनकी वापसी के लिए राजमाता विजया राजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय (आरवीएसकेवीवी) ग्वालियर के कुल सचिव ने पत्र लिखकर सेवाएं वापस मांगी थीं, लेकिन उद्यानिकी विभाग ने उसे ठंडे बस्ते में डाल दिया। विश्वविद्यालय ने एक आदेश जारी कर कहा था कि

कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानी सिर्फ केंद्र में ही पदस्थ रहेंगे, किसी अन्य संस्थान में नहीं। बावजूद इसके नियमों को ताक पर रखकर किराड़ पिछले चार साल से उद्यानिकी विभाग में बतौर अपर संचालक और विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी पदस्थ हैं। इधर, कृषि विश्वविद्यालय जबलपुर ने कृषि विज्ञान केंद्र के कुछ वैज्ञानिकों को नियम विरुद्ध शैक्षणिक पदों पर नियमित कर दिया। इसके अलावा डॉ. योग रंजन उद्यानिकी विभाग के पूर्व मंत्री के ओएसडी बने हुए हैं। बता दें कि मप्र केवीके एग्प्लाइज वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. अनिल कुमार सिंह ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखकर छह माह से नहीं मिल रहे वेतन का लंबित भुगतान करने की मांग की थी, लेकिन अब तक कोई निर्णय नहीं लिया गया।

किराड़ को लेकर विश्वविद्यालय सख्त

राजमाता विजया राजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय ग्वालियर के कुल सचिव ने नौ अप्रैल 2025 को पत्र जारी कर कृषि विज्ञानिक केंद्रिय किराड़ को मूल पद स्थापना कृषि विज्ञान केंद्र धार में उपस्थिति देने के लिए आदेश किया था। लेकिन किराड़ वापस जाने के बजाय उद्यानिकी विभाग में ओएसडी बन गए। सूत्रों का कहना है कि इसके लिए विश्वविद्यालय द्वारा कोई एनओसी भी नहीं दी गई। किराड़ ऐसे चहेते अधिकारी हैं कि उनके पास दोहरा प्रभार है। मंत्रालय में वह ही विभाग के ओएसडी का प्रभार भी संभाल रहे हैं। राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय ग्वालियर के कुलपति डॉ. अरविंद कुमार शुक्ला का कहना है कि विश्वविद्यालय द्वारा राज्य सरकार से कहा गया था कि इनकी (केएस किरार) सेवाएं वापस की जाएं। वैसे भी भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के साथ जो एमओयू विश्वविद्यालय का हुआ है, उसमें स्पष्ट कहा गया है कि कृषि विज्ञानियों का डायवर्जन नहीं होगा। प्रतिनियुक्ति या स्थानांतरण भी नहीं होगा। वे अपनी मूल सेवा में वापस नहीं आएंगे तो नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। मप्र उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग के सचिव जान किंग्सली का कहना है कि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के नियम की जानकारी मेरे संज्ञान में है। विभाग में वैकल्पिक व्यवस्था होते ही प्रतिनियुक्ति पर पदस्थ अधिकारी (केएस किरार) को अपनी मूल पदस्थापना पर वापस भेज दिया जाएगा। वैसे भी अनुभवी स्टाफ नहीं है।

मप्र के नौ जिलों के शत-प्रतिशत घरों नलों से पानी की सप्लाई

मोहन सरकार के 27 महीने के कार्यकाल में जुड़ेगी एक और बड़ी उपलब्धि

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मप्र निरंतर विकास कर रहा है। इसी कड़ी में मोहन सरकार के 27 महीने के कार्यकाल में एक और बड़ी उपलब्धि जुड़ने जा रही है। यह उपलब्धि जल जीवन मिशन से जुड़ी है। जल जीवन मिशन के तहत प्रदेश के नौ और जिले ऐसे हो गए हैं जहां शत-प्रतिशत घरों नलों से पानी की सप्लाई हो रही है। आधिकारिक सूत्रों का कहना है कि सरकार की मंशा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों इन जिलों को हर घर जल प्रमाणित घोषित कराने की थी, लेकिन प्रधानमंत्री की लगातार व्यस्तता के चलते सरकार को इसमें सफलता नहीं मिल पाई। इसलिए अब केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटील की मौजूदगी में नौ जिलों को हर घर जल प्रमाणित घोषित कराने की तैयारी पीएचई विभाग कर रहा है। कार्यक्रम के आयोजन के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की हरी झंडी मिलने का इंतजार है।

जानकारी के अनुसार, जल जीवन मिशन के तहत प्रदेश के नौ जिलों के शत-प्रतिशत घरों में नलों से पानी की सप्लाई को लेकर टेस्टिंग पूरी हो चुकी है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी (पीएचई) विभाग ने अपनी तरफ से इन जिलों को हर घर जल प्रमाणित घोषित करने की तैयारी पूरी कर ली है। सीएम डॉ. मोहन यादव की हरी झंडी मिलते ही इन जिलों को हर घर जल प्रमाणित घोषित कर दिया जाएगा। यानी इन जिलों के शत-प्रतिशत घरों में नलों से पानी की सप्लाई शुरू हो जाएगी। इनमें उज्जैन सभाग के सातों जिले-उज्जैन, देवास, रतलाम, आगर मालवा, शाजापुर, मंदसौर, नीमच के अलावा इंदौर और अशोकनगर शामिल हैं। जानकारी के मुताबिक देश और प्रदेश में जल जीवन मिशन को लॉन्च हुए साढ़े 6 साल हो गए। इस दरमियान प्रदेश के सिर्फ 2 जिलों में ही 100 प्रतिशत घरों में नलों से पानी की सप्लाई हो पाई है। तत्कालीन शिवराज सरकार के कार्यकाल में सबसे पहले जुलाई, 2022 में बुरहानपुर को हर घर जल प्रमाणित जिला घोषित किया गया। इसके 11 महीने बाद जून, 2023 में निवाड़ी प्रदेश का दूसरा हर घर जल प्रमाणित जिला घोषित हुआ। मोहन सरकार के 27 महीने के कार्यकाल में अब तक एक भी जिले को हर घर जल प्रमाणित घोषित नहीं किया गया है। प्रदेश में कुल जिलों की संख्या 55 है।

अप्रैल में पूरा हो जाएगा एकल नल जल योजनाओं का काम

जल जीवन मिशन में दो तरह की योजनाओं (एकल नल जल और समूह नल जल) पर काम चल रहा है। प्रदेश में एकल नल जल योजनाओं की संख्या 28 हजार से ज्यादा है। एकल नल जल योजनाओं का 97 प्रतिशत काम पूरा हो गया है। अप्रैल तक एकल नल जल योजनाओं का काम पूरा कर लिया जाएगा। समूह नल जल योजनाओं की कुल संख्या 147 है। समूह नल जल योजनाओं का करीब 68 प्रतिशत काम पूरा हो गया है। समूह नल जल योजनाओं का काम पूरा करने की डेडलाइन मार्च, 2027 निर्धारित है। बता दें कि मप्र में एकल नल जल योजनाओं के संचालन एवं संधारण (ऑपरेशन एंड मेंटेनेंस) की जिम्मेदारी ग्राम पंचायतों को सौंपी गई है। इसके लिए सरकार ने मप्र पंचायत (ग्रामीण नल जल योजना संचालन संधारण एवं प्रबंधन नीति)-2026 को मंजूरी दे दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 अगस्त, 2019 को जल जीवन मिशन की घोषणा की थी। केंद्र सरकार ने जल जीवन मिशन की डेडलाइन मार्च, 2024 रखी थी। चूंकि इस अवधि में अधिकतर राज्यों में जल जीवन मिशन का काम पूरा नहीं हो पाया, इस कारण केंद्र सरकार ने जल जीवन मिशन 2.0 के रूप में पुनर्गठित कर देश में मिशन की अवधि दिसंबर, 2028 तक बढ़ा दी है।

शराब दुकानों की 12वें चरण की नीलामी के आज खुलेंगे टेंडर

इन दुकानों से पांच हजार करोड़ का राजस्व जुटाएगा आबकारी विभाग

भोपाल। मध्य प्रदेश में शराब दुकानों से बकाया करीब 5 हजार करोड़ रुपए के राजस्व को जुटाने के लिए आबकारी विभाग ने गुरुवार को 12वें चरण की ई-टेंडर नीलामी शुरू करा दिया है। इस प्रक्रिया में पारंपरिक ऑक्शन नहीं होगा, बल्कि ऑनलाइन टेंडर के जरिए ही आवंटन किया जाएगा। आबकारी विभाग ने स्पष्ट किया है कि ई-टेंडर में ऑफसेट प्राइस आरक्षित मूल्य से अधिकतम 30 प्रतिशत कम तक ही मान्य होगा। यानी 70 प्रतिशत से कम का कोई भी ऑफर स्वीकार नहीं किया जाएगा, जिससे न्यूनतम बोली की सीमा तय की गई है। ऑनलाइन टेंडर फॉर्म डाउनलोड और ऑफर जमा करने की प्रक्रिया गुरूवार सुबह 11 बजे से शुरू हुई है, जो 3 अप्रैल को दोपहर 2 बजे तक चलेगी। टेंडर खोलने की प्रक्रिया 3 अप्रैल को दोपहर 2.05 बजे से शुरू होगी।

आबकारी आयुक्त दीपक सक्सेना ने जिलों के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि 10वें और 11वें चरण में प्राप्त ऐसे प्रस्ताव, जो आरक्षित मूल्य के 80 प्रतिशत या उससे अधिक हैं, उन्हें स्वीकृति प्रक्रिया में शामिल किया जाए। वहीं 80 प्रतिशत से कम के उच्चतम ऑफर्स को फिलहाल होल्ड पर रखा जाएगा। ऐसे आवेदकों को दोबारा ईएमडी जमा करने की आवश्यकता नहीं होगी।

समूह और इकाई स्तर पर होगी नीलामी

इस चरण में शराब दुकानों की नीलामी समूह के साथ-साथ समूह में शामिल प्रत्येक दुकान के लिए अलग-अलग भी की जाएगी। राजस्व संतुलन बनाए रखने के लिए जिला समितियां सीमित संख्या में समूहों का पुनर्गठन करेंगी, जिसे आबकारी आयुक्त की मंजूरी जरूरी होगी। जिन जिलों का आरक्षित मूल्य 200 करोड़ रुपए से अधिक है, वहां किसी भी समूह का मूल्य जिले के कुल आरक्षित मूल्य के 20 प्रतिशत से ज्यादा नहीं रखा जाएगा। 29 मार्च तक 1200 समूहों की नीलामी पूरी हो चुकी है, जिससे लगभग 15,409.94 करोड़ रुपए का राजस्व तय हुआ है। यह आरक्षित मूल्य से 3.61 प्रतिशत अधिक है। वित्तीय वर्ष 2025-26 की तुलना में इसमें 24.34 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। राज्य स्तर पर 19,952.89 करोड़ रुपए के लक्ष्य में से अब तक 77.23 प्रतिशत नीलामी हो चुकी है, जबकि करीब 5,080.35 करोड़ रुपए का कार्य अभी शेष है।

एसएफएस के 20 अफसर बने आईएफएस

भोपाल । राज्य वन सेवा के 20 अधिकारियों को भारतीय वन सेवा (आईएफएस) में पदोन्नत किया है। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने पदोन्नत किए गए अधिकारियों को साल 2023-2024 की चयन सूची में शामिल किया गया है। पांच माह पहले इन पदों के लिए हुई डीपीसी के बाद केंद्र द्वारा अब इसका नोटिफिकेशन किया गया है। इसके बाद यह नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू होगी। राज्य वन सेवा के अफसरों को भारतीय वन सेवा में पदोन्नत किए जाने को लेकर चयन समिति की बैठक 9 अक्टूबर 2025 को हुई थी जिसमें इन अधिकारियों के नामों को अंतिम रूप दिया गया। इन अधिकारियों का चयन साल 2023 और 2024 की चयन सूची के आधार पर किया गया है। नोटिफिकेशन में कहा गया है कि यह चयन सुप्रीम कोर्ट एवं अन्य न्यायालयों में लंबित मामलों के अंतिम निर्णय के अधीन रहेगा। संबंधित मामलों में मध्यप्रदेश सरकार और अन्य पक्षकारों द्वारा दायर याचिकाएं विचाराधीन हैं।

इन्हें मिला है 2023 का आईएफएस कैडर

माधव सिंह मोर्या, ज्योति मुदिया, हरीश चंद बघेल, शीतल प्रसाद शाक्य, भानु प्रकाश बाथमा, राम किशन सोलंकी, रेशाम सिंह धुर्वे, सुंदरदास सोनवानी और योहन कटारा

2024 की सिलेक्शन लिस्ट में इनका चयन

विद्या भूषण मिश्रा, राजवेन्द्र मिश्रा, अनुभा त्रिवेदी, जया पांडे (त्रिपाठी), मुकेश पटेल, धीरेंद्र प्रताप सिंह, मनोज कुमार सिंह, लाल सुधाकर सिंह, शिको राही (किचोलिया), विजेंद्र खोब्रागड़े और भरत सोलंकी को भी आईएफएस में पदोन्नत किया गया है।

22 हजार प्राइवेट स्कूलों में बिना फीस के पढ़ सकेंगे बच्चे

आरटीई लॉटरी में 1.06लाख बच्चों को स्कूल मिले

भोपाल । मध्य प्रदेश में शिक्षा का अधिकार (आरटीई) अधिनियम के तहत निजी स्कूलों में प्रवेश के लिए गुरुवार को ऑनलाइन लॉटरी के जरिए 1 लाख 6 हजार बच्चों को स्कूल आवंटित कर दिए गए। यह प्रक्रिया राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा ऑनलाइन आयोजित की गई, जिसका लाइव प्रसारण भी किया गया। प्रदेश के करीब 22 हजार निजी स्कूलों में 1 लाख 22 हजार 551 सीटों के लिए कुल 1 लाख 78 हजार 714 आवेदन प्राप्त हुए थे। सत्यापन के बाद पात्र बच्चों को लॉटरी के जरिए स्कूल आवंटित किए गए।

लॉटरी के जरिए आवंटन में करीब 51 हजार बच्चों को उनकी पहली पसंद के स्कूल मिले हैं। शेष बच्चों को उपलब्ध विकल्पों के आधार पर अन्य स्कूल आवंटित

किए गए। राज्य शिक्षा केंद्र ने पूरी प्रक्रिया सिंगल क्लिक सिस्टम के माध्यम से पूरी की। आवंटन के बाद अभिभावक आरटीई पोर्टल पर जाकर स्कूल की जानकारी देख सकते हैं और आवंटन पत्र डाउनलोड कर सकते हैं।

एसएमएस के जरिए भेजी गई जानकारी

अभिभावकों को उनके पंजीकृत मोबाइल नंबर पर एसएमएस के माध्यम से भी स्कूल आवंटन की सूचना भेजी गई है, जिससे उन्हें तुरंत जानकारी मिल सके।

3 से 15 अप्रैल तक प्रवेश प्रक्रिया

जिन बच्चों को स्कूल आवंटित हुआ है, उनके अभिभावकों को 3 अप्रैल से 15 अप्रैल के बीच संबंधित स्कूल में जाकर प्रवेश प्रक्रिया पूरी करनी होगी। इस दौरान आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करना अनिवार्य रहेगा। स्कूल स्तर पर एडमिशन के दौरान मोबाइल ऐप के जरिए छात्र की उपस्थिति दर्ज की जाएगी। फोटो और ओटीपी वेरिफिकेशन के माध्यम से प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

स्कूल ने मना किया तो होगी कार्रवाई

यदि कोई निजी स्कूल प्रवेश देने से इनकार करता है, तो अभिभावक जिला परियोजना समन्वयक या बीआरसी कार्यालय में शिकायत कर सकते हैं। ऐसे मामलों में तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

दूसरे चरण में फिर मिलेगा मौका

जिन बच्चों को पहले चरण में सीट नहीं मिली, वे 15 अप्रैल के बाद दोबारा विकल्प भर सकेंगे। रिक्त सीटों पर दूसरे चरण में फिर से लॉटरी प्रक्रिया आयोजित की जाएगी।

पश्चिम बंगाल में जमकर गरजे सीएम डॉ. मोहन यादव, बोले

ममता अब दीदी नहीं, अप्पी हो गई हैं

भोपाल। मुख्यमंत्री मोहन यादव गुरुवार को पश्चिम बंगाल के बांकुरा जिले में भाजपा के लिए वोट मांगा। उन्होंने कहा कि बांकुरा में आज हमारे सभी प्रत्याशियों का नामांकन भरने का मौका है। यह धरती सुभाष चंद्र बोस, स्वामी विवेकानंद, गुरुदेव रवींद्र नाथ टैगोर, सुप्रसिद्ध मूर्तिकार राम किंकर की धरती। आज चुनाव का शंखनाद हो रहा है। ममता दीदी के राज में सब परेशान हैं। उन्होंने कहा कि ममता अब दीदी नहीं है, ये अप्पी हो गई हैं। ये बात पूरे देश में सुनाई दे रही है।

यह चुनाव नहीं धर्म युद्ध है

मुख्यमंत्री ने कहा कि ममता दीदी बंगाली मानुष के अधिकारों को बांग्लादेश को देने पर तुली हुई हैं। इसलिए यह चुनाव नहीं धर्म युद्ध है। इस माहौल में श्री राम का मंत्र हम सभी को ताकत दे रहा है। आज हमारे बंगाल में यहां का युवा-महिला-गरीब-किसान, सभी लोग बदलाव के लिए खड़े हो गए हैं। सब अपनी आन-बान-शान के लिए लड़ रहे हैं। आज दुनिया की कोई ताकत भाजपा को बंगाल में सत्ता हासिल करने से रोक नहीं सकती।

घुसपैठिए हमारे अधिकारों पर कब्जा कर रहे

बांकुरा जिले में 15 साल से सत्ता पर कायम ममता दीदी के राज में लोग पलायन कर रहे हैं। कोई ओडीशा जा रहा है, कोई महाराष्ट्र जा रहा है, कोई झारखंड जा रहा है। वर्तमान में बंगाल का युवा कंगाल हो रहा है और बांग्लादेशी मालामाल हो रहा है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश से घुसपैठिए आ रहे हैं और हमारे अधिकारों पर कब्जा कर रहे हैं। बांग्लादेश के लोगों के लिए बंगाल में कोई जगह नहीं है।

ममता सरकार के गिनाए घोटाले

सीएम ने ममता सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोप भी लगाए। उन्होंने शिक्षक भर्ती, मनरेगा और प्रधानमंत्री आवास योजना में घोटालों का उल्लेख करते हुए कहा कि अब हिसाब चुकता करने का समय आ गया है। मीडिया से चर्चा में उन्होंने कहा कि बंगाल में भाजपा के पक्ष में माहौल है और कार्यकर्ताओं में उत्साह दिखाई दे रहा है। उन्होंने विश्वास जताया कि राज्य में भाजपा की सरकार बनेगी। सभा के अंत में मुख्यमंत्री ने कार्यकर्ताओं से घर-घर जाकर प्रचार करने और हर वोट भाजपा के पक्ष में सुनिश्चित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जब तक एक-एक वोट नहीं पड़ जाता, तब तक चैन से नहीं बैठना है।

आज होगा सीएसके और पंजाब में मुकाबला

चेन्नई । चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की टीम शुक्रवार को आईपीएल के अपने इस सत्र के दूसरे मैच में पंजाब किंग्स के खिलाफ उतरेगी। सीएसके की टीम को इस सत्र में अपने पहले ही मैच में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में उसका लक्ष्य इस मैच को जीतकर लय हासिल करना रहेगा। उसे इस मैच में घरेलू मैदान का भी लाभ मिलने की उम्मीद है। टीम के अनुभवी खिलाड़ी और पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी के इस मैच में भी खेलने को लेकर संशय बना हुआ है हालांकि उन्होंने अभ्यास शुरू कर दिया है। सीएसके की पहले मैच में शुरुआत निराशाजनक रही थी। उसके बल्लेबाज रन नहीं बना पाये थे। ऐसे में कप्तान रुतुराज गायकवाड़ सहित सभी बल्लेबाजों को रन बनाने होंगे।

सीएसके का लक्ष्य पहले मैच में मिली हार से सबक लेते हुए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना रहेगा। इस मैच में बल्लेबाज संजू सैमसन भी बड़ी पारी खेलकर सीएसके प्रबंधन के सामने अपने को साबित करना चाहेंगे। सीएसके ने इस सत्र में ट्रेड डील के जरिये उन्हें राजस्थान रॉयल्स से खरीदा है पर वह

अपने पहले मैच में प्रभावित नहीं कर पाये। इसलिए इस मैच में वह बड़ी पारी खेलकर हिसाब बराबर करना चाहेंगे। वहीं इस मैच में भी उभरते हुए बल्लेबाज डेवाल्ड ब्रेविस का खेलना संदिग्ध है। ब्रेविस मांसपेशियों के खिंचाव से उबर रहे हैं। पहले मैच में इंपैक्ट प्लेयर के तौर पर उतरे सरफराज खान को भी इस मैच में अवसर मिल सकता है। युवा कार्तिक शर्मा से इस मैच में भी टीम को अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी।

वहीं पहले मैच में विफल रहे टीम के मुख्य गेंदबाज मैट हेनरी और नूर अहमद इस मैच में बेहतर प्रदर्शन करना चाहेंगे।

दूसरी ओर श्रेयस अय्यर की कप्तानी में उतरी पंजाब किंग्स ने पहले ही मैच में गुजरात टाइटंस को हराया था जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं। गुजरात के खिलाफ कूपर कॉनॉली ने तीसरे नंबर बेहतरीन बल्लेबाजी की थी जिससे भी टीम को लाभ हुआ था। अब कॉनॉली इस मैच में भी अधिक से अधिक रन बनाना चाहेंगे। पहले मैच में असफल रहे प्रभसिमरन सिंह, प्रियांश आर्य और शशांक सिंह जैसे बल्लेबाज भी इस मैच में बड़ी पारी खेलना चाहेंगे।

टीम की गेंदबाजी भी मजबूत है उसके पास स्पिनर युजवेंद्र चहल के अलावा तेज गेंदबाजों के तौर लॉकी फर्ग्यूसन, अर्शदीप सिंह और हरप्रीत बराड़ जैसे तेज गेंदबाज हैं।

दोनो ही टीमों के बीच अब तक आंकड़ों पर गौर करें तो अब तक इनके बीच 32 मैच हुए हैं जिसमें से 17 सीएसके जबकि 15 पंजाब ने जीते हैं

ऐसे में इस बार भी रोमांचक मुकाबले के आसार हैं।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं :-

पंजाब किंग्स - श्रेयस अय्यर (कप्तान), प्रियांश आर्य, हरनूर सिंह, मिचेल ओवेन, विष्णु विनोद, नेहल वढेरा, अजमतुल्लाह उमरजई, मार्को यानसन, मार्कस स्टोइनिस, अर्शदीप सिंह, जेवियर बार्टलेट, युजवेंद्र चहल, लॉकी फर्ग्यूसन, हरप्रीत बराड़, विजयकुमार वैशाक, यश ठाकुर, कूपर कोनोली, बेन द्वारशुइस, मुशीर खान, प्रवीण दुबे, विशाल निशाद, सूर्यांश शेडगे, प्रभसिमरन सिंह, पाइला अविनाश, शशांक सिंह।

चेन्नई सुपर किंग्स - रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), डेवाल्ड ब्रेविस, एमएस धोनी, उर्विल पटेल, संजू सैमसन, शिवम दुबे, रामकृष्ण घोष, श्रेयस गोपाल, जेमी ओवरटन, खलील अहमद, अंशुल कंबोज, गुरजापनीत सिंह, मुकेश चौधरी, नूर अहमद, अकील होसेन, प्रशांत वीर, मैथ्यू शॉर्ट, अमन खान, मैट हेनरी, राहुल चाहर, जकारी फॉल्क्स, स्पेंसर जॉनसन, कार्तिक शर्मा, सरफराज खान, आयुष म्हात्रे।

दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेटर राशी वांडर डुसैन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा

जोहांसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के अनुभवी बल्लेबाज राशी वांडर डुसैन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। डुसैन ने सोशल मीडिया के जरिए अपने संन्यास की घोषणा की है पर कहा कि वह घरेलू क्रिकेट खेलते रहेंगे। 35 वर्षीय इस क्रिकेटर ने कहा कि अपने करियर को लेकर वह संतुष्ट हैं। इसके साथ ही उन्होंने प्रशंसकों सहित क्रिकेट बोर्ड और प्रबंधन के सहयोग के प्रति आभार जताया है। साथ ही कहा कि दक्षिण अफ्रीकी जर्सी पहनना मेरे जीवन का सबसे बड़ा सम्मान रहा है।अपने बयान में डुसैन ने कहा, मैं गर्व और कृतज्ञता के साथ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा करता हूं। अपने देश के लिए खेलना मेरे लिए जीवन का सबसे बड़ा सम्मान रहा है। इस सफर में हालांकि मुझे काफी त्याग करना पड़ा पर इसका हर पल बेहद अहम रहा है। उन्होंने क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका के साथ ही कोचिंग स्टाफ और प्रशंसकों के प्रति आभार जताया।

इस क्रिकेटर का एकदिवसीय करियर शानदार रहा है। उसने 71 मैचों में 2657 रन बनाए, उसका औसत 50 से अधिक रहा है। वह दक्षिण अफ्रीका के लिए सीमित ओवरों में ए बी डीविलियर्स के बाद सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों में शामिल रहे हैं। इस बल्लेबाज ने अपने करियर में 6 शतक और 17 अर्धशतक भी लगाए हैं।डुसैन ने 29 साल की उम्र में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू किया था। उन्होंने जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 मैच से अपने करियर की शुरुआत की और अपने अच्छे प्रदर्शन से टीम में जगह बनायी। टेस्ट क्रिकेट में उन्होंने 18 मैच खेले हैं। इस क्रिकेटर ने हर समय साथ निभाने के लिए परिवार और पत्नी लारा को याद किया। साथ ही कहा कि वह संन्यास के बाद भी खेल से जुड़े रहते हुए युवा खिलाड़ियों को मेंटर के तौर पर अपनी सेवाएं देंगे।

हार के बाद ऋषभ पर भड़के संजीव गोयनका, प्रशंसकों को याद आया के एल राहुल वाला मामला

लखनऊ । लखनऊ सुपर जाएंट्स की टीम को आईपीएल के 19 सत्र में पहले ही मैच में करारी हार का सामना करना पड़ा है। दिल्ली कैपिटल्स से मिली 6 विकेट की हार के बाद सुपर जाएंट्स के मालिक संजीव गोयनका कप्तान ऋषभ पंत पर भड़क गये। जिससे एक बार फिर 2024 आईपीएल की यादें ताजा हो गयीं जब गोयनका उस समय कप्तान रहे के एल राहुल पर भड़क गये थे। इस बार दिल्ली के खिलाफ हुए मुकाबले में लखनऊ की बल्लेबाज बेबस नजर आयी और पूरी टीम 141 रन ही बना पायी। टीम अपने 20 ओवर भी नहीं खेल पायी। सुपर जाएंट्स की इस हार के बाद का एक वीडियो सोशल मीडिया में आया है। इसमें टीम मालिक संजीव गोयनका ऋषभ और टीम के सहयोगी स्टार के साथ मैदान में बातें करते दिखे। वह क्या बात कर रहे हैं यह तो पता नहीं चलता है पर प्रशंसकों का मानना है कि वह अपनी भड़ास निकला रहे थे।

आईपीएल 2024 के दौरान भी गोयनका का इसी प्रकार राहुल के साथ बहस करने का एक वीडियो भी आया था। उस वीडियो में गोयनका सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 10 विकेट से मिली हार

के बाद राहुल पर भड़कते हुए दिखे थे। राहुल ने हालांकि कभी इस मामले पर कोई बयान नहीं दिया पर उस सत्र के बाद उन्होंने टीम छोड़ दी थी। वहीं उसके बाद कप्तानी संभालने वाले ऋषभ के साथ भी इसी तरह का व्यवहार करने से संजीव गोयनका पर कई सवाल भी उठ रहे हैं।

वहीं एक प्रशंसक ने सोशल मीडिया में लिखा, 'पहले राहुल थे, अब ऋषभ हैं। जीतना और हारना खेल का हिस्सा है पर इस प्रकार सबके सामने किसी का अपमान करना सही नहीं है। साथ ही कहा कि अगर गोयनका को कोई चिंता है, तो वह ड्रेसिंग रूम में होनी चाहिए, राहुल और ऋषभ जैसे अनुभवी खिलाड़ियों को मीडिया के सामने लेक्चर देना जुनून कम और बॉस जैसा ज्यादा लगता है जो यह दिखाने की कोशिश कर रहा है कि प्रभारी कौन है। उन खिलाड़ियों का सम्मान करें जो अपना सब कुछ देते हैं।'

वहीं एक प्रशंसक ने लिखा, 'हार के बाद गोयनका ऋषभ पंत और कोचिंग स्टाफ से बात कर रहे हैं। गोयनका को राहुल के साथ दिखाया गया व्यवहार पसंद नहीं आया था, आज का मैच हारने के बाद उन्होंने फिर से ऋषभ के साथ वैसा ही व्यवहार किया है। साथ ही लिखा कि ऐसे घमंडी मालिकों को लीग से बाहर कर दिया जाना चाहिये जिन्हें खिलाड़ियों से किस प्रकार बात करनी है ये भी पता नहीं है।'

वैभव को अभी शामिल करने की जल्दी न करें - अश्विन

चेन्नई। उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने जिस प्रकार आईपीएल के अपने पहले ही मैच में आक्रामक पारी खेली है। उसके बाद से ही कई दिग्गजों ने उसे राष्ट्रीय टीम में शामिल करने की मांग की है। वैभव ने पहले ही मैच में 15 गेंदों में अर्धशतक लगा दिया था। वहीं पिछले सत्र में

वैभव ने 35 गेंद में शतक लगाकर अपनी पहचान बनायी थी। उसके बाद से ही वह नये नये रिकार्ड बनाते जा रहे है। इसके बाद भी अनुभवी स्पिनर रविचंद्रन अश्विन का मानना है कि वैभव अभी बच्चा है और उसे इतनी जल्दी राष्ट्रीय टीम में लाने की कोई जरुरत नहीं है, इससे उसपर बेवजह दबाव ही पड़ेगा। अश्विन ने कहा कि वैभव को शामिल करने में जल्दबाजी की जरुरत नहीं है हालांकिवैभव को शामिल करने की मांग देश ही नहीं विदेश के दिग्गज पूर्व क्रिकेटरों की तरफ से भी आई है। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन के अनुसार वैभव अब अगले चरण के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने कहा कि अगर उनके हाथ में होता तो वह सूर्यवंशी को इस साल इंग्लैंड का दौरा करने जाने वाली भारतीय टीम में जरूर रखते। भले ही उन्हें हर मैच नहीं खिलाते लेकिन टूर पर जरूर ले जाते। कुछ मैच खिलाते। इसी तरह महान लेग स्पिनर अनिल कुंबले और पूर्व सलामी बल्लेबाज नवजोत सिंह सिद्धू भी इस पक्ष में हैं कि अगर वैभव सूर्यवंशी इसी तरह का प्रदर्शन जारी रखते हैं तो उन्हें भारतीय टीम में लिया जाना चाहिये। वहीं अश्विन ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने से वैभव पर दबाव बनेगा, जिसकी अभी जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा, 'उसे इस तरह का बोझ मत दीजिए। वह अभी बड़ा नहीं हुआ है। वह अभी बच्चा है। अगर एमएस धोनी 45 की उम्र तक खेल रहे हैं तो सूर्यवंशी अगर 40 तक भी खेले तो उसके पास अभी ढाई दशक का क्रिकेट बचा हुआ है। उसे अकेला छोड़ दीजिए, वह सही समय पर अपने-आप आ जाएगा।' अश्विन ने कहा कि वैभव काफी अच्छा है और वह भारत की ओर से खेलने पर अभी उसमें समय है। इसलिए सभी को इंतजार करना चाहिये।

फीफा विश्वकप के लिए तय हुई सभी 48 टीम

मेक्सिको। इसी साल जून में अमेरिका, मैक्सिको और कनाडा में संयुक्त रुप से होने वाले फीफा विश्वकप फुटबॉल के लिए सभी 48 टीमें तय हो गयी हैं। मेक्सिको के मॉन्टेरी में खेले गए इंटरकॉन्टिनेंटल प्लेऑफ के साथ ही टीमों की घोषणा हो गयी है। करीब ढाई साल तक चली क्वालीफाइंग प्रक्रिया के बाद जहां इराक और बोलिविया ने विश्वकप के लिए जगह बनायी। वहीं चार बार की विजेता रही इटली प्रवेश हासिल नहीं कर पायी। केप वर्डे, कुराकाओ, जॉर्डन और उज्बेकिस्तान की टीम पहली बार विश्व कप में खेलेगी।

इंटरकॉन्टिनेंटल प्लेऑफ में बोलीविया को 2-1 से हराकर इराक की टीम प्रवेश हासिल करने वाली 48 वहीं टीम बनी। वहीं पूर्व चैम्पियन इटली को बोस्निया और हर्जेगोविना ने पेनल्टी शूटआउट में हराकर बाहर कर दिया।

यूरोपीय प्लेऑफ के जरिए स्वीडन ने पोलैंड को 3-2 से जबकि तुर्की ने कोसोवो को 1-0 से पराजित किया। चेक गणराज्य ने डेनमार्क को पेनल्टी शूटआउट में हराया।

विश्वकप के लिए शामिल 48

टीमों को 4-4 के 12 ग्रुपों में बांटा गया है।

हर ग्रुप की शीर्ष दो टीमों के साथ ही तीसरे स्थान पर रहने वाली आठ सर्वश्रेष्ठ टीमें राउंड ऑफ 32 में पहुंचेंगी। अभी तक ग्रुप राउंड के बाद सीधे राउंड ऑफ 16 होता था। अब विजेता बनने वाली टीम को पिछले विश्व कप के मुकाबले एक ज्यादा 8 मैच खेलना होगा। कुल 104 मैच इस विश्व कप में खेले जाएंगे।

ग्रुप ए- मेक्सिको, चेक गणराज्य, दक्षिण अफ्रीका, दक्षिण कोरिया।

ग्रुप बी- कनाडा, बोस्निया और हर्जेगोविना, कतर, स्विट्जरलैंड।

ग्रुप सी- ब्राजील, हैती, मोरक्को, स्कॉटलैंड।

ग्रुप डी- संयुक्त राज्य अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, पैराग्वे, तुर्की।

ग्रुप ई- कुराकाओ, इक्वाडोर, जर्मनी, आइवरी कोस्ट।

ग्रुप एफ- नीदरलैंड, जापान, स्वीडन, ट्यूनीशिया।

ग्रुप जी- बेल्जियम, मिस्र, ईरान, न्यूजीलैंड।

ग्रुप एच- केप वर्डे, सऊदी अरब, स्पेन, उरुग्वे।

ग्रुप आई- फ्रांस, नॉर्वे, सेनेगल, ईराक।

ग्रुप जे- अल्जीरिया, अर्जेंटीना, ऑस्ट्रिया, जॉर्डन।

ग्रुप के- कोलंबिया, जमैका, पुर्तगाल, उज्बेकिस्तान।

ग्रुप एल- क्रोएशिया, इंग्लैंड, घाना, पनामा।

फीफा ने विश्वकप फाइनल के लिए टिकटों की कीमतें बढ़ायीं

म्यूरिख । विश्व फुटबॉल की शीर्ष संस्था (फीफा) ने 11 जून से अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में होने वाले विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट के फाइनल के लिए सभी श्रेणी के टिकटों की कीमतें काफी बढ़ा दी हैं। अब खिताबी मुकाबला देखने के लिए दर्शकों को 10,990 अमेरिकी डॉलर में टिकट खरीदना होगा, भारतीय रुपये में ये रकम करीब 10 लाख 23 हजार है। वहीं इससे पहले दिसंबर में टूर्नामेंट के ड्रॉ के बाद श्रेणी एक के टिकट की कीमत 8,680 डॉलर ही थी। इस प्रकार कीमतों करीब दो हजार डॉलर तक बढ़ायी गयी है।

इस प्रकार देखा जाये तो फाइनल की टिकटों की कीमतें अन्य मैचों से काफी अधिक बढ़ा दी गयी हैं। इस कारण मांग अधिक होना बताय जा रहा है। अब न्यू जर्सी में 19 जुलाई को होने वाले फाइनल मैच के लिए फीफा के श्रेणी दो के टिकटों की कीमत 7,380 डॉलर कर दी गई है, जो पहले 5,575 डॉलर थी। वहीं इसी तरह से श्रेणी तीन के टिकटों की कीमत 5,785 डॉलर कर दी गई है जो पहले की कीमत से 4,185 डॉलर अधिक है। वहीं बुधवार रात तक रुपए चरण के 72 मैचों में से 17 मैचों के टिकट बिक्री के लिए उपलब्ध थे, जबकि नॉकआउट चरण के किसी भी मैच के टिकट बिक्री के लिए अभी उपलब्ध नहीं हैं। वहीं टिकट की कीमतें बढ़ाये जाने का विरोध भी हो रहा है। आलोचकों का मानना है कि कमतें इतना ज्यादा बढ़ाना ठीक नहीं है।

दिल्ली कैपिटल्स अंक तालिका में तीसरे नंबर पर पहुंची

लखनऊ । दिल्ली कैपिटल्स की टीम आईपीएल 2026 के अपने पहले मुकाबले में लखनऊ सुपर जाएंट्स के खिलाफ 6 विकेट से मिली जीत के साथ ही आईपीएल अंकतालिका में शीर्ष पांच टीमों में पहुंच गयी है। सुपर जाएंट्स से हुए इस मैच में दिल्ली को जीत के लिए केवल 142 रनों का लक्ष्य मिला था जो उसने रमीर रिजवी के अर्धशतक से 17.1 वें ओवर में ही प्राप्त कर लिया। करीब तीन ओवर पहले मिली इस जीत से दिल्ली 2 अंक लेकर तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गयी है।

दिल्ली कैपिटल्स की जीत से मुंबई इंडियंस और पंजाब किंग्स रैंकिंग में पिछड़ी है। श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाली पंजाब शीर्ष 4 से बाहर हो गई है। वहीं मुंबई इंडियंस चौथे स्थान पर फिसल गयी है। दिल्ली का नेट रन रेट मुंबई और पंजाब से अच्छा है। दिल्ली का नेट रन रेट प्लस 1.397 का रहा है, जबकि मुंबई और पंजाब का का प्लस 0.687 और प्लस 0.509 का है। वहीं शीर्ष-2 में इस समय राजस्थान रॉयल्स 4.171 और रॉयल्स चैलेंजर्स बेंगलुरु 2.907 है।

आईपीएल 2026 अंक तालिका

टीम	मैच	जीत	हार	नो रिजल्ट	पॉइंट्स	नेट रन रेट
राजस्थान रॉयल्स	1	1	0	0	2	4.171
चैलेंजर्स बेंगलुरु	1	1	0	0	2	2.907
दिल्ली कैपिटल्स	1	1	0	0	2	1.397
मुंबई इंडियंस	1	1	0	0	2	0.687
पंजाब किंग्स	1	1	0	0	2	0.509
गुजरात टाइटंस	1	0	1	0	0	-0.509
कोलकाता 1	0	1	0	0	-0.687	
लखनऊ सुपर जाएंट्स	1	0	1	0	0	-1.397
सनराइजर्स हैदराबाद	1	0	1	0	0	-2.907
सनराइजर्स हैदराबाद	1	0	1	0	0	-4.171

गुजरात टाइटंस को काफी सुधार की जरुरत - चोपड़ा

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने कहा है कि गुजरात टाइटन्स को इस सत्र में अगर अच्छा प्रदर्शन करना है तो उसके कप्तान शुभमन गिल, जोस बटलर और साई सुदर्शन सहित शीर्ष क्रम को अधिक से अधिक रन बनाने होंगे। चोपड़ा के अनुसार गुजरात की कमजोरी ये है कि वह वह अपनी शीर्ष बल्लेबाजों पर ही निर्भर है और जब ये असफल होते हैं तो वह ढह जाती है। चोपड़ा के अनुसार पंजाब किंग्स के खिलाफ मुकाबले में भी ये बात साबित हुई है। इस मैच में दिखा है कि टीम के कुछ खिलाड़ियों के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी भी है। चोपड़ा ने कहा, जीत के लिए टाइटन्स के लिए शीर्ष तीन बल्लेबाजों को अधिक से अधिक रन बनाकर टीम को बड़े स्कोर तक पहुंचना होगा। वहीं लक्ष्य का पीछा करते हुए भी इन्हें अधिक से अधिक ओवर खेलने होंगे। इसका कारण है कि टीम में मध्य और निचले क्रम ने अभी तक अपने को साबित नहीं किया है।

चहल ने कॉनली की जमकर प्रशंसा की, आईपीएल की खोज साबित होंगे

मुम्बई । अनुभवी स्पिनर युजवेंद्र चहल ने अपनी टीम पंजाब किंग्स की ओर से खेल रहे ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज कूपर कॉनली की जमकर प्रशंसा की है। कॉनली ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ पहले ही मैच में तेजी से अर्धशतक लगाकर सबका ध्यान खींचा है। चहल ने कहा कि युवा बल्लेबाज कॉनली इस सत्र की खोज साबित होंगे। कॉनली ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच में नाबाद 72 रन बनाकर पंजाब किंग्स की जीत में अहम भूमिका निभाई थी।

कॉनली तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे और अंत तक नाबाद रहे। उन्होंने अपनी अर्धशतकीय पारी में 5 चौके और 5 छक्के लगाये। चहल ने इस युवा की तारीफ करते हुए कहा, 'वह अभी केवल 22 साल का है पर उसमें जीत का जुनून है। इच्छा है। नंबर तीन पर बल्लेबाजी करते हुए अपने पहले ही मैच में जिस प्रकार से मैच विजेता पारी खेली उसकी जितनी सराहना की जाये कम है। उसके खेलने के तरीके से अंदाज होता है कि वह मानसिक रूप से मजबूत है।'गुजरात के खिलाफ तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए कॉनली एक छोड़ पर टिके रहे और लगातार रन बनाते रहे। चहल ने कहा, 'वह हालात के अनुसार बल्लेबाज करना जानता है। उसे पता था कि उसे ही अंत तक पारी को ले जाना होगा। इससे उसकी परिपक्वता का अंदाजा होता है। वह हमारी टीम के लिए एक अच्छा संकेत है।' उन्होंने कहा, 'वह जिस तरह से बल्लेबाजी कर रहा है मुझे लगता है कि वह इस सत्र की सबसे बड़ी खोज में से एक होगा।'

पिछले काफी समय से भारतीय टीम से बाहर चल रहे चहल ने इस मैच में अच्छी गेंदबाजी करते हुए 28 रन देकर दो विकेट लिए।

ऋषभ बोले, हमारे बल्लेबाज साझेदारी नहीं बना सके

लखनऊ। लखनऊ सुपर जायंट्स टीम के कप्तान ऋषभ पंत ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ पहले ही मैच में मिली 6 विकेट की हार पर निराशा जतायी है। ऋषभ ने स्वीकार किया है कि उनकी टीम का स्कोर पर्याप्त नहीं था, इसलिए गेंदबाज मैच का बचाव नहीं कर पाये। ऋषभ के अनुसार उनके बल्लेबाज साझेदारी नहीं बना पाये जिससे टीम एक अच्छा स्कोर नहीं बना पायी। ऋषभ ने कहा है कि हमने अच्छी बल्लेबाजी नहीं की। उन्होंने बल्लेबाजी क्रम में आयुष बडोनी को निकोलस पूरन से पहले भेजने के सवाल पर कहा कि मुझे लगता है कि विचार बहुत सरल था।

कार्यालय नगरपालिका परिषद वारासिवनी, जिला बालाघाट (म.प्र.)

क्रमांक/792,793/लो.नि.वि./न.पा.प./2026 बालाघाट,दिनांक 23-03-2026

निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑन लाईन निविदाये आंमत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण https://.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेंडर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
01	2026_UAD_496275_1 दिनांक - 02/04/2026	Dismantle Work Of Ambedkar Mangal Bhawan Ward no 02 Waraseoni	समयावधि - 01 माह लागत - 3,08,611/-	नि.प्रपत्र मुल्य -2000/- EMD:- 3,086/-	21-04-2026
02	2026_UAD_496277_1 दिनांक - 02/04/2026	Construction Of RCC Drain From Ismail Sheikh House to Ayan Bhai House and next to Jagdish Nema House at Ward no 11 Waraseoni	समयावधि - 01 माह लागत - 6,12,521/-	नि.प्रपत्र मुल्य -2000/- EMD:- 6,125/-	21-04-2026

नोट- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन https://mptenders.gov.in की वेबसाईड पर ही किया जावेगा पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा ।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगरपालिका परिषद वारासिवनी
बालाघाट दिनांक 23-03-2026

नक्सल प्रभावित ग्रामों के विकास को लेकर अधिकारियों की अहम बैठक

बालाघाट में 100 गांवों के लिए तैयार हो रहा 300 करोड से अधिक का समग्र डेवलपमेंट प्लान

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नक्सलवाद से मुक्त हो चुके बालाघाट जिले में अब विकास की नई इबारत लिखी जा रही है। कभी नक्सल प्रभावित रहे गांवों को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए जिला प्रशासन ने ठोस पहल शुरू कर दी है। इसी क्रम में कलेक्टर मृणाल मीना की अध्यक्षता में 02 अप्रैल को संबंधित विभागों के अधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें विकास कार्यों के प्रस्तावों पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में बताया गया कि अति नक्सल प्रभावित रहे 100 ग्रामों को चिन्हित कर विभिन्न विभागों के माध्यम से समग्र विकास योजना तैयार की जा रही है, जिसमें 300 करोड से अधिक के कार्य प्रास्तावित किये जा रहे है। कलेक्टर श्री मीना ने स्पष्ट निर्देश दिए कि केवल वे ही कार्य इस डेवलपमेंट प्लान में शामिल किए जाएं, जो विभागीय योजनाओं के अंतर्गत संभव नहीं हैं, ताकि विशेष योजना के तहत इनका प्रभावी क्रियान्वयन हो सके। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ भी उपस्थित रहे। विभिन्न विभागों द्वारा शिक्षा, स्वास्थ्य, सिंचाई, सड़क, बिजली, कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य पालन, पेयजल, महिला एवं बाल विकास और खाद्यान्न वितरण से जुड़े व्यापक प्रस्ताव प्रस्तुत किए गए।

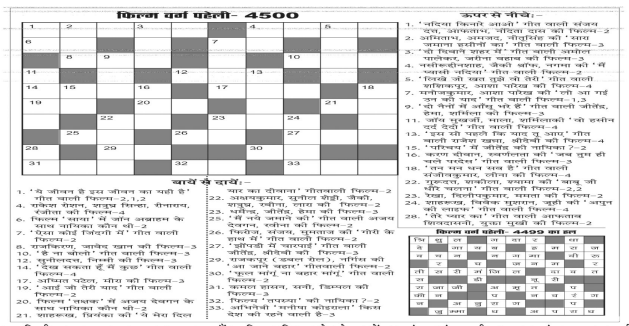

बैठक में बताया गया कि जल संसाधन विभाग द्वारा 16 ग्रामों में सिंचाई योजनाएं तैयार की गई हैं। ग्रामीण यांत्रिकी सेवा विभाग द्वारा स्टॉपडेम और चेकडेम जैसे लघु सिंचाई कार्य प्रस्तावित हैं। विद्युत विभाग ने सोलर सेंटर एवं ट्रांसफार्मर स्थापना के लिए लगभग 13.50 करोड़ रुपये के प्रस्ताव तैयार किए हैं। खाद्य एवं आपूर्ति विभाग द्वारा 37 ग्रामों में उचित मूल्य दुकान सह 50 मीट्रिक टन क्षमता के गोदाम निर्माण की योजना है। महिला एवं बाल विकास विभाग ने 3 करोड़ रुपये से अधिक लागत से नए आंगनवाड़ी भवन एवं मरम्मत कार्य प्रस्तावित किए हैं। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा हर घर तक शुद्ध पेयजल पहुंचाने की कार्ययोजना बनाई गई है।

इसके अलावा सर्व शिक्षा अभियान के तहत शाला भवन निर्माण, उद्योग एवं तकनीकी विभाग द्वारा आईटीआई भवन व छात्रावास, मत्स्य विभाग द्वारा तालाब निर्माण, पशुपालन विभाग द्वारा बड़े ग्रामों में पशुशेड निर्माण, कृषि विभाग द्वारा 1.74 करोड़ रुपये के कृषि विकास कार्य, उद्यानिकी विभाग द्वारा बड़े स्तर पर नर्सरी स्थापना, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत 189 किमी लंबाई की 41 सड़कों का निर्माण, स्वास्थ्य विभाग द्वारा स्वास्थ्य केंद्रों के सुधार, आयुष विभाग द्वारा 3.45 करोड़ रुपये के औषधालय निर्माण जैसे प्रस्ताव शामिल हैं।

उल्लेखनीय है कि बैहर, बिरसा, परसवाड़ा, लांजी, किरनापुर और बालाघाट विकासखंड के कई ग्राम पूर्व में नक्सल प्रभावित रहे हैं। अब नक्सलवाद के समाप्त होने के बाद इन क्षेत्रों में अधोसंरचना विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के अवसर बढ़ाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। कलेक्टर श्री मीना ने सभी विभागों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने प्रस्तावों को शीघ्र अंतिम रूप दें, ताकि इन्हें समय पर शासन को भेजकर स्वीकृति प्राप्त की जा सके। नक्सल से विकास की ओर बढ़ता बालाघाट अब नए बदलाव की ओर अग्रसर है, जहां सुरक्षा के साथ-साथ समृद्धि और विकास की रोशनी गांव-गांव तक पहुंचेगी।

अवैध रेत खनन पर सख्त कार्रवाई, सर्रा नदी से 4 ट्रैक्टर जब्त

पद्मेश न्यूज। लांजी। खनिज विभाग और पुलिस द्वारा अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण पर अंकुश लगाने के लिए संयुक्त अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में 2 अप्रैल की तड़के सुबह 4 बजे खनिज विभाग एवं बालाघाट पुलिस ने तहसील लांजी अंतर्गत ग्राम नंदोरा स्थित सर्रा नदी में आकस्मिक जांच अभियान चलाया। जांच के दौरान सर्रा नदी में अवैध रूप से रेत का उत्खनन करते हुए चार ट्रैक्टरों को मौके पर ही पकड़ा गया। सभी चारों वाहनों को जब्त कर थाना लांजी परिसर में सुरक्षित रखा गया है। जब्त किये गए वाहन में ट्रैक्टर क्रमांक एमपी 50 जेड ए 1898, चालक राजकुमार निवासी ग्राम घोटी, बिना नंबर का पावरट्रैक ट्रैक्टर, चालक मुकेश मात्रे निवासी ग्राम कड़ता, बिना नंबर का जॉन डियर ट्रैक्टर, चालक मोहनीश दौने निवासी ग्राम नंदोरा, बिना नंबर का पावरट्रैक ट्रैक्टर, चालक दुर्गेश नारनौरे निवासी ग्राम नंदोरा को जप्त किया। उप संचालक खनिज सुश्री फरहत जहां ने बताया कि विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम लगातार अवैध खनन गतिविधियों पर नजर रखे हुए है। ऐसे मामलों में सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। यह कार्रवाई पर्यावरण संरक्षण और सरकारी खनिज संसाधनों की सुरक्षा के लिए की गई है। खनिज विभाग ने आमजन से अपील की है कि अवैध खनन और परिवहन में किसी भी प्रकार की सहायता न करें तथा ऐसी गतिविधियों की सूचना तुरंत विभाग या पुलिस को दें।

शासकीय हाईस्कूल पीपरझरी में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया शाला प्रवेशोत्सव

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मध्यप्रदेश शासन के स्कूल शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार नए शैक्षणिक सत्र 2026-27 के शुभारंभ पर शासकीय हाईस्कूल पीपरझरी में शाला प्रवेशोत्सव कार्यक्रम उत्साहपूर्वक आयोजित किया गया। कार्यक्रम विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती सी.के. मण्डलेकर की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। राज्य स्तरीय प्रवेशोत्सव कार्यक्रम राजधानी भोपाल के सुभाष उत्कृष्ट विद्यालय, टी.टी. नगर में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में आयोजित हुआ, जिसके तहत प्रदेशभर के विद्यालयों में भी इसी प्रकार आयोजन किए गए। पीपरझरी विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में ग्राम पंचायत की सरपंच श्रीमती ममता टेम्भरे मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं, जबकि पूर्व सरपंच देबी शंकर टेम्भरे विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर अभिभावकों की भी सक्रिय सहभागिता रही। नवीन सत्र के अवसर पर कक्षा पहली में 5, कक्षा छठवीं में 10 तथा कक्षा नवमी में 11 विद्यार्थियों का प्रवेश दर्ज किया गया। नवप्रवेशित छात्रों का तिलक लगाकर एवं पुष्प वर्षा के साथ आत्मीय स्वागत किया गया, जिससे विद्यालय परिसर में उत्साह और उल्लास का माहौल देखने को मिला। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के पूजन एवं वंदना के साथ किया गया। इसके पश्चात अतिथियों द्वारा निःशुल्क पाठ्यपुस्तकों एवं कक्षा छठवीं के विद्यार्थियों को साइकिलों का वितरण किया गया। अपने संबोधन में सरपंच श्रीमती टेम्भरे ने विद्यार्थियों को नियमित लेखन अभ्यास अपनाने की प्रेरणा दी। वहीं, देबी शंकर टेम्भरे ने लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर प्रयास करने की सीख दी। प्राचार्य श्रीमती मण्डलेकर ने विद्यार्थियों को मेहनत और लगन से सफलता प्राप्त करने का संदेश दिया। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण सेल्फी प्वाइंट रहा, जिसका निर्माण विद्यालय स्टाफ के सहयोग से किया गया। साथ ही छात्रों को भोजन भी वितरित किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के समस्त शिक्षकगण एवं विद्यार्थियों का सराहनीय सहयोग रहा। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अरुण कुमार गोन्डाने द्वारा किया गया।

चांगोटोला में हजरत गौस पेशावरी रहमतुल्लाह अलैह का सालाना उर्स संपन्न

पद्मेश न्यूज। चांगोटोला। जिला मुख्यालय से करीब 47 किमी दूर ग्राम चांगोटोला दरगाह में हर साल की तरह इस साल भी सालाना उर्स मुबारक का आयोजन किया गया।जहां हजरत बाबा मोहम्मद गौस पेशावरी रहमतुल्लाह अलैह के इस सालाना उर्स में विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए गए।जहा उर्स मुबारक के इस मौके पर अकीदतमंदों ने अजीमो शान शाही संदल निकालकर बाबा के आस्ताने में अकीदत के फूल और चादर पेश कि।तो वही विशेष फातिहा का आयोजन कर अकीदतमंदों द्वारा देश मे अमन चैन शांति और आपसी भाईचारे की सामूहिक दुवाएं मांगी गई।वही अकीदतमंदों को तबरुकात तकसीम कर अन्य कार्यक्रम सम्पन्न कराए गए।वही रात्रि 9 बजे अजीमो शान कव्वाली का आयोजन किया गया।जहा कव्वाल शब्बीर सदाकत साबरी ने बाबा की शान में एक से बढ़कर एक कलाम पेश कर लोगों को मनमुग्ध कर दिया।जिसके अगले दिन कुल शरीफ की फातिहा कर इस उर्स मुबारक का समापन किया गया।

विभिन्न कार्यक्रमों के किए गए आयोजन

गुरुवार को ग्राम चांगोटोला स्थित हजरत गौस पेशावरी रहमतुल्लाह अलैह की दरगाह पर सालाना उर्स का आयोजन बड़ी ही सादगी और धार्मिक रस्मों के साथ संपन्न हुआ। इस मौके पर क्षेत्र के सैकड़ों जायरीनों ने शिरकत कर अपनी मन्नतें मांगी और अकीदत पेश कि।उर्स का शुभारंभ अलसुबह कुरान ख्वानी और दरगाह शरीफ के गुस्ल की रस्म के साथ हुआ। इसके बाद दोपहर में परचम कुशाई (ध्वजारोहण) किया गया। इस दौरान पूरा परिसर या गौस के नारों से गूंज उठा। उर्स के दौरान विशेष दुआ का आयोजन किया गया, जिसमें देश में शांति, आपसी भाईचारे और खुशहाली के लिए दुआएं मांगी गईं।

चादरपोशी और संदल की रही धूम

सालाना उर्स मुबारक के मौके पर गुरुवार दोपहर गाजे-बाजे के साथ शाही संदल जुलूस निकाला गया, जो गांव के मुख्य मार्गों से होते हुए दरगाह शरीफ पहुंचा। यहाँ अकीदतमंदों द्वारा मजार-ए-मुबारक पर फूलों की चादर पेश की गई। उर्स के दौरान जायरीनों के लिए लंगर (तबर्रुक) का भी विशेष प्रबंध रहा, जहाँ सभी वर्ग के लोगों ने मिल-जुलकर प्रसाद ग्रहण किया।

शांति और भाईचारे का प्रतीक है

बाबा का आस्ताना

उर्स कमेटी के सदस्यों ने बताया कि हजरत गौस पेशावरी रहमतुल्लाह अलैह का यह उर्स वर्षों से क्षेत्र में गंगा-जमुनी तहजीब की मिसाल पेश करता आ रहा है। यहाँ न केवल मुस्लिम समुदाय बल्कि अन्य धर्मों के लोग भी बड़ी आस्था के साथ पहुँचते हैं। देर रात तक चले इस कार्यक्रम में स्थानीय पुलिस और प्रशासन का भी सहयोग सराहनीय रहा।

हनुमान जयंती पर प्राइवेट एंबुलेंस संघ की सराहनीय पहल

जिला अस्पताल में स्वल्पाहार वितरण

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। हनुमान जयंती के पावन अवसर पर बालाघाट प्राइवेट एंबुलेंस संघ द्वारा जिला अस्पताल परिसर में स्वल्पाहार वितरण का आयोजन किया गया। इस सेवा कार्यक्रम में अस्पताल में भर्ती मरीजों, उनके परिजनों एवं उपस्थित लोगों को आलू पोहा वितरित किया गया। जिसका सभी ने आनंद लिया। कार्यक्रम के दौरान प्राइवेट एंबुलेंस संघ के सदस्यों एवं एंबुलेंस चालकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और पूरे उत्साह के साथ सेवा कार्य को सफल बनाया। उपस्थित लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए संघ के इस प्रयास को मानवता के प्रति एक उत्कृष्ट उदाहरण बताया। ज्ञात हो कि प्राइवेट एंबुलेंस संघ द्वारा समय-समय पर जिला अस्पताल में मरीजों की सेवा की जाती रही है। इसी क्रम में हर वर्ष हनुमान जयंती के अवसर पर स्वल्पाहार वितरण का आयोजन किया जाता है। इस वर्ष भी परंपरा का निर्वहन करते हुए संघ के सदस्यों ने आलू पोहा वितरित कर सेवा भावना का परिचय दिया।

ग्राम लोहारा में श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया गया हनुमान जन्मोत्सव

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। 2 अप्रैल को हनुमान जी के जन्मोत्सव पर जिला मुख्यालय सहित ग्रामीण अंचलों में भी भक्ति और उत्साह का माहौल देखने को मिला। इसी क्रम में जिला मुख्यालय से लगे ग्राम लोहारा लिंगा में भी हनुमान जन्मोत्सव धूमधाम और धार्मिक आस्था के साथ मनाया गया। गांव के प्राचीन हनुमान मंदिर में दिनभर विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणों और श्रद्धालुओं ने भाग लिया। ग्राम के अजय, दीनदयाल एवं शिवलाल पटले ने बताया कि यह मंदिर वर्षों पुराना है और गांव के लोग बचपन से यहां पूजा-अर्चना करते आ रहे हैं। उन्होंने बताया कि गांव में एक भव्य हनुमान मंदिर के निर्माण के लिए कई बार प्रयास किए गए, लेकिन अब तक यह सपना साकार नहीं हो सका है। इसके बावजूद ग्रामीणों की आस्था और श्रद्धा में कोई कमी नहीं आई है और समय-समय पर मंदिर में धार्मिक आयोजनों का सिलसिला लगातार जारी है। हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर मंदिर परिसर में भजन-कीर्तन एवं मंडली का आयोजन किया गया, जिसमें स्थानीय कलाकारों ने भक्तिमय प्रस्तुतियां दीं। पूरे वातावरण में भक्ति रस की धारा बहती रही और श्रद्धालु भजन संकीर्तन में झूमते नजर आए। इस दौरान श्रद्धालुओं द्वारा सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा एवं सुंदरकांड पाठ किया गया। पूजा-अर्चना के साथ प्रसाद वितरण भी किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया। ग्राम लोहारा में आयोजित यह कार्यक्रम ग्रामीणों की आस्था, एकता और धार्मिक परंपराओं का प्रतीक बनकर सामने आया, जहां पूरे दिन भक्तिमय माहौल बना रहा।

ओजस्वी ठाकरे का नवोदय विद्यालय में चयन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। सेंट मेरी स्कूल भटेरा बालाघाट की प्रतिभाशाली छात्रा ओजस्वी ठाकरे का कड़ी मेहनत और लगन के बल पर नवोदय विद्यालय में चयन हुआ है। छात्रा ओजस्वी ने नियमित अध्ययन और अनुशासित दिनचर्या के माध्यम से यह उपलब्धि हासिल की है। छात्रा ओजस्वी ने सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा में भी सफलता हासिल की है। ओजस्वी ने वैभव एकेडमी द्वारा आयोजित परीक्षा में प्रथम स्थान हासिल किया है, जिस पर संस्थान द्वारा उसे 06 हजार रुपए का ईनाम एवं शील्ड प्रदान की गई है। ओजस्वी की इस सफलता में विद्यालय के शिक्षकों का विशेष योगदान रहा, जिन्होंने छात्र को निरंतर मार्गदर्शन प्रदान किया। वहीं, छात्र के परिवार विशेषकर पिता श्रम निरीक्षक राकेश ठाकरे एवं माता शिक्षिका श्रीमती ज्योति ठाकरे का सहयोग भी सराहनीय रहा है।

वीर सपूतों के सम्मान में बिरसा अंचल में ऐतिहासिक देशभक्ति रैली

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बिरसा अंचल में मुंडघुसरी के सेवानिवृत्त सैनिक प्रेमलाल चौहान और चीजगांव के पूर्व सीआरपीएफ जवान अश्वनी कुमार साहू के सम्मान में भव्य देशभक्ति रैली निकाली गई, जिसमें हजारों लोगों ने भाग लेकर अपने वीरों के प्रति सम्मान प्रकट किया। रैली बिरसा स्थित दुर्गा मंदिर प्रांगण से प्रारंभ होकर सलघट, मानेगांव होते हुए चीजगांव पहुंची। पूरे मार्ग में भारत माता की जय और वंदे मातरम के नारों से वातावरण गूंजता रहा। विभिन्न स्थानों पर ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक रैली का स्वागत किया। रैली के दौरान जगह-जगह फूलों की वर्षा, गुलाल, ढोल-नगाड़ों और देशभक्ति गीतों के साथ वीर सपूतों का अभिनंदन किया गया। स्कूलों के छात्र-छात्राओं, शिक्षकों और महिलाओं ने आरती उतारकर उनका सम्मान किया, जिससे पूरे क्षेत्र में देशभक्ति का माहौल बना रहा। चीजगांव पहुंचने पर रैली में शामिल लोगों ने वीर शहीद स्व. केशव प्रसाद राहंगडाले की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान उपस्थित लोगों ने भावुक होकर शहीद को नमन किया और उनके बलिदान को याद किया। करीब 20 किलोमीटर लंबी इस रैली में सौक?ों लोगों की सहभागिता रही। बाइक और कारों की 3 किलोमीटर से अधिक लंबी कतार इस आयोजन का प्रमुख आकर्षण रही। पुलिस प्रशासन की मौजूदगी में रैली शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुई। कार्यक्रम का नेतृत्व सेवानिवृत्त सूबेदार तोमेश्वर राहंगडाले ने किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि सच्चा सैनिक केवल सीमा पर ही नहीं, बल्कि हर नागरिक होता है, जो अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से पालन करता है। यह रैली केवल सम्मान का कार्यक्रम नहीं, बल्कि राष्ट्रप्रेम और सामाजिक जागरूकता का संदेश देने वाला आयोजन रही, जिसने युवाओं में देशसेवा का जज्बा जगाने के साथ समाज में एकता और जिम्मेदारी की भावना को मजबूत किया।

मौसम में फिर आया बदलाव, देररात हुई हल्की बारिश

मौसम हुआ सुहाना,गर्मी से मिली राहत, धान को फायदा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मार्च माह के अंत और अप्रैल की शुरुआत से ही लगातार मौसम में बदलाव देखने को मिल रहा है। जहां अचानक मौसम में बदलाव के चलते तापमान में गिरावट देखी जा रही है तो वही बीच में कहीं-कहीं हल्की बूंदाबांदी तो कहीं हल्की से मध्य के बीच बारिश देखने को मिल रही है।मौसम में आए अचानक बदलाव के बीच बीती रात करीब 2 घंटे तक रूक-रूककर बारिश हुई। मौसम में बदलाव और बारिश से मौसम में बढ़ रही तपिश से लोगों को राहत मिली है। बालाघाट में बारिश से, खेतो में लगी रबी की धान को फायदा है। हालांकि कुछ जगह, खेतो में काटकर पड़े गेहू की फसल के भींग जाने से नुकसान की बात कही जा रही है, लेकिन वह आंशिक है, दरअसल, हालिया दिनो में बदलते मौसम के कारण, किसानों ने पहले ही गेंहू की फसल को काटकर सुरक्षित कर लिया था। फिलहाल, प्रदेश सहित मौसम परिवर्तन का असर बालाघाट में भी देखा गया और रात हुई बारिश से लोगों को पड़ रही गर्मी से राहत मिली।

गरज चमक के साथ बरसे बदरा

मौसम में अचानक बदलाव के बीच बुधवार की शाम नीले आसमान को काले बादलों ने घेरना शुरू कर दिया और आद्रता भारी ठंड हवाएं चलने लगी। इसी बीच रात्रि 9 बजे के बाद से मौसम में बदलाव के साथ हल्की बारिश शुरू हो गई, जो रात्रि करीब 11 बजे तक रुक-रुक कर देखने को मिली।जहा तेज हवाओं के साथ आकाशीय गर्जना हुई।वही बिजली की चमक भी देखने को मिली। इसके अगले दिन गुरुवार को सुबह से ही मौसम ढका रहा, हालांकि दोपहर के बाद तापमान में हल्की वृद्धि हुई, लेकिन शाम 3 बजे के बाद मौसम ने एक बार फिर करवट ली और मौसम फिर से सुहाना हो गया।

5 दिन बाद तापमान में आएगा फिर से उछाल

उधर मौसम में आए बदलाव के बीच मौसम विभाग ने गुरुवार को नगर का अधिकतम तापमान 36 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया, तो वही न्यूनतम तापमान 23 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहा। मौसम विभाग द्वारा आगामी 5 दिनों तक मौसम के कुछ इसी तरह बने रहने के संकेत दिए गए हैं।जिसके बाद से एक बार फिर से तापमान में उछाल आने की संभावना जताई गई है।

रबी फसलों के लिए अमृत के समान है बारिश- मालवीय

दुरभाष पर की गई चर्चा के दौरान कृषि विभाग के उपसंचालक फूलसिंह मालवीय ने बताया कि नैचुरल बारिश से रबी में खेतो की लगी धान की फसल के लिए यह पानी अमृत बनकर बरसा है, चूंकि रबी में लगने वाली गेंहू, चना और अलसी की फसल, किसानों ने काट ली है, जिससे इन्हें कोई नुकसान नहीं पहुंचा है, हल्की बारिश में यदि कहीं खलिहान में रखा गेंहू भींगा भी होगा तो वह सूख जाएगा। फसल के खराब या नुकसान होने जैसी कोई जानकारी जिले में नही है।

ऐसी बारिश होती रहेगी-अगासे

वही मौसम में आए अचानक बदलाव को लेकर दूरभाष पर की गई चर्चा के दौरान मौसम वैज्ञानिक डॉ. धर्मेन्द्र अगासे ने बताया कि ऐसा मौसम, तीन-चार दिन रहेगा और पूरी गर्मी में वातावरण के ज्यादा गर्म होने से ऐसी बारिश होती रहेगी।

संकटमोचन हनुमान मंदिर में हर्षोल्लास से मनाया गया श्री हनुमान जन्मोत्सव

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। स्थानीय संकट मोचन हनुमान मंदिर पुराने बाड़े में श्री हनुमान जन्मोत्सव का पर्व अत्यंत श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। नगरवासियों एवं कल्याणी महिला मंडल किरनापुर से नलिनी शुक्ल द्वारा हिंदू वैदिक धर्मानुसार पूजन अर्चन किया गया।इस दौरान शकंट मोचन मंदिर परिसर जय श्री राम और जय हनुमान के जयकारों से गूंज उठा।जन्मोत्सव के अवसर भगवान हनुमान का विधि-विधान से अभिषेक कर सिंदूर अर्पण और विशेष श्रृंगार किया गया। भक्तों द्वारा सामूहिक रूप से सुंदर काण्ड और हनुमान चालीसा का वाचन किया गया? जिससे वातावरण भक्तिमय हो गया।शाम को विशेष आरती आयोजित की गई, श्रद्धालुओं ने भाग लिया। भगवान को चूरमा और लड्डू का विशेष भोग लगाया गया।पूजा-अर्चन किया गया भक्तों की उम?ी भी? नगर सहित आसपास के ग्रामीण श्रद्धालु अपनी मनोकामनाएं लेकर संकट मोचन दरबार पहुँचे। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी जन्मोत्सव को लेकर भक्तों में उत्साह रहा दर्शन-पूजन का सिलसिला चलता रहा। कार्यक्रम के अंत मे महाप्रसादी के रूप मे भंडारे का आयोजन किया गया।

पद्मेश न्यूज़
शहर | समाज | गांव

/padmeshmedia /padmeshmedia
epaper.balaghatexpress.in
E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

मकान निर्माण की रंजिश में तिरपाल में लगाई आग

आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज

पद्मेश न्यूज. बालाघाट। बिरसा थाना क्षेत्र के ग्राम मरारी टोला में मकान निर्माण को लेकर चल रही रंजिश के चलते एक व्यक्ति द्वारा निर्माणाधीन मकान में लगी तिरपाल में आग लगाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर आरोपी नारायण सोनी के विरुद्ध मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मरारी टोला निवासी प्रदीप जायसवाल 48 वर्ष जो कपड़े बेचने का व्यवसाय करते है जिसने कुछ समय पूर्व गांव में ही जमीन खरीदकर मकान निर्माण कार्य शुरू कराया था। बताया जा रहा है कि जमीन खरीदने के बाद से ही उनके पड़ोसी नारायण सोनी इस बात को लेकर नाराज थे और आए दिन विवाद करते हुए अशोभनीय भाषा का उपयोग करते थे हाल ही में जब प्रदीप जायसवाल ने अपने मकान में प्लास्टर का कार्य शुरू कराया था तो सीमेंट पड़ोसी के घर की ओर न गिरे इसके लिए उन्होंने अपनी दीवार पर तिरपाल लगा दी थी। 30 मार्च की रात करीब 9 बजे प्रदीप जायसवाल ने अपने निर्माणाधीन मकान के पास आग जलती देखी। मौके पर पहुंचने पर उन्होंने देखा कि तिरपाल में आग लगी हुई है। जिसे उन्होंने तत्काल बुझाया। घटना के समय पास में ही खड़े नारायण सोनी ने आग लगाने की बात स्वीकार करते हुए उन्हें धमकाया और रिपोर्ट करने पर गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी। साथ ही झूठे मामले में फंसाने की धमकी भी दी गई।बिरसा पुलिस ने प्रदीप जायसवाल की शिकायत पर आरोपी नारायण सोनी पिता शीलचंद सोनी के खिलाफ आगजनी एवं धमकी देने के आरोप में प्रकरण दर्ज कर लिया है और मामले की जांच जारी है।

हनुमान जन्मोत्सव पर मंदिरों में उमड़ी आस्था की भीड़

पालकी यात्रा, हवन-पूजन और भंडारों से गूंजा वातावरण, शहर हुआ भक्तिमय माहौल में सराबोर

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

2 अप्रैल को नगर सहित ग्रामीण अंचलों में हनुमान जन्मोत्सव पूरे धूमधाम और श्रद्धा के साथ मनाया गया। इस दौरान शहर से लेकर गांवों तक भक्तिमय माहौल देखने को मिला और दिनभर धार्मिक आयोजनों की धूम रही। शहर में सुबह कालीपुतली स्थित हनुमान मंदिर से हनुमान जी की पालकी यात्रा निकाली गई, जो शहर के प्रमुख चौक-चौराहों का भ्रमण करते हुए पुनः मंदिर परिसर पहुंची। पालकी यात्रा के दौरान जय श्रीराम और बजरंगबली के जयकारों से वातावरण गूंज उठा। सुबह से ही विभिन्न मंदिरों और धार्मिक स्थलों पर हवन-पूजन, सुंदरकांड पाठ और हनुमान चालीसा के पाठ का आयोजन किया गया। श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव से पूजा-अर्चना कर भगवान हनुमान का आशीर्वाद प्राप्त किया। शहर के कई स्थानों पर श्रद्धालुओं द्वारा महाप्रसाद एवं भंडारों का आयोजन किया गया, जहां बड़ी संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। कालीपुतली स्थित हनुमान मंदिर में सुबह से देर शाम तक श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी रही। वहीं बूढ़ी, भटेरा और पंचमुखी हनुमान मंदिरों में हनुमान जी की प्रतिमा का विशेष श्रृंगार किया गया, जो श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केंद्र बना रहा।

पवनपुत्र हनुमान जी के जन्मोत्सव पर शहर पूरी तरह भक्ति और उत्साह के रंग में रंगा नजर आया। सुबह से ही विभिन्न मंदिरों में पूजा-अर्चना, अभिषेक और सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। शहर के काली पुतली चौक स्थित हनुमान मंदिर में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। यहां सुंदरकांड पाठ के साथ पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। वहीं बूढ़ी क्षेत्र के हनुमान मंदिर में भी डीजे पर बज रहे भक्ति गीतों के बीच श्रद्धालु उत्साहपूर्वक पूजा-अर्चना करते नजर आए। गुजरी चौक स्थित दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर में भी सुबह से ही भक्तों द्वारा अभिषेक और विशेष पूजन किया गया। शहर के अन्य हनुमान मंदिरों में भी दिनभर धार्मिक आयोजन चलते रहे। हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर काली पुतली चौक स्थित हनुमान मंदिर से सुबह 6:30 बजे भव्य पालकी यात्रा निकाली गई। यह आयोजन विश्व हिंदू परिषद एवं मंदिर समिति के पदाधिकारियों के नेतृत्व में संपन्न हुआ। पालकी यात्रा मंदिर से प्रारंभ होकर काली पुतली चौक, मेन रोड होते हुए शहर के प्रमुख चौक-चौराहों से भजन-कीर्तन के साथ निकली और पुनः मंदिर परिसर में पहुंचकर संपन्न हुई। बताया जाता है कि पिछले कुछ वर्षों से इस अवसर पर पालकी यात्रा निकालने की परंपरा शुरू हुई है, जो अब श्रद्धालुओं के बीच विशेष आकर्षण का केंद्र बन चुकी है।

मंदिरों में गूंजते रहे सुंदरकांड और भजन-कीर्तन

हनुमान जन्मोत्सव को लेकर श्रद्धालुओं ने पूर्व से ही तैयारियां शुरू कर दी थीं। उत्सव के दिन शहर के विभिन्न मंदिरों में सुबह से ही सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। कई स्थानों पर भजन-कीर्तन और रामधुन के साथ भक्तों ने उत्सव मनाया, तो कुछ मंदिरों में डीजे के माध्यम से हनुमान जी के भक्ति गीतों पर श्रद्धालु झूमते नजर आए। इस अवसर पर विभिन्न मंदिर समितियों और श्रद्धालुओं द्वारा शहर के अलग-अलग स्थानों पर भंडारे का आयोजन किया गया। मंदिर प्रांगणों और प्रमुख चौक-चौराहों पर महाप्रसाद वितरण किया गया, जो देर शाम तक चलता रहा। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और राहगीरों ने प्रसाद ग्रहण किया।

शिवलिंग श्रृंगार बना आकर्षण का केंद्र

काली पुतली चौक स्थित हनुमान मंदिर में इस अवसर पर भगवान भगवान शंकर के शिवलिंग का विशेष श्रृंगार किया गया, जो उज्जैन की तर्ज पर किया गया था। यह आकर्षक सजावट श्रद्धालुओं के लिए खास आकर्षण का केंद्र रही। बड़ी संख्या में लोग इसे देखने पहुंचे और इसकी तस्वीरें अपने मोबाइल में कैद करते नजर आए। दिनभर मंदिरों में पूजा-अर्चना, महाआरती, जय श्रीराम और जय हनुमान के जयकारों से वातावरण गूंजता रहा। शाम को महाआरती के साथ भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें प्रसाद ग्रहण करने के लिए भारी भीड़ उमड़ी।

मंडी समिति बालाघाट की बड़ी कार्रवाई

मिर्च कारोबार में टैक्स चोरी का खुलासा

पद्मेश न्यूज. बालाघाट। कृषि उपज मंडी समिति बालाघाट द्वारा मिर्च के अवैध परिवहन एवं मंडी शुल्क चोरी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए कई व्यापारियों पर जुर्माना लगाया गया है। कार्रवाई के दौरान कुल 35,635 रुपये की वसूली की गई, जबकि अन्य मामलों में भी लाखों रुपये के दंडात्मक शुल्क वसूले गए हैं। मंडी निरीक्षक मनोज पटले ने बताया कि वर्तमान गर्मी के मौसम में सूखी लाल मिर्च की मांग बढ़ने के चलते नागपुर की कलमना मंडी से बड़ी मात्रा में मिर्च बालाघाट सहित जिले के विभिन्न बाजारों में आ रही है। जहां थोक बाजार में मिर्च का भाव 140 से 180 रुपये प्रति किलो है, वहीं स्थानीय बाजार में इसे 220 से 250 रुपये प्रति किलो तक बेचा जा रहा है। इस बीच व्यापारी मंडी शुल्क और जीएसटी से बचने के लिए बिल में कम कीमत और कम मात्रा दर्शाकर टैक्स चोरी कर रहे थे। प्रशासन को जांच में यह भी पता चला कि कई मामलों में बिना ई-वे बिल के मिर्च का परिवहन किया जा रहा था। नियमों के अनुसार 50,000 रुपये से अधिक मूल्य के अंतर्राज्यीय परिवहन पर ई-वे बिल अनिवार्य होता है, जबकि सूखी लाल मिर्च पर 5 प्रतिशत जीएसटी लागू है। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व गोपाल सोनी के निर्देशन एवं तहसीलदार श्रीमती मंजुला महोबिया के मार्गदर्शन में मंडी समिति के उड़नदस्ता दल ने 2 अप्रैल को कार्रवाई करते हुए नागपुर से आ रहे दो ट्रकों को पकड़ा। जांच में आवश्यक दस्तावेज नहीं पाए जाने पर संबंधित व्यापारियों पर पांच गुना मंडी शुल्क एवं जुर्माना लगाया गया। कार्रवाई के दौरान परी ट्रेडर्स से 18,890 रुपये, वैष्णवी ट्रेडर्स से 7,880 रुपये और गणेश किराना बिसोनी से 3,345 रुपये दंडात्मक शुल्क वसूला गया। वहीं वैष बिल पर आई मिर्च के लिए गुजरात किराना से 4,840 रुपये और जय भवानी ट्रेडर्स से 680 रुपये मंडी शुल्क के रूप में लिए गए। उक्षेखनीय है कि पिछले तीन दिनों से जिले की विभिन्न मंडी समितियों द्वारा लगातार सघन जांच अभियान चलाया जा रहा है। 31 मार्च को वारासिवनी मंडी ने तीन वाहनों से 66,619 रुपये, बालाघाट मंडी ने एक वाहन से 51,500 रुपये तथा 1 अप्रैल को कटंगी मंडी ने एक वाहन से 29,678 रुपये जुर्माना वसूला। मंडी प्रशासन ने व्यापारियों से अपील की है कि वे वैध बिलों पर ही व्यापार करें तथा टैक्स चोरी से बचें। भविष्य में भी इस प्रकार की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

अवैध रेत उत्खनन व परिवहन पर बड़ी कार्रवाई, 6 वाहन जब्त

खनिज विभाग और पुलिस की संयुक्त दबिश

पद्मेश न्यूज. बालाघाट। जिले में अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण पर अंकुश लगाने के लिए खनिज विभाग और पुलिस द्वारा संयुक्त रूप से सख्त कार्रवाई की जा रही है। 02 अप्रैल को खनिज विभाग एवं पुलिस द्वारा की गई कार्यवाही में 06 वाहन जब्त किये गये है। उप संचालक खनिज सुश्री फरहत जहां ने बताया कि 02 अप्रैल को तड़के सुबह 4 बजे खनिज निरीक्षक बसंत कुमार पाटिल, सुरेश कुलस्ते एवं बालाघाट पुलिस बल ने तहसील लांजी अंतर्गत ग्राम नंदोरा स्थित सर्रा नदी में आकस्मिक जांच अभियान चलाया। जांच के दौरान सर्रा नदी में खनिज रेत का अवैध उत्खनन करते हुए 04 ट्रैक्टरों को मौके पर ही पकड़ा गया। सभी वाहनों को जब्त कर थाना लांजी परिसर में सुरक्षार्थ खड़ा कराया गया है। ट्रैक्टर क्रमांक MP 50 ZA 1898, चालक राजकुमार, निवासी ग्राम घोटी, बिना नंबर का पावरट्रैक ट्रैक्टर, चालक मुकेश मात्रे, निवासी ग्राम कड़ता, बिना नंबर का जॉन डियर ट्रैक्टर, चालक मोहनीश दौने, निवासी ग्राम नंदोरा एवं बिना नंबर का पावरट्रैक ट्रैक्टर, चालक दुर्गेश नारनौरे, निवासी ग्राम नंदोरा को जब्त किया गया है। उप संचालक सुश्री फरहत जहां ने बताया कि इसी कार्रवाई के तहत ग्राम नवेगांव क्षेत्र में दो हाइवा डंपरों को भी खनिज मुरूम का अवैध परिवहन करते हुए पकड़ा गया है। मुरूम का अवैध परिवहन करने पर हाइवा क्रमांक -CG - 11 -AJ -8923, चालक शेख हाशिम, निवासी सरेखा एवं हाइवा क्रमांक-GJ-08-AW-1953, चालक अफरोज खान, निवासी हीरापुर भरवेली को जब्त किया गया है। दोनों हाइवा डंपरों को कलेक्टर कार्यालय स्थित खनिज शाखा परिसर में खड़ा कराया गया है। प्रशासन द्वारा जब्त किए गए कुल 6 वाहनों (ट्रैक्टर-ट्रॉली एवं हाइवा डंपर) पर मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण का निवारण) नियम 2022 के तहत अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध खनन के खिलाफ इस प्रकार की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी और दोषियों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे।

मोटरसाइकिल रोड किनारे पेड़ से टकराई दो व्यक्ति घायल

पद्मेश न्यूज. बालाघाट। बैहर थाना अंतर्गत मुक्की रोड पर स्थित इमली मोड़ पर मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर रोड़ किनारे पेड़ से टकरा गई इस घटना में मोटरसाइकिल में सवार दो व्यक्ति घायल हो गए। घायल दोनों व्यक्ति दर्शन सिंह पिता जगन सिंह मरकाम 35 वर्ष और बहादुर सिंह पिता लामूसिंह धुर्वे 40 वर्ष दोनों ग्राम लगमा थाना बैहर निवासी है जिन्हें जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार दर्शन सिंह और बहादुर सिंह आपस में रिश्तेदार है और दोनों व्यक्ति अपने परिवार के साथ खेती किसानी करते हैं। 2 अप्रैल को सुबह दर्शन सिंह और बहादुर सिंह दोनों मोटरसाइकिल में बैहर अपने किसी काम से आए थे और बैहर से अपना काम निपटाना के बाद दोनों मोटरसाइकिल से अपने गांव लगमा जा रहे थे। मोटरसाइकिल दर्शन सिंह चला रहा था। 11:00 करीब बैहर से मुक्की रोड पर स्थित इमली मोड में तेजरफ्तार मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर रोड किनारे पेड़ से टकरा गई। इस दुर्घटना में दोनों घायल हो गए और दोनों घायलो को बैहर के अस्पताल में भर्ती किया गया था। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया है। दोनों का इलाज जिला अस्पताल में किया जा रहा है।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेढापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट